RNI NO . KARHIN/2021/82440 | बेंगलूरु,शनिवार,26 सितम्बर 2026 | वर्ष-6, अंक- 88 | पृष्ठ-8, मूल्य- 5 रुपए | HIND SAGAR PRAHARI LOKTANTRA KA

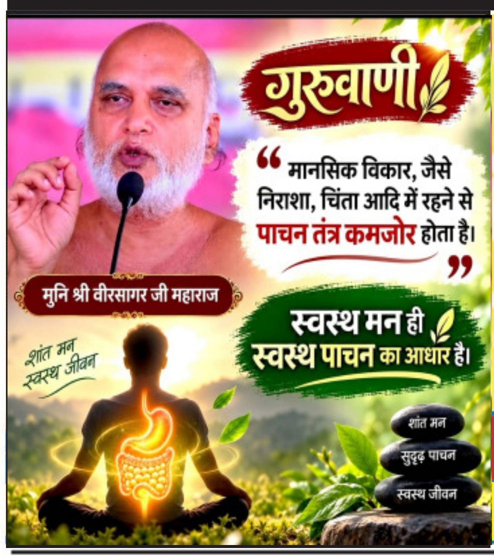

CBC IMPANNELMENT CODE: 134480

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

हिन्द सागर प्रहरी लोकतंत्र का

जनसूचना से जनजागरण
आम आदमी का मीडिया मंच

Posted at Bengaluru PSO, Bengaluru - 560026, Daily Newspaper. Regd. No.KRNA/BGE-1172/2023-2025

प्रधान संपादक: शिवसागर पाण्डेय

बेंगलुरु और लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

ಹಿಂದ್ ಸಾಗರ್ ಪ್ರಹರಿ ಲೋಕ್ ತಂತ್ರ ಕಾ...

शहर की स्वच्छता के अनदेखे नायकों को सलाम, पैलेस ग्राउंड्स में मनाया गया अर्बन वर्कर्स डे

हिन्द सागर प्रलोका, बेंगलुरु संवाददाता ज्योति भट्ट

बेंगलुरु। शहर को स्वच्छ और स्वस्थ बनाए रखने के लिए दिन-रात निस्वार्थ सेवा में जुटे सफाईकर्मियों के सम्मान में शुक्रवार को पैलेस ग्राउंड्स में अर्बन वर्कर्स डे समारोह आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने समारोह का उद्घाटन करते हुए स्वच्छता कर्मियों की सेवाओं और उनके योगदान को सम्मानपूर्वक याद किया।

समारोह में शहरी श्रमिकों के सामाजिक सम्मान और उनके महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित किया गया। कार्यक्रम में मंत्री के.एच. मुनियप्पा, एच.सी. बालकृष्ण, डॉ. यतींद्र सिद्धारमैया, के.एस. बसवंतप्पा, पूर्व मंत्री एच. अंजनैया, सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष पी. रघु, सफाई कर्मचारी विकास निगम के अशोक सलप्पा सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद रहे।

इस अवसर पर शहरी विकास विभाग की सचिव बी.बी. कावेरी, अर्बन वर्कर्स डेवलपमेंट एसोसिएशन की अध्यक्ष शैला के.डी., सफाई कर्मचारी आयोग के पूर्व अध्यक्ष नारायण तथा अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे।

समारोह का मूल संदेश यही रहा कि शहर की स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने में सफाईकर्मियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनके श्रम और समर्पण को सामाजिक सम्मान तथा उचित पहचान दिलाना शहरी प्रशासन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

कांग्रेस कार्यकताओं का ईसीई ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन

लखनऊ। राजधानी में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ता पुलिस से भिड़ गए। इस दौरान धक्का-मुक्की हुई। कांग्रेस कार्यकर्ता विधानसभा और सीएम आवास का घेराव करने जा रहे थे। 200 मीटर आगे बढ़ते ही पुलिस ने बैरिकेडिंग कर उन्हें रोक लिया। इससे कांग्रेस कार्यकर्ता नाराज हो गए। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय और विधायक आराधना मिश्रा समेत कार्यकर्ता बैरिकेडिंग पर चढ़कर नारेबाजी करने लगे। इसी बीच पुलिस ने कांग्रेस कार्यकर्ता की झड़प हो गई। कांग्रेस नेता शिव पांडेय के पैर में चोट लग गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस की लाठी से चोट लगी है। फिलहाल मौके पर गहमा-गहमी का माहौल है। कांग्रेस कार्यकर्ता बारिश में भीगते हुए प्रदर्शन कर रहे हैं। महिला कार्यकर्ता वोट चोर, गद्दी छोड़ के पोस्टर लेकर पहुंची हैं। चुनाव आयोग ने यूपी में दो कार्यक्रम स्थगित कर दिए हैं। इनमें ईसीई ज्ञानेश कुमार शामिल होने वाले थे। पहला कार्यक्रम मेरठ में 25 सितंबर को और दूसरा वाराणसी में 28 सितंबर को था। ईसी ने कहा दोनों कार्यक्रम 21 सितंबर को ही स्थगित किए गए थे। इसका मौजूदा विवाद से कोई संबंध नहीं है। दरअसल, द इंडियन एक्सप्रेस की 23 सितंबर की रिपोर्ट के मुताबिक, दो चुनाव आयुक्तों ने पिछले 10 महीनों में एसआईआर को लेकर कम से कम 14 बार लिखित आपत्ति दर्ज की। इनमें 4 आपत्तियां एक ही दिन की थीं।

सार संक्षेप

शंख एयर के फाउंडर और चेयरमैन श्रवण कुमार विश्वकर्मा के घर आयकर विभाग की कार्रवाई

लखनऊ,। राजधानी लखनऊ में शंख एयर के फाउंडर और चेयरमैन श्रवण कुमार विश्वकर्मा के घर और ऑफिस पर शुक्रवार को आयकर विभाग की टीम पहुंची। सूत्रों के मुताबिक, टीम गोमतीनगर विस्तार स्थित उनके आवास और वरदान खंड के शंख टावर स्थित कंपनी के ऑफिस में जांच कर रही है। कार्रवाई के दौरान कार्यालय में मौजूद कुछ कर्मचारियों के मोबाइल फोन टीम ने अपने कब्जे में लिए। इसके अलावा कंप्यूटर, लैपटॉप और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की भी जांच की जा रही है। अधिकारियों की ओर से कंपनी के कारोबारी लेनदेन से जुड़े रिकॉर्ड जुटाए जा रहे हैं। कार्रवाई के दौरान शंख एयर के फाउंडर और चेयरमैन श्रवण कुमार विश्वकर्मा से भी पूछताछ किए जाने की जानकारी है। टीम कंपनी के वित्तीय रिकॉर्ड, बैंक खातों और कारोबार से जुड़े लेनदेन की जानकारी जुटा रही है। सूत्रों के मुताबिक, आयकर विभाग कंपनी की आय के स्त्रोत और कारोबार में किए गए निवेश से जुड़ी जानकारी भी जुटा रहा है।

घर में सो रहे हेड कांस्टेबल की गोली मारकर हत्या, बेटा पूछताछ के लिए हिरासत में

चंडीगढ़। चंडीगढ़ के सेक्टर-22-ए में शुक्रवार तड़के घर में सो रहे पुलिस हेड कांस्टेबल की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान नितिन कुमार के रूप में हुई है। वह सेक्टर-9 स्थित पुलिस मुख्यालय में तैनात थे। घटना के समय उनकी पत्नी और बेटा भी घर में मौजूद थे। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार सुबह करीब 8रू50 बजे सेक्टर-22 पुलिस चौकी को घटना की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के लिए फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया। पुलिस ने मकान की छत से एक देसी पिस्तौल बरामद की है। पुलिस ने मृतक के बेटे अरमान को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। शुरूआती जांच में पुलिस को आशंका है कि घटना के पीछे पारिवारिक विवाद हो सकता है। हालांकि, हत्या की वास्तविक वजह अभी स्पष्ट नहीं हुई है और पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, अरमान का पहले भी आपराधिक मामला सामने आ चुका है।

बिहार में शिक्षकों की बंपर भर्ती:

32 हजार से ज्यादा पद, बीपीएससी टीआरई-4 के लिए इस तारीख तक भर दें फॉर्म

बिहार : बिहार लोक सेवा आयोग ने शिक्षक भर्ती परीक्षा 4.0 के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस भर्ती अभियान के जरिए सूबे में 32,388 शिक्षक पदों पर भर्ती होगी, जिसमें प्राथमिक से लेकर उच्च माध्यमिक स्तर तक के पद शामिल हैं। आवेदन की अंतिम तारीख 26 अक्तूबर है। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) ने चौथे चरण की विद्यालय शिक्षक भर्ती परीक्षा (टीआरई-4.0) के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस भर्ती के जरिए बिहार के शिक्षा विभाग में 32,388 शिक्षक पद भरे जाएंगे। भर्ती प्राथमिक, मध्य, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक कक्षाओं के लिए है। योग्य उम्मीदवार आयोग की आधिकारिक वेबसाइट bpsc.bih.nic.in के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की आखिरी तारीख क्या है? आवेदन की अंतिम तारीख 26 अक्तूबर 2026 है। इसी तारीख तक परीक्षा शुल्क भी जमा करना होगा। उम्मीदवारों को आवेदन प्रक्रिया और शुल्क भुगतान दोनों निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करना होगा। किस कक्षा के लिए कितने पद हैं? टीआरई-4.0 में शिक्षक पदों को चार स्तरों में बांटा गया है। इनमें सबसे ज्यादा पद कक्षा 11वीं और 12वीं (16,101) के लिए हैं। कौन कर सकता है आवेदन? अलग-अलग शिक्षण स्तर के लिए योग्यता और आयु सीमा अलग है। आयु की गणना के लिए कटऑफ तारीख 1 जनवरी 2026 है। नियमानुसार आरक्षित वर्गों को आयु में छूट दी जाएगी। उम्मीदवार जिस पद के लिए आवेदन करना चाहते हैं, उसकी निर्धारित योग्यता पूरी करना जरूरी है। प्राथमिक और मध्य विद्यालय शिक्षक प्राथमिक और मध्य विद्यालय शिक्षक पदों के लिए आयु सीमा 18 से 37 वर्ष है। प्राथमिक शिक्षक के लिए उम्मीदवार के पास कक्षा 12 की योग्यता के साथ डीएड, जेबीटी या बीएलएड और सीटीईटी/बीटीईटी पेपर-1 होना चाहिए। मध्य विद्यालय शिक्षक के लिए स्नातक के साथ बीएड या बीएलएड और सीटीईटी/बीटीईटी पेपर-2 की योग्यता जरूरी है। माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षक माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षक पदों के लिए आयु सीमा 21 से 37 वर्ष है। माध्यमिक शिक्षक पद के लिए स्नातक डिग्री के साथ बीएड या बीएलएड और एसटीईटी पेपर-1 जरूरी है। उच्च माध्यमिक शिक्षक पद के लिए स्नातकोत्तर डिग्री के साथ बीएड या बीएलएड और एसटीईटी पेपर-2 की योग्यता चाहिए। आवेदन शुल्क कितना है? इस भर्ती के लिए परीक्षा शुल्क 100 रुपये निर्धारित किया गया है। जो उम्मीदवार एक से अधिक शिक्षण श्रेणी के लिए आवेदन करेंगे, उन्हें अपनी चुनी गई हर श्रेणी के लिए अलग परीक्षा शुल्क देना होगा। ये श्रेणियां कक्षा 1 से 5, कक्षा 6 से 8, कक्षा 9 से 10 और कक्षा 11 से 12 हैं। उम्मीदवार शुल्क का भुगतान डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिंग या यूपीआई के जरिए ऑनलाइन कर सकते हैं। ऑनलाइन भुगतान के दौरान बैंक की ओर से निर्धारित अतिरिक्त शुल्क भी लग सकता है। यह शुल्क भुगतान के समय बैंक द्वारा अपने आप काट लिया जाएगा।

बैंक यूनियनों के प्रदर्शन के लिए वैकल्पिक जगह देने पर पुलिस सोमवार तक ले फैसला: दिल्ली हाईकोर्ट

नई दिल्ली : दिल्ली हाईकोर्ट ने पुलिस को निर्देश दिया है कि 28, 29 और 30 सितंबर को बैंक यूनियनों के शांतिपूर्ण प्रदर्शन के लिए जंतर-मंतर के अलावा किसी वैकल्पिक जगह की मांग पर फैसला किया जाए। जस्टिस अमित महाजन ने पुलिस को निर्देश दिया कि बैंक यूनियनों के वैकल्पिक स्थल पर प्रदर्शन की मांग पर सोमवार तक फैसला लिया जाए। पुलिस ने कोर्ट को बताया कि जंतर-मंतर पर कानून-व्यवस्था से जुड़ी समस्या है। बैंक यूनियनों ने पहले जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति मांगी थी। वैकल्पिक तौर पर दिल्ली में किसी अन्य स्थान पर प्रदर्शन की अनुमति देने की मांग की गई है। कोर्ट ने साफ कहा कि पुलिस अपने फैसले की जानकारी बैंक यूनियनों के वकील को सोमवार शाम 4 बजे तक दे। याचिका में आरोप लगाया गया है कि प्रदर्शन की अनुमति देने में देरी या अनुमति नहीं देने से यूनियनों के शांतिपूर्ण सभा और प्रदर्शन के मौलिक अधिकार प्रभावित हुए हैं। यूनियनों के मुताबिक, 11 सितंबर के प्रदर्शन के लिए 27 अगस्त को ही अनुमति मांगी गई थी। बाद में रामलीला मैदान, राजेंद्र प्लेस और द्वारका में प्रदर्शन की अनुमति के लिए भी संपर्क किया गया। द्वारका में सेक्टर-10 में प्रदर्शन की अनुमति ब्रिक्स समिट का हवाला देकर नहीं दी गई थी। याचिका में बताया गया है कि 18 सितंबर के प्रदर्शन के लिए 1 सितंबर को डीसीपी, पार्लियामेंट स्ट्रीट को आवेदन दिया गया था, लेकिन 17 दिन तक कोई जवाब नहीं मिला। 17 सितंबर की रात करीब 10 बजे अनुमति खारिज किए जाने की जानकारी दी गई। बैंक यूनियनों का कहना है कि बार-बार आवेदन करने के बावजूद उन्हें समय पर अनुमति नहीं मिल रही है, जिससे उनके विरोध प्रदर्शन की योजना प्रभावित हो रही है। अब हाईकोर्ट के आदेश के बाद पुलिस को सोमवार तक वैकल्पिक जगह को लेकर अपना फैसला लेना होगा।

जम्मू कश्मीर विधानसभा में हंगामा, पूर्ण राज्य के दर्जे की बहाली का प्रस्ताव आते ही बीजेपी का विरोध

श्रीनगर: मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को विधानसभा में एक प्रस्ताव पेश किया जिसमें जम्मू कश्मीर के पूर्ण राज्य का दर्जा तत्काल बहाल करने की मांग की गई है। प्रस्ताव पेश होते ही विधानसभा में हंगामा शुरू हो गया क्योंकि प्रस्ताव में जून 2000 में तत्कालीन जम्मू-कश्मीर राज्य की नेशनल कॉन्फ्रेंस सरकार द्वारा पारित स्वायत्तता संबंधी प्रस्ताव का उल्लेख था। प्रस्ताव में कहा गया है, 26 जून 2000 और 6 नवंबर 2024 को सदन द्वारा पारित प्रस्तावों के अलावा, सदन भारत सरकार से जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा तत्काल और शीघ्र बहाल करने की मांग करता है तथा इस प्रस्ताव को भारत सरकार को भेजने का निर्णय लेता है। दरअसल फारूक अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार ने 26 जून 2000 को एक प्रस्ताव पारित किया था जिसमें नौ अगस्त 1953 से पहले मौजूद व्यवस्था के अनुरूप अधिक स्वायत्तता बहाल करने का उल्लेख था। वहीं, छह नवंबर 2024 को विधानसभा ने जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा बहाल करने की मांग वाला प्रस्ताव पारित किया था। मुख्यमंत्री द्वारा प्रस्ताव सदन में पेश किए जाने पर सत्ता पक्ष के सदस्यों ने मेज थपथपाकर इसका स्वागत किया। हालांकि, 2000 के स्वायत्तता प्रस्ताव के संदर्भ को लेकर भाजपा सदस्यों ने विरोध शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि वे सदन में स्वायत्तता के मुद्दे पर चर्चा नहीं होने देंगे।

एनआईए केस में 7 विदेशी नागरिकों को विदेश जाने की इजाजत, परिवार से मिलने अमेरिका-यूक्रेन जा सकेंगे

नई दिल्ली दिल्ली की एक विशेष एनआईए अदालत ने सात विदेशी नागरिकों को सीमित अवधि के लिए अपने परिवार से मिलने विदेश जाने की अनुमति दी है। इनमें अमेरिकी नागरिक मैथ्यू आरोन वैनडाइक और यूक्रेन के छह नागरिक शामिल हैं। अदालत ने सभी आरोपियों को अधिकतम एक महीने के लिए अमेरिका और यूक्रेन जाने की अनुमति दी है। उन्हें निर्धारित अवधि के भीतर भारत लौटना होगा और वापसी के 72 घंटे के अंदर अदालत को इसकी सूचना देनी होगी। यह मामला राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की उस जांच से जुड़ा है, जिसमें आरोपियों पर म्यांमार में उग्रवादी समूहों को हथियार और ड्रोन संचालन की ट्रेनिंग देने का आरोप लगाया गया है। विदेश जाने की अनुमति पाने वाले यूक्रेनी नागरिकों में हुर्बा पेट्रो, स्लिवियाक तारास, इवान सुखमानोव्स्की, स्टेफानकिव मारियन, होंचारुक मैक्सिम उर्फ मैक्सिम और कामिन्स्की विक्टर शामिल हैं। अदालत ने विदेश यात्रा की अनुमति देते समय आरोपियों के लिए वापसी से संबंधित शर्तें भी तय की हैं। उन्हें निर्धारित अवधि के भीतर भारत वापस आना होगा। इसके बाद 72 घंटे के भीतर कोर्ट को अपनी वापसी की जानकारी देनी होगी। इस आदेश के तहत विदेश जाने की अनुमति स्थायी रूप से मामले से राहत नहीं है। जांच और न्यायिक कार्यवाही अपनी प्रक्रिया के अनुसार जारी रहेगी। सुनवाई के दौरान एनआईए ने अदालत को बताया कि मामले की जांच अभी जारी है। हालांकि, मौजूदा चरण में जांच के लिए इन सातों आरोपियों की तत्काल भारत में मौजूदगी जरूरी नहीं है। जांच एजेंसी ने यह भी कहा कि अदालत चाहे तो आरोपियों से आवश्यक अंडरटेकिंग ली जा सकती है। इस तरह विदेश यात्रा की अनुमति के बावजूद आरोपियों को अदालत की तय शर्तों का पालन करना होगा। एनआईए की ओर से मामले में लगाए गए आरोपों की अंतिम पुष्टि अदालत में होने वाली न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही होगी। अमेरिकी नागरिक मैथ्यू आरोन वैनडाइक को अमेरिका जाने की अनुमति के अलावा एक अन्य कानूनी राहत भी मिली है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह न किया यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का शुभारंभ

यूपी के उत्पादों, सप्लाई चेन व उद्यमियों पर दुनिया को भरोसा : योगी

- ई-कार्ट से केंद्रीय गृह मंत्री व मुख्यमंत्री ने देखा ट्रेड शो
- एक करोड़ से अधिक एमएसएमई दे रहीं तीन करोड़ से अधिक को रोजगार

लखनऊ,। उत्तर प्रदेश के परंपरागत हुनर से लेकर आधुनिक मैन्युफैक्चरिंग तक की ताकत शुक्रवार को ग्रेटर नोएडा में दुनिया के सामने दिखी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो यूपीआईटीएस के चौथे संस्करण का शुभारंभ किया। इस बार 90 देशों से 600 से अधिक विदेशी खरीदार पहुंचे हैं, जबकि 2,400 से अधिक एग्जीबिटर्स अपने उत्पादों के साथ ट्रेड शो में हिस्सा ले रहे हैं। अपने संबोधन में सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के उत्पादों की गुणवत्ता, मजबूत सप्लाई चेन और यहां के उद्यमियों की विश्वसनीयता पर आज पूरी दुनिया को भरोसा है। आज प्रदेश दो लाख करोड़ रुपये से अधिक का निर्यात कर रहा है मुख्यमंत्री ने कहा कि चार वर्षों में यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो प्रदेश में तैयार होने वाले उत्पादों को दुनिया के सामने रखने का बड़ा मंच बन गया है। पिछले वर्ष 72 देशों के 550 बायर्स इसमें शामिल हुए थे। इस बार 90 देशों से 600 से अधिक बायर्स पहुंचे हैं और करीब डेढ़ लाख बी2बी विजिटर्स के आयोजन में शामिल होने की संभावना है। यह बढ़ती भागीदारी उत्तर प्रदेश के कारीगरों के हुनर, युवाओं के इनोवेशन, एमएसएमई सेक्टर और अन्नदाता किसानों की मेहनत के प्रति बढ़ते वैश्विक भरोसे को दिखाती है मुख्यमंत्री ने कहा कि जो अपनी जड़ों से जुड़कर दुनिया के साथ कदम से कदम मिलाकर चलता है, दुनिया उसे फॉलो करती है। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो इसका उदाहरण है। यह ट्रेडिशन और टेक्नोलॉजी, हेरिटेज और इनोवेशन के साथ हुनर और बाजार की ताकत को एक साथ देखने का अवसर है। यहां यूपी की लोकल स्ट्रेंथ ग्लोबल मार्केट के सामने अपनी पहचान बना रही है। यह डबल इंजन सरकार की क्षमता को संभावना और संभावना को समृद्धि में बदलने की कार्यसंस्कृति है मुख्यमंत्री ने अमित शाह को प्रदेश के परंपरागत उद्यमों को नई पहचान देने की सोच का प्रेरणास्त्रोत बताया। उन्होंने कहा कि 2017 में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहते हुए अमित शाह ने उत्तर प्रदेश के लोक कल्याण संकल्प पत्र के निर्माण के दौरान प्रदेश के परंपरागत उद्यमों की ताकत को पहचाना था। टैलेंट और ट्रेडिशन को टेक्नोलॉजी से जोड़ा गया।

दिल्ली के मॉडल टाउन में लगी आग

शॉर्ट सर्किट से इमारत में उठीं लपटें, अंदर थे 30 लोग

नई दिल्ली : पुलिस की इस मुस्तैदी और टीम वर्क के कारण कुल 30 लोगों को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। समय रहते पुलिस के पहुंचने और तुरंत शुरू किए गए रेस्क्यू ऑपरेशन से किसी भी तरह का जान-माल का नुकसान नहीं हुआ। दिल्ली के मॉडल टाउन इलाके में एक इमारत में शॉर्ट सर्किट के कारण शनिवार को भीषण आग लग गई। गनीमत यह रही कि पुलिस की त्वरित कार्रवाई और सूझबूझ के चलते एक बड़ा हादसा टल गया और अंदर फंसे सभी 30 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। इस घटना में किसी भी प्रकार की जनहानि या चोट की कोई सूचना नहीं है। इस तरह बचाई गई लोगों की जान दोपहर करीब 01:58 बजे मॉडल टाउन थाना क्षेत्र की एक इमारत में शॉर्ट सर्किट से आग भड़क उठी। मॉडल टाउन थाने के बीट ऑफिसर हेड कांस्टेबल पवन सबसे पहले मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्थिति की गंभीरता को समझते हुए तुरंत थाना प्रभारी इंस्पेक्टर अशोक गिरि को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही एसएचओ अशोक गिरि ने बिना देर किए पीसीआर कॉल की और संबंधित आपातकालीन एजेंसियों को अलर्ट किया। इसके बाद, इंस्पेक्टर अशोक गिरि अपनी टीम- हेड कांस्टेबल महेंद्र और कांस्टेबल चंदर पाल के साथ तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और मोर्चा संभाल लिया। सुरक्षित निकाला गया बाहर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचते ही युद्धस्तर पर बचाव अभियान शुरू किया। प्रभावित इमारत के साथ-साथ आसपास की सटी हुई इमारतों में मौजूद लोगों को भी पूरी सावधानी और सुरक्षा के साथ बाहर निकाला गया।

(दैनिक हिन्दी)
हिन्द सागर
प्रहरी लोकतंत्र का

hindsagarplk.com

बेंगलूरु,शनिवार,26 सितम्बर 2026

बच्चों के प्रति माता-पिता के बर्ताव के संबंध में चाणक्य नीति

डॉ.एस.ए.मंजुनाथ
प्रोफेसर एवं पत्रकार

घर बच्चे के लिए पहली पाठशाला है और माँ पहली टीचर है। बच्चे का भविष्य और सफलता उसके बचपन में ही तय होती है। बच्चा अपना ज्यादातर समय घर पर, अपने परिवार में बिताता है। इसलिए घर का माहौल बच्चे का भविष्य बनाने में अहम भूमिका निभाता है।

आचार्य चाणक्य ने बच्चों की परवरिश के बारे में कुछ मार्गदर्शन दी हैं। उस समय दी गई उनकी कुछ मार्गदर्शन और सलाह आज भी बहुत काम की हैं। अपनी नीति में चाणक्य ने कुछ जरूरी बातें बताई हैं जिन्हें माता-पिता को जरूर पालन करना ??चाहिए।

बच्चे जैसे-जैसे बड़े होते हैं, माता-पिता को भी बढ़ना और बदलना चाहिए। बच्चों को बचपन में लाड़-प्यार करना चाहिए। अधेड़ उम्र में अनुशासन सिखाना चाहिए, जिसका मतलब है कि आपको थोड़ा सख्त होना चाहिए। किशोर अवस्था में अभिभावक को एक सहायक दोस्त बनना चाहिए। इस उम्र में पर्याप्त विकास भावनात्मक दूरी को रोकता है। एक दूसरे के साथ स्वतंत्र रूप से बातचीत करने की अनुमति देता है।

हम बच्चों को जो सिखाते हैं, वह बच्चों के सीखने से ज्यादा महत्वपूर्ण है। इस पर कोई संदेह नहीं है। लेकिन हमें बच्चों को सिखाए गए पाठों का भी पालन करना चाहिए। क्योंकि बच्चे अपने आस-पास क्या हो रहा है, इसे देखकर सीखते हैं। बच्चों में ईमानदारी, दया और आपसी सम्मान जैसे बुनियादी मूल्यों को स्थापित करना बहुत जरूरी है। ऐसा होने के लिए माता-पिता को सबसे पहले अपने बच्चों को ये गुण दिखाना चाहिए। करुणा का वातावरण स्वाभाविक रूप से बच्चे की नैतिक नींव बनाता है।

किसी अन्य के साथ तुलना की बात करना एक बड़ी भूल है ' सभी बच्चे एक जैसे नहीं होते। जब बच्चों को अकादमिक असफलताओं या व्यक्तिगत विफलताओं का सामना करना पड़ता है, तो माता-पिता को सबसे पहले अपने माता-पिता के पास आना चाहिए। इसके अलावा अपने दोस्तों से बात नहीं करनी चाहिए। गलती करना गलत नहीं है। बच्चों को यह जानने के लिए गलतियाँ करनी चाहिए कि वे जो कर रहे हैं वह गलत है। इसलिए बच्चों द्वारा की गई छोटी-छोटी गलतियों का मजाक उड़ाने के बजाय माता-पिता को बच्चों के साथ खड़े होकर उस गलती को सुधारना चाहिए। बच्चों का आत्मविश्वास होना चाहिए। यह सच है कि प्यार और स्नेह बहुत जरूरी है माता-पिता बच्चों को अनुशासन पढ़ाते समय सख्त होना चाहिए, लेकिन इसके साथ-साथ प्यार और स्नेह भी होना चाहिए। अन्यथा केवल सख्त नियम ही भय पैदा करते हैं। बच्चों को प्रेम मार्गदर्शन चाहिए, भय का माहौल नहीं। तभी बच्चे अपनी गलतियों को छिपाते नहीं हैं। जिम्मेदारी से कार्य करें।

यह सच है कि प्यार और स्नेह बहुत जरूरी है ' माता-पिता बच्चों को अनुशासन पढ़ाते समय सख्त होना चाहिए, लेकिन इसके साथ-साथ प्यार और स्नेह भी होना चाहिए। अन्यथा केवल सख्त नियम ही भय पैदा करते हैं। बच्चों को प्रेम मार्गदर्शन चाहिए, भय का माहौल नहीं। तभी बच्चे अपनी गलतियों को छिपाते नहीं हैं। जिम्मेदारी से कार्य करें। चाणक्य ने इस बात पर जोर दिया कि बच्चे का भविष्य बाहरी सम्पत्ति के बजाय आंतरिक मूल्यों पर निर्भर करता है।

बालापुर गणेश लड्डू 39 लाख में नीलाम, बना नया रिकॉर्ड

हिन्द सागर प्रलोका,
संवाददाता।

हैदराबाद। प्रसिद्ध बालापुर गणेश लड्डू इस वर्ष रिकॉर्ड 39 लाख रुपये में नीलाम हुआ। हैदराबाद के कारोबारी एस. प्रणीत रेड्डी ने 21 किलो के इस लड्डू की सबसे ऊंची बोली लगाकर इसे खरीदा। पिछले वर्ष

लड्डू 35 लाख रुपये में बिका था।

बालापुर में गणेश विसर्जन यात्रा शुरू होने से पहले हुई खुली नीलामी में आठ लोगों ने हिस्सा लिया। मान्यता है कि इस लड्डू को सौभाग्य और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। खरीदार इसके प्रसाद को परिवार, मित्रों और परिचितों में बांटने के साथ घर, खेत और व्यापारिक प्रतिष्ठानों में भी रखते हैं।

लड्डू की नीलामी की परंपरा 1994 में मात्र 450 रुपये से शुरू हुई थी। कोरोना महामारी के कारण 2020 में नीलामी नहीं हुई थी। आयोजकों के अनुसार अब तक 31 बार इसकी नीलामी हो चुकी है। बालापुर गणेश उत्सव करीब 45 वर्ष पुराना है और यह नीलामी गणेश विसर्जन यात्रा की शुरूआत का प्रमुख आकर्षण बन चुकी है।

कमल अमृत वाणी

कमलेकर नागेश्वर राव 'कमल'

मौनं न दौर्बल्यं स्यात समये वाक्यवर्जितम्
।
यत्र वाचा न साध्येत तत्र मौनं प्रशस्यते ॥

तात्पर्य -

हर परिस्थिति में बोलना आवश्यक नहीं होता।कई अवसरों पर मौन ही सबसे उचित उत्तर होता है।

क्रोध में बोले गए शब्द वापस नहीं लिए जा सकते। बिना सोचे बोलने से किसी के हृदय को चोट पहुँच सकती है।उचित समय पर मौन रहना कमजोरी नहीं,बल्कि आत्मसंयम और परिपक्वता का संकेत है।कब बोलना है और कब मौन रहना है-इसका ज्ञान जीवन में बहुत मूल्यवान है।

अमृत वाणी

जोगिया री प्रीतड़ी है दुखड़ा री मूल।
हिलमिल बात बणावट मीठी पाछे जावत भूल॥
तोड़त जेज करत नहिं सजनी जैसे चमेली के मूल।
मीरा कहे प्रभु तुमरे दरस बिन लगत हिवड़ा में सूल॥

प्रस्तुत पद प्रसिद्ध कृष्णभक्त कवयत्री मीराबाई द्वारा रचित है। इस पद में मीराबाई ने भगवान कृष्ण (जोगी) के प्रति अपने अनन्य प्रेम, विरह की पीड़ा और संसार की स्वार्थी प्रवृत्ति का बहुत ही सुंदर और मर्मस्पर्शी चित्रण किया है। ?मीराबाई कहती हैं कि सांसारिक लोगों या छलिया प्रकृति के प्रेमियों से प्रेम करना दुखों का मूल कारण है। ये लोग शुरूआत में बहुत ही हिल-मिलकर और मीठी-मीठी बातें बनाकर अपना प्रेम जताते हैं, लेकिन मौका आने पर या समय बीतने के बाद सब कुछ भूल जाते हैं और साथ छोड़ देते हैं। आगे मीराबाई कहती हैं कि जो सच्चे प्रेमी होते हैं, वे रिश्ते को तोड़ने में जरा भी देर नहीं लगाते (अर्थात सांसारिक दिखावटी रिश्ते कभी भी बिना सोचे-समझे टूट जाते हैं), ठीक उसी प्रकार जैसे चमेली के पौधे को उसकी जड़ों (मूल) से आसानी से उखाड़ दिया जाता है। अपने आराध्य कृष्ण (जोगी) को संबोधित करते हुए मीराबाई अत्यंत भावुक होकर कहती हैं-हे प्रभु! आपके दर्शन के बिना मेरा हृदय ऐसे तड़पता है, जैसे सीने में कोई काँटा (सूल) चुभ गया हो। भगवान कृष्ण के वियोग की यह टीस उनके प्राणों को निरंतर सता रही है।

(मीरा वाणी)
डॉ.एस.ए.मंजुनाथ
प्रोफेसर एवं पत्रकार

जब बुजुर्ग बनेंगे उत्सव की जान, बेंगलुरु में सजेगा हिरियारा जात्रे-2026 का खुशियों भरा मंच

हिन्द सागर प्रलोका, बेंगलुरु
संवाददाता गोदाराम पुनियो

बेंगलुरु। शहर में वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान, सहभागिता और खुशियों को समर्पित हिरियारा जात्रे (Elders Fest)-2026 का आयोजन 4 अक्टूबर 2026 को न्यू होराइजन गुरुकुल स्कूल, कडुबीसनहल्ली में किया जाएगा। वी द वॉलंटियर्स (VTVO) की एल्डर्स अड्डा पहल के तहत आयोजित इस वार्षिक उत्सव में बेंगलुरु के 40 वृद्धाश्रमों से वरिष्ठ नागरिकों के शामिल होने की योजना है।

सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक चलने वाले इस आयोजन में 60 से 90 वर्ष तक के बुजुर्ग दर्शक नहीं, बल्कि कार्यक्रम के मुख्य सहभागी होंगे। वे नृत्य, गायन, नाटक, फैशन शो, खेल, प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

आयोजकों के अनुसार, इस वर्ष कार्यक्रम में 800 से अधिक वरिष्ठ नागरिकों और 800+ स्वयंसेवकों की भागीदारी प्रस्तावित है। विभिन्न आयु वर्गों के स्वयंसेवक बुजुर्गों की सहायता, भोजन, परिवहन, खेल, मंच संचालन, सजावट और अन्य व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी संभालेंगे।

बुजुर्गों के लिए एक दिन, जब उम्र नहीं–उत्साह होगा केंद्र में: ह्यहिरियारा जात्रेह्न की खासियत यह है कि इसमें बुजुर्गों को केवल सम्मानित अतिथि के रूप में नहीं, बल्कि प्रतिभागी, कलाकार और प्रतियोगी के रूप में मंच दिया जाता है। आयोजन का उद्देश्य उन्हें मनोरंजन, संवाद, सहभागिता और सामूहिक आनंद का ऐसा अवसर देना है, जहां वे अपनी उम्र की सीमाओं से परे खुलकर उत्सव का हिस्सा बन सकें।

आयोजकों ने बताया कि कार्यक्रम में शामिल वरिष्ठ नागरिकों के लिए परिवहन, भोजन, जलपान और आवश्यक व्यवस्थाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी। आयोजन समुदाय के सहयोग और क्राउडफंडिंग के माध्यम से संचालित किया जा रहा है।

वी द वॉलंटियर्स ने मीडिया संस्थानों और पत्रकारों से आयोजन की कहानियों, वरिष्ठ नागरिकों की प्रतिभाओं और विभिन्न पीढ़ियों के स्वयंसेवकों की सहभागिता को समाज तक पहुंचाने की अपील की है। आयोजकों के मुताबिक मीडिया के माध्यम से अधिक स्वयंसेवकों और सहयोगकर्ताओं को इस पहल से जोड़ा जा सकता है।

एक दिन ऐसा भी, जब बुजुर्गों की आंखों में बीते कल की यादें नहीं, बल्कि आज की मुस्कान और कल की उम्मीद दिखाई देगी– यही हिरियारा जात्रे-2026 का संदेश है।

सबरीमाला यात्रा के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था, वर्चुअल कतार पर जोर

हिन्द सागर प्रलोका,
संवाददाता।

तिरुवनंतपुरम। केरल में नवंबर के तीसरे सप्ताह से शुरू होने वाले दो माह के सबरीमाला तीर्थयात्रा सीजन के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी। गृह मंत्री रमेश चेन्निथला ने उच्चस्तरीय बैठक में पुलिस और संबंधित एजेंसियों को सीजन शुरू होने से पहले सभी तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए।

तीर्थयात्रियों की भीड़ नियंत्रित करने के लिए वर्चुअल कतार प्रणाली को बढ़ावा दिया

जाएगा। तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के पुलिस प्रमुखों के माध्यम से श्रद्धालुओं को इसकी जानकारी दी जाएगी। सन्निधानम, पंपा और नीलाक्कल में सीसीटीवी निगरानी, पुलिस नियंत्रण और अग्निशमन व्यवस्था मजबूत की जाएगी।

नीलाक्कल और चाकुपालम में पार्किंग सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी। वाहनों की फिटनेस और गति की जांच के साथ व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में कार्यरत कर्मचारियों का पुलिस सत्यापन अनिवार्य होगा। पुलिसकर्मियों के लिए भोजन, आवास, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी।

आंध्र प्रदेश में डेटा सेंटरों के लिए 70% नवीकरणीय ऊर्जा अनिवार्य

हिन्द सागर प्रलोका,
संवाददाता।

अमरावती। आंध्र प्रदेश सरकार ने डेटा सेंटरों के विस्तार को पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए बड़ा कदम उठाया है। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री नारा लोकेश ने कहा कि राज्य में स्थापित होने वाले डेटा सेंटरों में इस्तेमाल होने वाली कम से कम 70 प्रतिशत ऊर्जा नवीकरणीय स्रोतों से लेना अनिवार्य होगा।

लोकेश ने पब्लिक अफेयर्स फोरम ऑफ इंडिया (पीएएफआई) की परिचर्चा में कहा कि सरकार डेटा सेंटरों की ऊर्जा और पानी की जरूरतों के साथ उनके पर्यावरणीय प्रभाव को भी ध्यान में रख रही है। इसके लिए सौर, पवन, पंप स्टोरेज और बैटरी आधारित ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा दिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि विशाखापत्तनम को प्रमुख डेटा सेंटर केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। पानी की जरूरतों को पूरा करने के लिए पोलावरम लेफ्ट बैंक नहर के माध्यम से पानी उपलब्ध कराने की योजना है।

लोकेश के अनुसार, आंध्र प्रदेश में निवेश, नवाचार और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए क्वांटम तकनीक, एआई, बायोमेडिसिन, दवा, दुर्लभ पृथ्वी खनिज, बागवानी और डेटा सेंटर समेत 23 क्षेत्र-विशिष्ट क्लस्टर विकसित किए जा रहे हैं। राज्य सरकार दो अक्टूबर से बागवानी मिशन भी शुरू करेगी।

एमएलसी चुनावः 11 सीटों पर संग्राम, सपा को बचानी है नेता प्रतिपक्ष की कुर्सी

लखनऊ,। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले विधान परिषद की 11 सीटों पर होने वाला चुनाव सियासी दलों के लिए बड़ा इम्तिहान बन गया है। 23 अक्टूबर को होने वाले इस चुनाव में 5 स्नातक और 6 शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों की सीटों पर मतदान होगा।चुनाव का असर सिर्फ 11 सीटों तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि विधान परिषद में समाजवादी पार्टी के संख्याबल और नेता प्रतिपक्ष के पद पर भी असर पड़ सकता है।यह चुनाव भी कम रोमांचक नही होने वाला है। एनडीए के सामने उच्च सदन में अपने मौजूदा दबदबे को बनाए रखने की चुनौती होगी।विधान परिषद की जिन 11 सीटों पर चुनाव होना है, उनमें स्नातक क्षेत्र की 5 और शिक्षक क्षेत्र की 6 सीटें शामिल हैं। स्नातक सीटों में लखनऊ, वाराणसी, आगरा, मेरठ और इलाहाबाद-झांसी शामिल हैं।शिक्षक क्षेत्र में लखनऊ, वाराणसी, आगरा, मेरठ, बरेली-मुरादाबाद और गोरखपुर-फैजाबाद सीटों पर चुनाव होगा। इन सीटों पर मौजूदा सदस्यों का कार्यकाल 6 दिसंबर को खत्म हो रहा है। निर्वाचन आयोग के कार्यक्रम के मुताबिक 23 अक्टूबर को मतदान और 27 अक्टूबर को मतगणना होगी।100 सदस्यीय उत्तर प्रदेश विधान परिषद में समाजवादी पार्टी के 10 सदस्य हैं। नेता प्रतिपक्ष के पद के लिए कम से कम 10 सदस्य जरूरी है।सपा के लिए इन चुनावों में अपने संख्याबल को बनाए रखना अहम है।11 सीटों में तीन पर वर्तमान में समाजवादी पार्टी के सदस्य हैं।इलाहाबाद-झांसी स्नातक सीट से मान सिंह यादव, वाराणसी स्नातक से आशुतोष सिन्हा और वाराणसी शिक्षक सीट से लाल बिहारी यादव शामिल हैं। समाजवादी पार्टी ने इन तीनों को फिर मैदान में उतारा है। पार्टी ने गोरखपुर-फैजाबाद शिक्षक सीट से कमलेश यादव और लखनऊ स्नातक क्षेत्र से पूर्व एमएलसी कांति सिंह को उम्मीदवार बनाया है। समाजवादी पार्टी के लिए मुकाबला केवल नई सीटें हासिल करने का नहीं बल्कि उच्च सदन में अपने मौजूदा राजनीतिक दर्जे को बनाए रखने का भी है। विधान परिषद में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले एनडीए का संख्याबल मजबूत है। 100 सदस्यीय सदन में एनडीए के 83 सदस्य हैं। इनमें भारतीय जनता पार्टी के 79 एमएलसी हैं, जबकि अपना दल एस राष्ट्रीय लोक दल, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी और निषाद पार्टी के पास एक-एक सदस्य हैं। चुनाव में एनडीए के सामने किसी पद को बचाने की चुनौती नहीं है लेकिन 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में राजनीतिक और संगठनात्मक पकड़ का संदेश देने का मौका जरूर है।11 सीटों के पिछले चुनावी नतीजे भी इस बार के मुकाबले की तस्वीर समझने में अहम हैं। 2020 में बीजेपी ने इन सीटों में 6 पर जीत दर्ज की थी, जबकि सपा को 3 सीटें मिली थीं और 2 सीटों पर निर्दलीय प्रत्याशी विजयी रहे थे।इस बार राजनीतिक दल उसी पुराने प्रदर्शन को आधार बनाकर रणनीति तैयार कर रहे हैं। बीजेपी और सपा के अलावा कांग्रेस की सक्रियता भी चुनावी समीकरण को प्रभावित कर सकती है।विधान परिषद में अभी कांग्रेस का कोई सदस्य नहीं है।

हैदराबाद में मनमोहन सिंह की प्रतिमा का अनावरण

हिन्द सागर प्रलोका,
संवाददाता।

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी शनिवार को पूर्व

प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की जयंती के अवसर पर गचीबौली स्थित विप्रो सर्कल में उनकी कांस्य प्रतिमा का अनावरण करेंगे। हैदराबाद के प्रभारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने शुक्रवार को समारोह की तैयारियों का निरीक्षण किया।

प्रभाकर ने डॉ. मनमोहन सिंह के आर्थिक सुधारों और सार्वजनिक जीवन में योगदान को याद करते हुए कहा कि उनकी प्रतिमा आने वाली पीढ़ियों को उनके राष्ट्र निर्माण, आर्थिक दूरदृष्टि और सरल नेतृत्व की याद दिलाएगी। उन्होंने 1991 में वित्त मंत्री के रूप में शुरू किए गए आर्थिक सुधारों तथा 2004 से 2014 तक प्रधानमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान हुए विकास कार्यों का उल्लेख किया।

मंत्री ने कहा कि मनमोहन सिंह के नेतृत्व में मनरेगा, सूचना का अधिकार और शिक्षा का अधिकार जैसे महत्वपूर्ण कानून एवं योजनाएं लागू हुईं। उन्होंने तेलंगाना राज्य के गठन की प्रक्रिया में तत्कालीन यूपीए सरकार और डॉ. मनमोहन सिंह की भूमिका को भी महत्वपूर्ण बताया।

हैदराबाद के रेस्टोरेंट में चूहे-कॉकरोच का आतंक, 8 के लाइसेंस निलंबित

हिन्द सागर प्रलोका,
संवाददाता।

हैदराबाद। शहर में खाद्य सुरक्षा जांच के दौरान कई रेस्टोरेंट में गंदगी, कीड़े-मकोड़े और एक्सपायर्ड खाद्य सामग्री मिलने पर आठ प्रतिष्ठानों के FSSAI लाइसेंस निलंबित कर दिए गए। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों

और पुलिस की टीमों ने 15 रेस्टोरेंट का निरीक्षण कर 16 खाद्य नमूने लिए।

रायदुर्ग स्थित पकवान ग्रैंड रेस्टोरेंट में 1,170 किलो एक्सपायर्ड चावल, 45 किलो नूडल्स, खराब अंडे और चूहों की मौजूदगी मिली। गचीबोवली के अरोमा मल्टी-कुजीन रेस्टोरेंट में कॉकरोच-चूहे, दूषित खाद्य सामग्री, एक्सपायर्ड उत्पाद और बिल्लियां पाए जाने की जानकारी सामने आई।

कार्रवाई की जद में आदित्य रेस्टोरेंट एंड बार, वैष्णवी दर्शनी, स्पाइसी हब, गोदावरी घुमाघुमालु, श्री कृष्णा फैमिली ढाबा और श्री साई मेस भी शामिल हैं। कुछ अन्य प्रतिष्ठानों को सुधार के लिए नोटिस जारी किए गए हैं। अधिकारियों ने खाद्य सुरक्षा मानकों के पालन पर सख्ती बरतने के संकेत दिए हैं।

BGR एनर्जी में बड़े बदलाव, MD के रूप में अर्जुन रघुपति की पुनर्नियुक्ति

हिन्द सागर प्रलोका,
संवाददाता।

चेन्नई। बीजीआर एनर्जी सिस्टम्स के शेयरधारकों ने कंपनी की 40वीं वार्षिक आम बैठक में सभी सात प्रस्तावों को मंजूरी दे दी। इनमें अर्जुन गोविंद रघुपति की 11 नवंबर 2026 से 10 नवंबर 2031 तक पांच वर्ष के लिए प्रबंध निदेशक (MD) के रूप में पुनर्नियुक्ति प्रमुख है।

शेयरधारकों ने कंपनी के आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन में संशोधन को भी मंजूरी दी, जिसके तहत अर्जुन रघुपति को प्रमोटर समूह के अधिकारों के प्रतिनिधि के रूप में शामिल किया गया है। इसके अलावा कंपनी का पंजीकृत कार्यालय आंध्र प्रदेश से तमिलनाडु स्थानांतरित करने का प्रस्ताव भी पारित हुआ।

कंपनी इंजीनियरिंग सर्विसेज कारोबार का विस्तार कर रही है और वित्त वर्ष 2026 में उसे अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों से नए असाइनमेंट मिले हैं। साथ ही, कर्ज पुनर्गठन के जरिए देनदारियां कम करने और वित्तीय स्थिति मजबूत करने पर भी कंपनी का जोर है।

दीनदयाल जी ने अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के उत्थान को दी प्राथमिकता-योगी

लखनऊ,। अंत्योदय के प्रणेता पं. दीनदयाल उपाध्याय की 110वीं जयंती शुक्रवार को मनाई गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सरकारी आवास पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धा निवेदित की।मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर पं. दीनदयाल उपाध्याय के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने लिखा कि एकात्म मानववाद एवं अंत्योदय के प्रणेता, प्रखर राष्ट्रचिंतक एवं भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्य, श्रद्धेय पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि।

क्रिस्तु जयंती (डीम्डटूबी विश्वविद्यालय) बेंगलूरु में हिंदी भाषा उत्सव-कार्यक्रम

हिन्द सागर प्रलोका/ सम्वाददाता/डॉ.एस.ए.मंजुनाथ

बेंगलूरु के क्रिस्तु जयंती (डीम्डटूबी विश्वविद्यालय) बेंगलूरु के मानविकी एवं समाज विज्ञान संकाय के हिंदी अध्ययन विभाग द्वारा हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में हिंदी भाषा उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ अपराह्न 2:40 बजे एडिन ब्लॉक स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रार्थना गीत से हुआ। इसके पश्चात विभागाध्यक्ष प्रोफेसर श्रीधर पी.डी.ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। उन्होंने उपस्थित मुख्य अतिथि, विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों, प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों का हार्दिक स्वागत किया। अपने स्वागत संबोधन में उन्होंने हिंदी भाषा के महत्व तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में भाषा एवं साहित्य से संबंधित शैक्षणिक गतिविधियों की भूमिका पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम की अध्यक्षता मानविकी एवं समाज विज्ञान संकाय के अध्यक्ष प्रोफेसर गोप कुमार ने की। उन्होंने सभी प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों को हिंदी दिवस की शुभकामनाएँ दीं। अपने भाषण में उन्होंने हिंदी भाषा एवं साहित्य के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को हिंदी से संबंधित विभिन्न शैक्षणिक, साहित्यिक एवं रचनात्मक गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। क्रिस्तु जयंती (डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय), बेंगलूरु के डायरेक्टर, एक्सटेंशन सर्विसेज, फादर अनूप कुरियन भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में बाल्डविन वुमेन्स मेथोडिस्ट कॉलेज, रिचमंड रोड, बेंगलूरु के हिंदी विभाग की विभागाध्यक्षा एवं प्रोफेसर डॉ. उषारानी राव की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने अपने प्रेरणादायक संबोधन में हिंदी भाषा के महत्व, उसकी समृद्ध साहित्यिक परंपरा तथा वैश्विक स्तर पर बढ़ती हुई उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हिंदी केवल भारत की भाषा तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि आज यह विश्व स्तर पर व्यापक रूप से प्रयुक्त और समझी जाने वाली भाषा के रूप में अपनी पहचान बना रही है।

हिंदी दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों के लिए विभिन्न रचनात्मक एवं भाषायी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इनमें निबंध लेखन प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता, आशुभाषण प्रतियोगिता, गायन प्रतियोगिता, स्व-रचित वीडियो प्रस्तुतीकरण तथा भित्ति-चित्र प्रतियोगिता आदि प्रमुख थीं। इन प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी भाषायी, साहित्यिक एवं रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इसके अतिरिक्त, विद्यार्थियों द्वारा निर्मित भित्ति-चित्रों की प्रदर्शनी भी आयोजित की गई, जिसमें उनकी रचनात्मक प्रतिभा और कलात्मक अभिव्यक्ति को प्रदर्शित किया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेताओं को स्मृति-चिह्न एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया । इस अवसर पर विद्यार्थियों के प्रयासों एवं उपलब्धियों की सराहना की गई तथा उन्हें भविष्य में भी हिंदी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति से संबंधित गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया ।

कार्यक्रम का संयोजन डॉ. मुस्लिम अब्दुल रजाक द्वारा किया गया । विभाग के सभी शिक्षकों डॉ. मोहम्मद नयाज पाशा, डॉ. गणशेटवार साईनाथ नागनाथ एवं डॉ. कृष्णा डी. लमाणि ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाई । कार्यक्रम का मंच संचालन छात्रा सिमरन ने कुशलतापूर्वक किया । उन्होंने कार्यक्रम के विभिन्न चरणों को सुव्यवस्थित एवं प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया । कार्यक्रम के अंत में छात्र त्रिलोक ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया । उन्होंने मुख्य अतिथि, विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों, विभागाध्यक्ष, सभी प्राध्यापकों, विद्यार्थियों तथा कार्यक्रम के आयोजन में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग देने वाले सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया । इस प्रकार, ह्लहिंदी भाषा उत्सवह्व हिंदी भाषा एवं साहित्य के प्रति विद्यार्थियों में जागरूकता, अभिरुचि और रचनात्मकता को बढ़ावा देने की दिशा में एक सार्थक एवं सफल पहल सिद्ध हुआ ।

बड़े सपने देखिए, मेहनत से उन्हें साकार कीजिए — महेंद्र मुणोत ने युवाओं में भरा आत्मविश्वास

हिन्द सागर प्रलोका, बेंगलुरु संवाददाता अंजना शर्मा

इंदिरा नगर। प्रकाश सेल्यूलर सर्विस एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, इंदिरा नगर द्वारा आयोजित दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि जीवन में बड़े सपने देखने के साथ उन्हें हासिल करने के लिए निरंतर मेहनत, धैर्य और आत्मविश्वास जरूरी है। उन्होंने कहा कि विपरीत परिस्थितियां सफलता की राह में बाधा नहीं, बल्कि व्यक्ति के संकल्प और क्षमता की परीक्षा होती हैं।

मुणोत ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा, यदि आप सूरज की तरह चमकना चाहते हैं तो आपको सूरज की तरह जलना होगा। उन्होंने विद्यार्थियों से सकारात्मक सोच के साथ कठिन परिस्थितियों का सामना करने और लक्ष्य की ओर निरंतर आगे बढ़ते रहने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं, लेकिन ऐसे समय में विचलित होने के बजाय धैर्य और आत्मविश्वास बनाए रखना चाहिए। निरंतर प्रयास और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ने वालों को सफलता अवश्य मिलती है।

समारोह के दौरान संस्थान के प्रमुख डॉ. प्रकाश ने मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत का सम्मान किया। कार्यक्रम में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवाओं और संस्थान से जुड़े लोगों की उपस्थिति रही। समारोह ने युवाओं को शिक्षा के साथ मेहनत, अनुशासन और सकारात्मक दृष्टिकोण के महत्व का संदेश दिया।

जहां बचपन में थामा गोल्फ क्लब, वहीं खलिन ने रचा विजय का इतिहास

घरेलू मैदान केजीए पर पांच शॉट की शानदार जीत के साथ बेंगलुरु ओपन का खिताब किया अपने नाम; लगातार दूसरी जीत और सत्र की चौथी ट्रॉफी से चमका खलिन का सितारा।

छायाचित्रः किशोर दफ्तरी

ट्रॉफी के साथ विजेता खलिन जोशी। उनके साथ इंडियनऑयल के कार्यकारी निदेशक एवं राज्य प्रमुख सिद्धार्थ अग्रवाल, केजीए अध्यक्ष कर्नल सी.पी. नंजप्पा और डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई के मुख्य व्यवसाय अधिकारी विकास सिंह।

हिन्द सागर प्रलोका बेंगलुरु संवाददाता बृजेश प्रताप जायसवाल।

बेंगलुरु, 25 सितंबर 2026। बेंगलुरु के घरेलू गोल्फर खलिन जोशी ने कर्नाटक गोल्फ एसोसिएशन (केजीए) के अपने घरेलू मैदान पर शानदार प्रदर्शन करते हुए बेंगलुरु ओपन गोल्फ 2026 पावर्ड बाय इंडियनऑयल का खिताब पांच शॉट के अंतर से अपने नाम कर लिया। जोशी ने अंतिम दौर में 2-अंडर 70 का कार्ड खेलते हुए चार राउंड में 20-अंडर 268 का स्कोर बनाया। यह डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई पर उनका 10वां और 2026 सत्र का चौथा खिताब है।

34 वर्षीय जोशी ने पूरे टूनार्मेंट में शुरू से अंत तक बढ़त बनाए रखी। उनकी चार राउंड की स्कोरलाइन 61-68-69-70 रही। अंतिम दौर में उन्होंने पांच बर्डी और तीन बोगी दर्ज कीं। यह जीत उनके लिए इसलिए भी खास रही क्योंकि केजीए वही मैदान है, जहां उन्होंने बचपन में गोल्फ खेलना शुरू किया था।

लगातार दूसरी वायर-टू-वायर जीतः जोशी ने पिछले सप्ताह एसईसीएल प्रेजेंट्स नवा रायपुर ओपन का खिताब जीतने के बाद बेंगलुरु में भी शुरूआत से बढ़त कायम रखते हुए जीत दर्ज की। पीजीटीआई के अनुसार नवा रायपुर और बेंगलुरु में उनकी लगातार दो जीत के दौरान उन्होंने सभी आठ राउंड में बढ़त बनाए रखी।

इस जीत से जोशी की 2026 डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट में स्थिति सातवें से दूसरे स्थान पर पहुंच गई। उनकी सत्र की कुल कमाई भी बढ़कर 67,34,225 रुपये हो गई।

खिताबी जीत के बाद जोशी ने अपनी सफलता में मानसिक मजबूती की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि पहले टूनार्मेंट के दौरान उनके दिमाग में लगातार कई बातें चलती रहती थीं, जिससे मानसिक गलतियां होती थीं, लेकिन अब वह दबाव के क्षणों में अधिक संयमित महसूस करते हैं।

घरेलू मैदान पर सपना हुआ पूराः अंतिम दौर में तीन शॉट की बढ़त के साथ उतरे जोशी ने पहले ही होल पर करीब 35 फुट का बर्डी पुट सफल कर अच्छी शुरूआत की। हालांकि दूसरे होल पर तीन-पट बोगी के बाद उन्हें फिर से अपनी लय हासिल करनी पड़ी। इसके बाद भी उन्होंने रक्षात्मक गोल्फ खेलने के बजाय आक्रामक रणनीति जारी रखी और बढ़त को सुरक्षित रखा।

जोशी ने कहा कि अपने घरेलू मैदान पर पेशेवर टूनार्मेंट जीतना उनका लंबे समय से सपना था। वर्षों तक केजीए में अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद वह यहां खिताब नहीं जीत सके थे। इस बार घरेलू दर्शकों के सामने ट्रॉफी उठाना उनके लिए विशेष उपलब्धि रही।

मनु गंडास दूसरे, वीर अहलावत और सप्तक तलवार संयुक्त तीसरेः गुरुग्राम के मनु गंडास ने अंतिम दौर में इवन-पार 72 का स्कोर बनाया और 15-अंडर 273 के कुल स्कोर के साथ उपविजेता रहे। उन्होंने 10 लाख रुपये की पुरस्कार राशि अर्जित की और ऑर्डर ऑफ मेरिट में 20वें से 12वें स्थान पर पहुंचे।

वहीं 2024 के रैंकिंग चैंपियन वीर अहलावत और ग्रेटर नोएडा के सप्तक तलवार 12-अंडर 276 के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे।

सप्तक तलवार के लिए टूनार्मेंट का महत्व इसलिए भी रहा क्योंकि वह रेस टू डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप में शीर्ष पर चल रहे हैं। उनकी इस प्रतियोगिता से कमाई बढ़कर 96,82,284 रुपये हो गई।

शीर्ष 60 की दौड़ भी हुई पूरीः एक करोड़ रुपये पुरस्कार राशि वाला बेंगलुरु ओपन 2026 सत्र के लिए डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट के शीर्ष 60 खिलाड़ियों को तय करने वाला अंतिम टूनार्मेंट भी रहा। शीर्ष 60 में जगह बनाने वाले खिलाड़ियों ने 2026-27 सत्र के लिए अपने टूर खेलने के अधिकार सुरक्षित कर लिए।

अब खलिन जोशी का अगला लक्ष्य 15 से 18 अक्टूबर तक दिल्ली गोल्फ क्लब में होने वाली डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप है। संयोग से 2018 में जोशी ने अपना पहला अंतरराष्ट्रीय खिताब भी इसी मैदान पर जीता था।

बेंगलुरु ओपन का पांचवां संस्करण 22 से 25 सितंबर तक केजीए में आयोजित हुआ। टूनार्मेंट को इंडियनऑयल के साथ विभिन्न साझेदारों का सहयोग प्राप्त रहा।

खलिन जोशी के लिए यह सिर्फ एक और ट्रॉफी नहीं, बल्कि उस घरेलू मैदान पर सपने के साकार होने का क्षण रहा, जहां से उनके गोल्फ सफर की शुरूआत हुई थी।

वित्तीय संकट पर बोम्मई का शिवकुमार पर हमला, बोले—पिछली सरकार को दोष देना समाधान नहीं

हिन्द सागर प्रलोका,
संवाददाता।

बेंगलुरु। भाजपा सांसद एवं पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने

कर्नाटक की वित्तीय स्थिति को लेकर मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकार वित्तीय कुप्रबंधन की जिम्मेदारी पिछली सरकारों पर डालकर नहीं बच सकती।

बोम्मई ने वित्त विभाग की उस चेतावनी का हवाला दिया, जिसमें खर्च में सावधानी बरतने और नए कार्यक्रमों के लिए सीमित वित्तीय गुंजाइश की बात कही गई है। उन्होंने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों की तुलना कोविड काल से करना उचित नहीं है। उनके अनुसार, राज्य सरकार को वित्तीय स्थिति सुधारने के लिए ठोस और तत्काल कदम उठाने चाहिए।

मुख्यमंत्री शिवकुमार ने इससे पहले कहा था कि वित्त विभाग की ऐसी सलाह पिछली सरकारों के दौरान भी जारी होती रही है और इसे राजनीतिक मुद्दा नहीं बनाया जाना चाहिए।

बोम्मई ने सरकार से वित्तीय अनुशासन मजबूत करने और राजकोष पर बढ़ते दबाव को कम करने की दिशा में प्रभावी कदम उठाने की मांग की।

मातृ मृत्यु दर 70 से नीचे लाने का लक्ष्य, रोकी जा सकने वाली मौतें होंगी शून्य

हिन्द सागर प्रलोका,
संवाददाता।

बेंगलुरु। कर्नाटक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) को प्रति एक लाख जीवित जन्मों पर 70 से नीचे लाने का लक्ष्य तय किया है। साथ ही,

रोकी जा सकने वाली मातृ मौतों को शून्य करने के लिए सुमन रोडमैप 2030 तैयार किया गया है।

सुरक्षित मातृत्व आश्वासन (सुमन) कार्यक्रम के तहत आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला में मातृ स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक गुणवत्तापूर्ण, समयबद्ध और सम्मानजनक बनाने पर जोर दिया गया। स्वास्थ्य मंत्री यूटी खादर ने कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए मातृ स्वास्थ्य व्यवस्था को और मजबूत करने की आवश्यकता बताई।

विभाग के अनुसार, 2022-24 के नमूना पंजीकरण प्रणाली (एसआरएस) के अनुमान में कर्नाटक की मातृ मृत्यु दर 73 प्रति एक लाख जीवित जन्म है। रोडमैप में गर्भधारण पूर्व देखभाल से लेकर गर्भावस्था, प्रसव और प्रसवोत्तर अवधि तक निरंतर स्वास्थ्य सेवाओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं की समय पर पहचान, रेफरल और उपचार के साथ प्रसवोत्तर रक्तस्राव, उच्च रक्तचाप और सेप्सिस जैसी आपात स्थितियों से निपटने के लिए दवाओं, उपकरणों, प्रशिक्षित कर्मियों, रक्त उपलब्धता और आपातकालीन परिवहन व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा। मातृ मृत्यु की समीक्षा कर उसके मूल कारणों की पहचान और सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने पर भी जोर रहेगा।

उत्तम ब्रह्मचर्य केवल संयम नहीं, आत्मा की ओर लौटने का मार्ग : वीरसागर जी महाराज

हिन्द सागर प्रलोका, बेंगलुरु संवाददाता विपिन कुमार जैने

बेंगलुरु, 25 सितंबर। दशलक्षण महापर्व के अंतिम दिवस पर निर्यापक श्रमण श्री 108 वीरसागर जी महाराज ने उत्तम ब्रह्मचर्य को केवल शारीरिक संयम नहीं, बल्कि मन, दृष्टि, विचार, वाणी और पांचों इंद्रियों के रमण और चेतना को बाहरी विषयों से हटाकर भीतर की ओर मोड़ना है। उन्होंने युवाओं को समय, संगति, मनोरंजन और डिजिटल सामग्री के चयन में सजग रहने की प्रेरणा दी।

उन्होंने कहा कि संयम की शुरूआत दृष्टि और विचारों में परिवर्तन से होती है। पांचों इंद्रियों

अनुशासन से जुड़ी आत्मसाधना बताया। आचार्य श्री समयसागर जी महाराज के मार्गदर्शन में आयोजित धार्मिक सभा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रवचन का लाभ लिया।

मुनिश्री ने कहा कि ब्रह्मचर्य का व्यापक अर्थ आत्मस्वरूप में पर विवेकपूर्ण नियंत्रण आवश्यक है। दशलक्षण की दस दिवसीय साधना उत्तम क्षमा से शुरू होकर ब्रह्मचर्य पर पूर्ण हुई। मुनिश्री ने श्रद्धालुओं से इन संस्कारों को जीवन में स्थायी रूप से अपनाने का आह्वान किया।

जिनदत्त कुशल मंडल ने परमात्मा के चरणों में अर्पित किए भक्ति के गीत-पुष्प

हिन्द सागर प्रलोका, बेंगलुरु संवाददाता विपिन कुमार जैन।

बेंगलुरु। श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल की ओर से श्रद्धा, समर्पण और कृतज्ञता से ओतप्रोत भक्ति गीतों की पुस्तक परमात्मा के चरणों में समर्पित की गई। मंडल अध्यक्ष ललित डाकलिया ने बताया कि पुस्तक में संकलित गीतों के माध्यम से श्रद्धालुओं ने परमात्मा के प्रति अपने भक्ति भाव को अभिव्यक्त किया है।

पुस्तक की प्रतियां पूज्य गुरुदेव मलयप्रभ सागर जी म. सा. तथा पूज्य साध्वी प्रियश्रद्धांजना श्री जी म. सा. के करकमलों में अर्पित की गईं। इस अवसर पर ट्रस्ट अध्यक्ष तेजराज मालानी, महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा, प्रकाश भन्साली, राजेन्द्र गुलेच्छा तथा मंडल के पूर्व अध्यक्ष अरविन्द कोठारी ने शुभकामनाएं दीं।

मंत्री धर्मेन्द्र संकलेचा ने कहा कि सदस्यों ने गीतों के माध्यम से परमात्मा के प्रति अपनी श्रद्धा और समर्पण को स्वर दिया है। संयोजक अर्चित पारख ने कहा कि सामूहिक भक्ति मन को शांति और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करती है। पुस्तक दादावाड़ी पेढ़ी पर निःशुल्क उपलब्ध है।

कुमार विश्वास के अपने-अपने श्याम के लिए सत्त्वा ग्रुप बना टाइटल स्पॉन्सर, संस्कृति और साहित्य के संग सामाजिक सेवा का संदेश

हिन्द सागर प्रलोका, बेंगलुरु संवाददाता जे एस मिश्रा।

बेंगलुरु डॉ. कुमार विश्वास के दो दिवसीय आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, काव्य एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम ह्यअपने-अपने श्यामह्ल के लिए सत्त्वा ग्रुप टाइटल स्पॉन्सर बना है। राजस्थान फाउंडेशन और रुद्राक्ष फाउंडेशन की पहल से आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य श्रीकृष्ण की शिक्षाओं, भारतीय संस्कृति, साहित्य और सामाजिक सेवा के संदेश को व्यापक स्तर पर लोगों तक पहुंचाना है।

आयोजकों ने सत्त्वा ग्रुप के एमडी विजय अग्रवाल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सहयोग से संस्कृति, आध्यात्मिकता, साहित्य और सामाजिक सेवा को एक साझा मंच पर लाने की पहल को मजबूती मिली है।

कार्यक्रम में डॉ. कुमार विश्वास अपने विशिष्ट काव्य-वाचन और विचारों के माध्यम से श्रीकृष्ण के जीवन-दर्शन एवं ज्ञान को समकालीन संदर्भों से जोड़ेंगे। आयोजकों के अनुसार, ह्यअपने-अपने श्यामह्ल केवल एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि भक्ति, संस्कृति, साहित्य और समाजसेवा के माध्यम से बेहतर भविष्य की दिशा में सामूहिक प्रयास है।

कार्यक्रम की मूल भावना ह्यसंस्कृति दिलों को जोड़ती है और सेवा समाज का निर्माण करती हैह्ल के संदेश पर केंद्रित है। आयोजन में आध्यात्मिक चेतना के साथ भारतीय संस्कृति और साहित्य को नई पीढ़ी तक पहुंचाने तथा सामाजिक सरोकारों को प्रोत्साहित करने पर भी जोर दिया गया है।

राजस्थान फाउंडेशन और रुद्राक्ष फाउंडेशन की इस पहल में सत्त्वा ग्रुप की भागीदारी को आयोजकों ने सामाजिक उत्तरदायित्व और सांस्कृतिक संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता के रूप में रेखांकित किया है।

(दैनिक हिन्दी)
हिन्द सागर
प्रहरी लोकतंत्र का
hindsagarplk.com
बेंगलूरु, शनिवार, 26 सितम्बर 2026

संपादकीय

भारत के तीन चुनाव

भारत के तीन चुनाव आयुक्तों में से दो ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार गुप्ता के नेतृत्व में चुनाव आयोग के कुछ फैसलों पर अपनी आपत्ति दर्ज की है और उन्हें शगैर-कानूनीश और शबिना अधिकार केश भी बताया है। इंडियन एक्सप्रेस की एक जांच में पता चला है कि पिछले दस महीनों में कम से कम 14 बार आपत्तियां उठाई गई थीं। हालांकि, यह मामला सिर्फ सीईसी की जवाबदेही से कहीं आगे का है, क्योंकि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह द्वारा नियुक्त किए गए पसंदीदा व्यक्ति हैं। उन्हें सीईसी और अन्य ईसी की नियुक्ति के लिए 2023 में लाए गए कानून के तहत नियुक्त किया गया था, जिसने चुनाव आयोग को उनके नियंत्रण में ला दिया। उस कानून के तहत, केवल सीईसी को संवैधानिक सुरक्षा प्राप्त है और उन्हें केवल महाभियोग के जरिए ही हटाया जा सकता है। महाभियोग का यह प्रावधान कितना बेअसर हो गया है, इसे भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के 21 जुलाई 2025 को दिए गए इस्तीफे (जो तुरंत लागू हुआ) के ताजा उदाहरण से समझा जा सकता है। महाभियोग का प्रावधान उनके लिए कोई सुरक्षा कवच साबित नहीं हुआ और सबसे ऊंचे स्तर से महाभियोग की धमकी का एक साधारण संदेश ही उनका इस्तीफा लेने के लिए काफी था। यह घटना बताती है कि सीईसी के पद पर ज्ञानेश कुमार कितने कमजोर हैं। उनके पास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आदेशों का पालन करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। जहां तक बाकी दो चुनाव आयुक्तों की बात है, उन्हें ऐसी कोई संवैधानिक सुरक्षा प्राप्त नहीं है। सीईसी और दो ईसी की नियुक्ति और सेवा शर्तों से जुड़े 2023 के कानून के तहत, उनका कार्यकाल पूरी तरह से सीईसी की इच्छा पर निर्भर करता है, जो अप्रत्यक्ष रूप से सरकार की इच्छा है। दो ईसी के पास केवल आपत्ति जताने की शक्ति है, जो उन्होंने की भी, लेकिन मौजूदा हालात में दोनों ईसी से यह उम्मीद करना बहुत ज्यादा होगा कि वे इस मामले को तार्किक निष्कर्ष तक ले जाएं। हमने पहले देखा है कि कैसे एक ईसी को चुनाव आयोग की कुछ गतिविधियों पर आपत्ति जताने की भारी कीमत चुकानी पड़ी थी और उन्हें नुकसान उठाना पड़ा था क्योंकि सरकार ने उनकी पत्नी के खिलाफ कथित टैक्स चोरी के लिए कार्रवाई शुरू कर दी थी। ये घटनाएं साफ तौर पर बताती हैं कि भारत का चुनाव आयोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सीधे नियंत्रण में कैसे काम करता है। इसलिए, सीईसी ज्ञानेश कुमार पर महाभियोग चलाने की विपक्ष की मांग से भारत के चुनाव आयोग की जवाबदेही की समस्या हल नहीं होगी, जो चुनावी लोकतंत्र का संरक्षक और रक्षक है। भारत में जुलाई 2025 से मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) किया जा रहा है, जो बहुत विवादित हो गया है। इसने भारत के नागरिकों को भारी परेशानी में डाल दिया है और अब तक 13 करोड़ से ज्यादा मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं। इससे पहले, हरियाणा और महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में राज्य चुनावों को प्रभावित करने के लिए दूसरे राज्यों से बड़ी संख्या में मतदाताओं को जोड़ा गया था। यह सब कानूनों की आड़ में किया गया, जिनमें हेरफेर की गई थी। एसआईआर में भी हेरफेर की गई, और इसका फायदा हमेशा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा को मिला। सर्वोच्च न्यायालय ने भी एसआईआर पर न्याय करने के बजाय उससे सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने के लिए पर्यवेक्षक की भूमिका अदा की। सर्वोच्च न्यायालय सीईसी और अन्य ईसी की नियुक्ति और सेवा शर्तों के लिए 2023 के कानून को चुनौती देने वाले मामले पर भी अभी तक कोई फैसला नहीं लिया है। उस कानून ने भारत के मुख्य न्यायाधीश को नियुक्ति समिति से बाहर कर दिया है। सर्वोच्च न्यायालय का रूख रहस्यमय रहा है- उदाहरण के लिए, उसने चुनावी बॉन्ड योजना को असंवैधानिक माना, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा द्वारा असंवैधानिक तरीके से पैसे इकठ्ठा करने के खिलाफ कार्रवाई करने से इंकार कर दिया। इसलिए, इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट से सामने आई बात चुनाव आयोग के भीतर के आपसी प्रशासनिक मतभेदों से कहीं आगे की है। यह एक ज्यादा गंभीर सवाल उठाती है कि क्या चुनाव पर नजर रखने वाली संस्था सच में स्वतंत्र रह सकती है, जब मौजूदा सरकार का इस संवैधानिक संस्था पर निर्णायक प्रभाव हो? चुनाव आयोग की विश्वसनीयता न केवल उसके आयुक्तों की व्यक्तिगत ईमानदारी पर निर्भर करती है, बल्कि उन संस्थागत सुरक्षा उपायों पर भी निर्भर करती है जो उन्हें राजनीतिक दबाव से बचाते हैं। यहीं पर हम सिर्फ सीईसी ज्ञानेश कुमार की व्यक्तिगत ईमानदारी को दोष नहीं दे सकते, खासकर तब जब उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मिलकर पूरे चुनावी लोकतंत्र को हथियाने की कोशिश करते देखा जा रहा है- ऐसे कानून और नियम लाकर जिन पर भारत की संसद में कभी चर्चा तक नहीं हुई। यह याद रखना चाहिए कि सीईसी और अन्य ईसी की नियुक्ति और सेवा शर्तों से जुड़ा 2023 का कानून तब पारित किया गया था जब विपक्ष के लगभग सभी सदस्यों को लोकसभा से निलंबित कर दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिकाओं में बताया गया था कि इस मुद्दे पर लगभग कोई बहस नहीं हुई थी, और विपक्ष के सांसदों के निलंबन के बाद उनकी अनुपस्थिति में श्वॉइस वोटश (मौखिक मतदान) के जरिए कानून को जल्दबाजी में पारित कर दिया गया था।

टाटा साम्राज्य में विद्रोह और विभाजन की दरार

> अंत में छोटे परदे पर विनम्र लहजे में एक आवाज गूंजती थी-इस्पात भी हम बनाते हैं। 1988-89 में प्रसारित 53 एपिसोड का भारत एक खोज सीरियल पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की किताब-भारत एक खोज (डिस्कवरी ऑफ इंडिया) पर आधारित था। भारत के इतिहास की कहानी बताने वाले सीरियल को टाटा ग्रुप ने प्रायोजित किया था। टाटा स्टील के प्रमोशन का दिल छू लेने वाला अंदाज ग्रुप की प्रकृति और उसकी सोच को भी अप्रत्यक्ष तरीके से जाहिर करता था। इन दिनों टाटा ग्रुप सुर्खियों में है। ग्रुप के भीतर जबर्दस्त सत्ता संघर्ष चल रहा है। एक माह पहले ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने अपना कार्यकाल खत्म होने पर विदा लेने का ऐलान किया था। लेकिन कंपनी के बोर्ड ने चंद्रशेखरन के पांच साल के कार्यकाल को मंजूरी दे दी। दरअसल, टाटा संस के बोर्ड ने ग्रुप के सबसे बड़े शेयर होल्डर टाटा ट्रस्ट (66प्रतिशत शेयर) की मर्जी के खिलाफ यह फैसला लिया है।

राजेश पांडेय

लगभग चार दशक पहले दूरदर्शन पर हर रविवार सुबह 11 बजे आने वाले श्याम बेनेगल के शो-भारत एक खोज के अंत में भारत के प्रमुख औद्योगिक समूह टाटा ग्रुप के मानवीय पक्ष की तस्वीर पेश की जाती थी। इसमें कंपनी आम नागरिकों की मदद, सामुदायिक बुनियादी ढांचे के निर्माण और आधुनिक भारत के निर्माण से जुड़ी गतिविधियों का ब्योरा सामने रखती थी। अंत में छोटे परदे पर विनम्र लहजे में एक आवाज गूंजती थी-इस्पात भी हम बनाते हैं। 1988-89 में प्रसारित 53 एपिसोड का भारत एक खोज सीरियल पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की किताब-भारत एक खोज (डिस्कवरी ऑफ इंडिया) पर आधारित था। भारत के इतिहास की कहानी बताने वाले सीरियल को टाटा ग्रुप ने प्रायोजित किया था। टाटा स्टील के प्रमोशन का दिल छू लेने वाला अंदाज ग्रुप की प्रकृति और उसकी सोच को भी अप्रत्यक्ष तरीके से जाहिर करता था। इन दिनों टाटा ग्रुप सुर्खियों में है। ग्रुप के भीतर जबर्दस्त सत्ता संघर्ष चल रहा है। एक माह पहले ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने अपना कार्यकाल खत्म होने पर विदा लेने का ऐलान किया था। लेकिन कंपनी के बोर्ड ने चंद्रशेखरन के पांच साल के कार्यकाल को मंजूरी दे दी। दरअसल, टाटा संस के बोर्ड ने ग्रुप के सबसे बड़े शेयर होल्डर टाटा ट्रस्ट (66प्रतिशत शेयर) की मर्जी के खिलाफ यह फैसला लिया है। नाटकीय घटनाक्रम के बीच टाटा खानदान के वारिस और टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन नोएल टाटा ने फैसले का विरोध किया है। नेतृत्व पर उठे विवाद ने टाटा साम्राज्य में गहरा संकट पैदा कर दिया है। ग्रुप में अंदरूनी टकराव कुछ समय से चल रहा है। खासतौर से अक्टूबर 2024 में रतन टाटा की मृत्यु के बाद सत्ता संघर्ष तेज हो गया है। नोएल टाटा और चंद्रशेखरन के बीच कई मुद्दों पर तीखे मतभेद हैं। टाटा में इस तरह का सत्ता संघर्ष पहले भी होता रहा है। रतन टाटा के चेयरमैन बनने के बाद कई कंपनियों के शक्तिशाली प्रमुखों को हटना पड़ा था। ये

थे- टिस्को, टाटा स्टील के चेयरमैन रूसी मोदी, टाटा केमिकल्स, टाटा टी के दरबारी सेठ, इंडियन होटल्सध ताज ग्रुप के अजित केरकर और टाटा संस के साइरस मिस्त्री। इनमें केवल मिस्त्री को रतन टाटा ने नियुक्त किया था। मिस्त्री ने उन्हें हटाए जाने को अदालत में चुनौती दी थी। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने मिस्त्री को हटाने का फैसला सही ठहराया था। दरअसल, एक सड़क दुर्घटना में मृत मिस्त्री टाटा में 18 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाले शापुरजी पलोनजी ग्रुप के उत्तराधिकारी थे। टाटा के अंदरूनी विवाद के साथ एक अन्य महत्वपूर्ण मुद्दा जुड़ गया है। इसके नतीजे ग्रुप की स्थिति को बहुत ज्यादा प्रभावित कर सकते हैं। रिजर्व बैंक ने 2021 में एक लाख करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की गैर बैंकिंग फाइनेंस कंपनियों (एनबीएफसी) का नियम लागू किया है। इसके तहत बड़ी एनबीएफसी कंपनियों के लिए तीन साल के भीतर शेयर मार्केट में जाना अनिवार्य है। सितंबर 2022 में टाटा संस का वर्गीकरण एनबीएफसी में कर दिया गया। कंपनी ने इसे चुनौती दी है। चंद्रशेखरन और टाटा संस बोर्ड के सदस्य भी कंपनी की शेयर बाजार में लिस्टिंग के पक्ष में हैं। वहीं नोएल टाटा इसके खिलाफ हैं।

ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस शेयर मार्केट में जाने का लगातार विरोध करती रही है। अगर ऐसा होता है तो बाहरी कंपनियों को इस विराट साम्राज्य पर कब्जा करने का मौका मिल जाएगा। किसी भी कंपनी की होल्डिंग कंपनी कोई प्रोडक्ट नहीं बनाती है। बिजनेस नहीं करती है। वह ग्रुप की सहायक कंपनियों में अपने वोट देने वाले शेयर बनाए रखती है। इसलिए टाटा संस पर कब्जे का मामला अहम है। टाटा साम्राज्य का स्वर्णिम सफर भारत की आर्थिक यात्रा के विभिन्न पहलुओं से जुड़ा है। उसका समृद्ध अतीत भारत की राजनीतिक स्थिति के कुछ पहलुओं को भी पेश करता है। पारसी व्यवसायी जमेशदजी नुसरवानजी टाटा ने 158 साल पहले ग्रुप की बुनियाद रखी थी। अब नमक, आभूषण से लेकर स्टील बनाने वाले ग्रुप में 26 पब्लिक लिस्टेड कंपनियां हैं। इन सभी कंपनियों का कुल अनुमानित बाजार मूल्य 26 लाख करोड़ रुपए से 31 लाख करोड़ रुपए के बीच है। देश, विदेश में दस लाख कर्मचारियों के ग्रुप की सालाना आय 17 लाख करोड़ रुपए से अधिक है। ग्रुप ने नैतिकता, कारोबारी मूल्यों, उच्च स्तरीय क्वालिटी, कर्मचारी कल्याण और परोपकार को बढ़ावा देने के कारण अलग पहचान बनाई है। टाटा को बड़ा बिजनेस साम्राज्य बनाने और उसके मूल्य सुरक्षित रखने में कुछ दिग्गजों की भूमिका अहम है। इनमें -जहांगीर रतनजी दादाभाई टाटा (जेआरडी) का नाम सबसे आगे है। उनके बाद रतन टाटा का नाम लिया जा सकता है। जेह के नाम से मशहूर जेआरडी 1938 में केवल 34 साल की आयु में टाटा संस के चेयरमैन बने और 1991 तक शीर्ष पर रहे। 1932 में कराची से मुंबई की हवाई उड़ान के साथ उन्होंने भारत को विश्व के विमानन नक्शे पर खड़ा किया था। शायद एयर इंडिया टाटा की सभी कंपनियों में उनके दिल के सबसे ज्यादा नजदीक थी। इसलिए 1953 में एयर इंडिया के राष्ट्रीयकरण ने उनका तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू से मोहभंग कर दिया। उससे पहले उनके नेहरू से अच्छे रिश्ते थे। जेआरडी की आत्मकथा-जेह- अ लाइफ ऑफ जेआरडी में बख्तियार के दादाभाई उस वक्त के घटनाक्रम पर लिखते हैं कि 5 नवंबर 1952 को संचार मंत्री जगजीवनराम ने जेआरडी से मुलाकात कर फैसले की जानकारी दी थी। जेआरडी आहत थे कि सरकार ने इस मसले पर टाटा से सलाह करने की जरूरत नहीं समझी। आत्मकथा के अनुसार जेआरडी ने नेहरू से मुलाकात की और साफ शब्दों में अपना असंतोष जताया। लेकिन नेहरू ने कोई आश्वासन नहीं दिया। उन्होंने कुछ दिन बाद जेआरडी को एक पत्र लिखकर उनकी इस धारणा को दूर करने की कोशिश की कि सरकार का फैसला नागर विमानन और विशेष रूप से टाटा एयरलाइंस के खिलाफ साजिश है। नेहरू ने लिखा- हम इस और अन्य मामलों में आपकी मदद चाहते हैं और इरादों पर संदेह और असंतोष अच्छी बात नहीं है। उन्होंने लिखा आपके जैसे पुराने दोस्त की ऐसी सोच से मुझे बहुत ठेस पहुंची है। राष्ट्रीयकरण के बाद नेहरू और जेआरडी के संबंध पहले जैसे नहीं रहे। मतभेदों के बावजूद सरकार ने 1955 में जेआरडी को देश के दूसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान पद्मविभूषण से विभूषित किया था। सरकार द्वारा लगातार राष्ट्रीयकरण करने और संबंधित कंपनियों को मुआवजा देने की नीतियों से जेआरडी बेहद असंतुष्ट थे। इस बीच मई 1961 में सी राजगोपालाचारी ने जेआरडी से स्वतंत्र पार्टी के लिए समर्थन मांगा। जेआरडी की सोच थी कि देश में कांग्रेस के खिलाफ मजबूत विपक्षी दल होना चाहिए। जेआरडी ने नेहरू को राजाजी का समर्थन करने के अपने फैसले की जानकारी दी। नेहरू का इससे नाराज होना स्वाभाविक था। जेआरडी ने नेहरू को 16 अगस्त 1961 को लिखे पत्र में कहा कि टाटा ने कांग्रेस का समर्थन करना बंद नहीं किया है।

मोदी-शाह इस्तीफा दें, ज्ञानेश कुमार भी हटें

> क्योंकि उन पर वोट चोरी के कारण देशद्रोह जैसा गंभीर इल्जाम लगाया गया है। ज्ञानेश कुमार तो जन प्रतिनिधि नहीं हैं, लेकिन नरेन्द्र मोदी और अमित शाह में वाकई हिम्मत है कि वो जनता के बीच जाकर असल वोट हासिल कर जीत सकते हैं तो उन्हें इस्तीफा देने में कोई दिक्कत नहीं होगी। याद दिला दें कि यूपीए सरकार के वक्त 2006 में सोनिया गांधी लाभ के पद विवाद में उलझीं तो उन्होंने फौरन इस्तीफा देकर उपचुनाव में जाना तय किया था। दरअसल सोनिया गांधी रायबरेली से लोकसभा सांसद थीं और साथ ही राष्ट्रीय सलाहकार परिषद की चेयरपर्सन थीं, जिसे तब कैबिनेट मंत्री की रैंक हासिल थी। विपक्ष यानी तत्कालीन भाजपा ने इसे लाभ का पद बताते हुए सोनिया गांधी पर आरोप लगाए तो अपनी नैतिकता दिखाते हुए उन्होंने दोबारा चुनावी मैदान में उतरना तय किया और जीतीं भी। यह मिसाल यहां देना इसलिए जरूरी है, क्योंकि आज देश के सर्वोच्च पदों पर बैठे दो लोगों पर गंभीर आरोप लगे हैं। नरेन्द्र मोदी और अमित शाह सत्ता पर बने रहने के लिए चुनाव आयोग का इस्तेमाल कर रहे हैं और यहां मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार उनके निदेर्शों पर काम कर रहे हैं। यह आरोप एक बार नहीं बार-बार लग रहे हैं। द इंडियन एक्सप्रेस में और गुरुवार को छपी रिपोर्टों में इस बात का अच्छे से खुलासा हुआ है कि किस तरह एसआईआर के जरिए करोड़ों योग्य मतदाताओं का नाम वोटर लिस्ट से हटाया गया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार में राई-रत्ती भर भी नैतिकता हो, तो उन्हें फौरन अपने-अपने पदों से इस्तीफा दे देना चाहिए। क्योंकि उन पर वोट चोरी के कारण देशद्रोह जैसा गंभीर इल्जाम लगाया गया है। ज्ञानेश कुमार तो जन प्रतिनिधि नहीं हैं, लेकिन नरेन्द्र मोदी और अमित शाह में वाकई हिम्मत है कि वो जनता के बीच जाकर असल वोट हासिल कर जीत सकते हैं तो उन्हें इस्तीफा देने में कोई दिक्कत नहीं होगी। याद दिला दें कि यूपीए सरकार के वक्त 2006 में सोनिया गांधी लाभ के पद विवाद में उलझीं तो उन्होंने फौरन इस्तीफा देकर उपचुनाव में जाना तय किया था। दरअसल सोनिया गांधी रायबरेली से लोकसभा सांसद थीं और साथ ही राष्ट्रीय सलाहकार परिषद की चेयरपर्सन थीं, जिसे तब कैबिनेट मंत्री की रैंक हासिल थी। विपक्ष यानी तत्कालीन भाजपा ने इसे लाभ का पद बताते हुए सोनिया गांधी पर आरोप लगाए तो अपनी नैतिकता दिखाते हुए उन्होंने दोबारा चुनावी मैदान में उतरना तय किया और जीतीं भी। यह मिसाल यहां देना इसलिए जरूरी है, क्योंकि आज देश के सर्वोच्च पदों पर बैठे दो लोगों पर गंभीर आरोप लगे हैं। नरेन्द्र मोदी और अमित शाह सत्ता पर बने रहने के लिए चुनाव आयोग का इस्तेमाल कर रहे हैं और यहां मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार उनके निदेर्शों पर काम कर रहे हैं। यह आरोप एक बार नहीं बार-बार लग रहे हैं। द इंडियन एक्सप्रेस में और गुरुवार को छपी रिपोर्टों में इस बात का अच्छे से खुलासा हुआ है कि किस तरह एसआईआर के जरिए करोड़ों योग्य मतदाताओं का नाम वोटर लिस्ट से हटाया गया। एक बड़ा खुलासा यह भी हुआ है कि 2024 के बाद से नयी पीढ़ी के मतदाता यानी 18 बरस की आयु पूरी कर चुके लोगों को अपना नाम वोटर लिस्ट में दर्ज करवाने में अड़चनें आ रही हैं। यह सब महज तकनीकी गड़बड़ी से नहीं हुआ हो, बल्कि इसके लिए पहले कानून बदला गया, फिर नए नियम बनाए गए, गोपनीयता का हवाला देकर बहुत से फैसलों को बिना स्पष्टीकरण के लागू कर दिया गया। भारत के जिस चुनाव आयोग की निष्पक्ष और मजबूत छवि पूरी दुनिया में मशहूर थी। भारत के लोकतांत्रिक चुनावों की मिसाल अन्य लोकतांत्रिक देशों में दी जाती थी, उसकी साख और गरिमा को मोदी-शाह ने तार-तार कर दिया है। इसलिए एक बार फिर देश में जनता के उठ खड़े होने के हालात बन रहे हैं।

गुरुवार को वोट चोरी के मुद्दे पर दो अहम प्रेस कांफ्रेंसेस हुईं। एक कॉकरोच जनता पार्टी ने की और दूसरी राहुल गांधी ने। राहुल गांधी ने अपनी प्रेसवार्ता में एक अहम मुद्दा एंटी इन्कमबेन्सी का उठाया कि इंदिरा गांधी से लेकर तमाम प्रधानमंत्रियों, मुख्यमंत्रियों को कभी न कभी विरोध में जनादेश मिला है, यानी उन्हें सत्ता से हटने का आदेश जनता ने दिया। लेकिन नरेन्द्र मोदी और अमित शाह कई बार कभी 30 साल तो कभी 50 साल तक भाजपा के एकछत्र राज का दावा कर चुके हैं। जाहिर है इसके पीछे उनका षड्यंत्र यही है कि वोट के अधिकार को कुचल कर अपनी सत्ता बनाए रखो। राहुल गांधी ने बताया कि वोट चोरी से कानून चोरी की जा रही है और फिर संस्था चोरी। यानी संसद में सत्ताधारी चोरी के वोटों से पहुंचे हैं और इसलिए वो जो कानून बना रहे हैं वो सही नहीं कहे जा सकते। राहुल गांधी ने बाकायदा क्रोनोलॉजी समझा दी कि दिसंबर 2023 में जब चुनाव आयुक्त को कानूनी कार्रवाई से बचाने का कानून बनाया गया था, तब से लेकर अब तक कितनी बार उन्होंने चुनावी धांधली और चुनाव आयोग पर कब्जे के सबूतों के साथ प्रेस कांफ्रेंस की और जनता को तथ्यों से परिचित कराया है। राहुल गांधी का कहना है कि जब उन्होंने मतदाता सूची में जबरन गलत नाम जोड़ने और सही नामों को काटने के खेल को उजागर किया, उसके बाद एसआईआर की कवायद चुनाव आयोग ने शुरू कर दी। राहुल गांधी ने साफ कहा कि, प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ज्ञानेश कुमार को बचा रहे हैं। आज जैसी धांधली देश में पहले कभी नहीं हुई। ज्ञानेश कुमार तुरंत इस्तीफा दें। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री और गृहमंत्री की साजिश की भी जांच हो। अब ये जांच कौन करेगा ये बड़ा सवाल है। राहुल गांधी अपनी बातों में जहां पुराने तथ्यों और आरोपों को दोहराते दिखे, और उन्होंने प्रेस कांफ्रेंस में इस बात का खुलकर जवाब नहीं दिया कि क्या कांग्रेस या इंडिया गठबंधन इस मामले में अब आंदोलन छेड़ेगा और इसका स्वरूप क्या होगा। वहीं कॉकरोच जनता पार्टी ने अपने पुराने रवैये को बरकरार रखते हुए मोदी सरकार के सामने तीन स्पष्ट मांगें रखीं और इसके लिए वक्त भी मुकर्रर कर दिया है। सीजेपी ने ज्ञानेश कुमार पर मतदाताओं के अधिकारों को कमजोर करने का आरोप लगाया और चेतावनी दी कि अगर वह 48 घंटे के भीतर अपने पद से इस्तीफा नहीं देते हैं तो राष्ट्रव्यापी आंदोलन शुरू होगा और दिल्ली में श्जंतर-मंतर 2.0य भी किया जाएगा।

देवीलाल के लिए सत्ता का अर्थ केवल मुख्यमंत्री की कुर्सी नहीं था

> उस पर हस्ताक्षर करने के बाद अपने सहज अंदाज में कहा-ले, हो गई बुढ़ापा पैंशन। उनके लिए सत्ता का अर्थ केवल मुख्यमंत्री की कुर्सी नहीं, बल्कि उस कुर्सी के माध्यम से गरीब, बुजुर्ग, किसान, मजदूर और कमेरे वर्ग के जीवन में राहत पहुंचाना था। उस समय चौधरी बंसीलाल लोगों के बीच कहते थे कि देवीलाल बुढ़ापा पैंशन लागू नहीं कर पाएंगे। देवीलाल ने जवाब दिया था कि मुख्यमंत्री बनते ही सबसे पहले बुढ़ापा पैंशन की फाइल पर हस्ताक्षर करेंगे। मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने अपने कथन को अमल में बदल दिया। वर्ष 1987 में 100 रुपए मासिक की दर से वृद्धावस्था पैंशन शुरू कर दी गई। आज यही योजना वृद्धावस्था सम्मान भत्ते के रूप में हरियाणा की प्रमुख सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में शामिल है और इसकी राशि 3,200 रुपए प्रतिमाह तक पहुंच चुकी है। चौधरी देवीलाल केवल राजनेता नहीं, बल्कि राजनीति और समाज सेवा की ऐसी संस्था थे, जिनका जीवन गरीब, किसान, मजदूर और कमेरे वर्ग के अधिकारों के संघर्ष में बीता। जाति, धर्म और संप्रदाय से ऊपर उठकर उन्होंने राजनीति को जनसेवा का माध्यम बनाया। 25 सितम्बर, 1914 को तत्कालीन हिसार जिले के (वर्तमान में सिरसा जिले के) तेजा खेड़ा गांव में जन्मे देवीलाल ने आजादी की लड़ाई से लेकर हरियाणा के निर्माण और आम आदमी के अधिकारों तक के लिए संघर्ष किया। मुख्यमंत्री और उपप्रधानमंत्री बनने के बाद भी उनकी पहचान आम आदमी से जुड़ी रही। वह कठिन बात भी गांव की भाषा में कहते थे और यही उनकी जनसंचार शैली की सबसे बड़ी ताकत थी। देवीलाल की राजनीति केवल बुढ़ापा पैंशन तक सीमित नहीं थी।

सतीश मेहरा

1987 में जब चौधरी देवीलाल दूसरी बार हरियाणा के मुख्यमंत्री बने तो मुख्यमंत्री की कुर्सी संभालते ही उन्होंने अधिकारियों से बुढ़ापा पैंशन की फाइल मंगवाई। उस पर हस्ताक्षर करने के बाद अपने सहज अंदाज में कहा-ले, हो गई बुढ़ापा पैंशन। उनके लिए सत्ता का अर्थ केवल मुख्यमंत्री की कुर्सी नहीं, बल्कि उस कुर्सी के माध्यम से गरीब, बुजुर्ग, किसान, मजदूर और कमेरे वर्ग के जीवन में राहत पहुंचाना था। उस समय चौधरी बंसीलाल लोगों के बीच कहते थे कि देवीलाल बुढ़ापा पैंशन लागू नहीं कर पाएंगे। देवीलाल ने जवाब दिया था कि मुख्यमंत्री बनते ही सबसे पहले बुढ़ापा पैंशन की फाइल पर हस्ताक्षर करेंगे। मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने अपने कथन को अमल में बदल दिया। वर्ष 1987 में 100 रुपए मासिक की दर से वृद्धावस्था पैंशन शुरू कर दी गई। आज यही योजना वृद्धावस्था सम्मान भत्ते के रूप में हरियाणा की प्रमुख सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में शामिल है और इसकी राशि 3,200 रुपए प्रतिमाह तक पहुंच चुकी है। चौधरी देवीलाल केवल राजनेता नहीं, बल्कि राजनीति और समाज सेवा की ऐसी संस्था थे, जिनका जीवन गरीब, किसान, मजदूर और कमेरे वर्ग के अधिकारों के संघर्ष में बीता। जाति, धर्म और संप्रदाय से ऊपर उठकर उन्होंने राजनीति को जनसेवा का माध्यम बनाया। 25 सितम्बर, 1914 को तत्कालीन हिसार जिले के (वर्तमान में सिरसा जिले के) तेजा खेड़ा गांव में जन्मे देवीलाल ने आजादी की लड़ाई से लेकर हरियाणा के निर्माण और आम आदमी के अधिकारों तक के लिए संघर्ष किया। मुख्यमंत्री और उपप्रधानमंत्री बनने के बाद भी उनकी पहचान आम आदमी से जुड़ी रही। वह कठिन बात भी गांव की भाषा में कहते थे और यही उनकी जनसंचार शैली की सबसे बड़ी ताकत थी। देवीलाल की राजनीति केवल बुढ़ापा पैंशन तक सीमित नहीं थी। ह्यखुले जनता दरबारह्न के माध्यम से शासन को गांव और आम आदमी के दरवाजे तक पहुंचाने का प्रयास किया गया। किसानों और गरीबों को राहत, सहकारी संस्थाओं के कर्ज से जुड़ी राहत, अनुसूचित जाति की चौपालों का निर्माण, बेरोजगार युवाओं के लिए सहायता, विद्यार्थियों के बस

पास में राहत और साक्षात्कार के लिए जाने वाले युवाओं की बस यात्रा निःशुल्क करने जैसे अनेक फैसले उनके जनकल्याणकारी दृष्टिकोण को दशार्ते हैं। जच्चा-बच्चा के लिए पोषण सहायता, कुछ करों से राहत, ट्रैक्टर और साइकिल का टोकन टैक्स समाप्त करना, रेडियो लाइसैंस फीस खत्म करना तथा गरीब परिवारों की बेटियों के विवाह में सहायता जैसी पहलें भी उनके शासन की पहचान बनीं। चौधरी देवीलाल की सादगी और 36 बिरादरियों के नेता होने का प्रमाण मुझे स्वयं वर्ष 1989 में गांव खेड़ी मसानिया में देखने को मिला। उस समय उन्होंने गांव-गांव में मैचिंग ग्रांट योजना के तहत अनुसूचित जाति की चौपालों के निर्माण की घोषणा की थी। चौपाल निर्माण की जिम्मेदारी तत्कालीन उद्योग मंत्री डा. कृपाराम पूनिया को दी गई थी। खेड़ी मसानिया में श्री गुरु रविदास मंदिर के शिलान्यास और चौपाल के उद्घाटन का कार्यक्रम डा. पूनिया को करना था लेकिन किन्हीं कारणों से उन्हें कार्यक्रम रद्द करना पड़ा। उन्होंने मंत्री पद से इस्तीफा भी दिया, हालांकि देवीलाल ने उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया। अगले दिन डा. पूनिया ने मुझे चंडीगढ़ बुलाया और बाद में देवीलाल से मिलवाया। मुझे देखते ही उन्होंने सहज अंदाज में पूछा-ह्यहां भई छोरे, क्या चाहते हो तुम?ह्न मैंने कहा कि डा. पूनिया तो आएं ही, आप भी हमारी चौपाल के उद्घाटन समारोह में आएं। इससे गरीब और दलित समाज का सम्मान बढ़ेगा। उन्होंने तत्काल कहा-ह्यमैं गांव खेड़ी मसानिया आऊंगा, आप तैयारी करो।ह्न वह 31 मार्च, 1989 को डा. कृपाराम पूनिया के साथ खेड़ी मसानिया गांव में पहुंचे। उन्होंने चौपाल का उद्घाटन किया, श्री गुरु रविदास मंदिर का शिलान्यास किया और भारी जनसमूह को संबोधित किया। उन्होंने मैचिंग ग्रांट के साथ अतिरिक्त सहायता राशि की घोषणा की तथा किसानों, गरीबों, दलितों और ग्रामीण विकास के लिए सहयोग का आश्वासन दिया। उनके व मोहल्ला वासियों के प्रयासों से बनी चौपाल शानदार भवन का रूप ले चुकी है। देवीलाल ने राजनीति को समाज के कमजोर व्यक्ति को सम्मान देने का जरिया बनाया। 25 सितम्बर को जननायक चौधरी देवीलाल के जन्मदिवस पर उन्हें याद करना केवल श्रद्धांजलि देना नहीं, बल्कि उस जनसेवा की परंपरा को स्मरण करना भी है, जिसमें गरीब की चिंता, किसान का सम्मान, बुजुर्गों की सुरक्षा और गांव का विकास शासन की प्राथमिकता माने जाते थे।

(दैनिक हिन्दी)
हिन्द सागर
प्रहरी लोकतंत्र का
hindsagarplk.com
बेंगलूरु,शनिवार,26 सितम्बर 2026

चिंता और तनाव का दुश्मन है अनुलोम-विलोम, देखते ही देखते हर परेशानी से दिला देगा मुक्ति

घबराहट और बेचानी की समस्या आजकल आम हो गई है। घबराहट और मानसिक तनाव को दूर करने के लिए अनुलोम-विलोम प्राणायाम एक बेहद प्रभावशाली और सरल योग अभ्यास है। यह सांस लेने के तरीके को संतुलित करके और पूरे शरीर में ऑक्सीजन के बहाव को बेहतर बनाकर सेहत को कई फायदे पहुंचाती है। यह अभ्यास नर्वस सिस्टम को शांत करके तनाव और चिंता को कम करने में मदद करता है, जिससे मानसिक स्पष्टता और भावनात्मक स्थिरता आती है।

अनुलोम-विलोम के फायदे

जब आप अनुलोम-विलोम करते हैं, तो यह आपके शरीर के पैरासिम्पेथेटिक नर्वस सिस्टम को सक्रिय करता है, जिससे दिल की धड़कन सामान्य होती है और मन शांत होता है। नियमित अभ्यास से सांस लेने की सेहत बेहतर होती है, फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है और शरीर से टॉक्सिन्स (हानिकारक पदार्थ) बाहर निकालने में मदद मिलती है।इसके अलावा, अनुलोम-विलोम ब्लड प्रेशर को नियंत्रित कर सकता है और दिल की कार्यक्षमता को बेहतर बना सकता है। यह दिमाग के बाएं और दाएं हिस्सों में तालमेल बिठाकर बेहतर एकाग्रता और समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है, जिससे यह संपूर्ण स्वास्थ्य दिनचर्या का एक जरूरी हिस्सा बन जाता है।

अनुलोम-विलोम करने का तरीका

अनुलोम-विलोम, जिसे अल्टरनेट नॉस्ट्रिल ब्रीदिंग (बारी-बारी से नाक के छिद्रों से सांस लेना) भी कहा जाता है, एक पारंपरिक योग प्राणायाम तकनीक है जो प्राचीन भारतीय स्वास्थ्य प्रथाओं पर आधारित है। हठ योग के क्लासिकल ग्रंथों से निकली इस सांस लेने की कसरत में एक नाक के छिद्र को बंद करके दूसरे से सांस अंदर ली जाती है, और फिर एक लयबद्ध तरीके से दूसरी तरफ के छिद्र से सांस बाहर छोड़ी जाती है। यह अभ्यास शरीर के भीतर श्प्राणश या जीवन ऊर्जा के प्रवाह को संतुलित करने, मानसिक स्पष्टता और शारीरिक आराम को बढ़ावा देने के लिए जाना जाता है। पारंपरिक रूप से, इसका इस्तेमाल तनाव कम करने, एकाग्रता बढ़ाने और नर्वस सिस्टम में तालमेल बिठाने के लिए किया जाता रहा है, जिससे यह आयुर्वेदिक और योग परंपराओं में संपूर्ण स्वास्थ्य और आध्यात्मिक विकास का एक मुख्य आधार बन गया है।

रोजाना अनुलोम-विलोम प्राणायाम के फायदे

रोजाना अभ्यास करने से आपकी सेहत में साफ तौर पर सुधार हो सकता है। यहाँ अनुलोम-विलोम प्राणायाम के मुख्य फायदे बताए गए हैंरू

फेफड़ों की क्षमता और सांस लेने की प्रक्रिया में सुधारः नियमित अभ्यास से आपके फेफड़े मजबूत होते हैं और ऑक्सीजन लेने की क्षमता बढ़ती है। इससे स्टैमिना बढ़ता है और सांस लेने की प्रक्रिया बेहतर होती है।

तनाव और एंग्जायटी (बेचौनी) को कम करता हैः अनुलोम-विलोम का एक सबसे मशहूर फायदा यह है कि यह मन को शांत करता है। यह पैरासिम्पेथेटिक नर्वस सिस्टम को सक्रिय करता है, जिससे तनाव, एंग्जायटी और हल्के डिप्रेशन को कम करने में मदद मिलती है।

दिल की सेहत के लिए फायदेमंदः ब्लड सकुर्लेशन और ऑक्सीजन के बहाव को बेहतर बनाकर, यह अभ्यास ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने और दिल की सेहत को बनाए रखने में मदद कर सकता है।

दिमाग की कार्यक्षमता बढ़ाता हैः दिमाग तक ऑक्सीजन की बेहतर सप्लाई से एकाग्रता, याददाश्त और मानसिक स्पष्टता में सुधार होता है। कई लोग अभ्यास के कुछ हफ्तों के भीतर ही बेहतर फोकस महसूस करते हैं।

त्वचा और चमक के लिए अनुलोम-विलोम के फायदेः एक कम जाना-माना लेकिन असरदार फायदा आपकी त्वचा पर इसका असर है। त्वचा के लिए अनुलोम-विलोम के फायदे बेहतर ब्लड सकुर्लेशन और डिटॉक्सिफिकेशन (शरीर से जहरीले तत्व बाहर निकालने) से मिलते हैं।

मूंग दाल से बनाएं चीला, सूप या सलाद, हर बार पाएं लाजवाब स्वाद, एक्सपर्ट कुकिंग टिप्स यहां

मूंग दाल का इस्तेमाल स्ट्रीट फूड, सलाद, हेल्दी स्नैक्स और कई तरह के व्यंजनों में भी किया जाता है। मूंग की खास बात यह है कि इसको उबालकर, भिगोकर, भूनकर या फिर अंकुरित करके अलग-अलग स्वाद और टेक्सचर में तैयार किया जा सकता है।

भारतीय खानपान में मूंग एक अहम हिस्सा है, जिससे कई तरह की टेस्टी डिशेज बनाई जाती हैं। यह खाने में न सिर्फ स्वादिष्ट होती है और यह फाइबर, प्रोटीन और आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर होती है। इसकी खासियत यह है कि इस दाल को पचाना आसान होता है। यही कारण है कि मूंग को आयुर्वेद भी सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। आप इसको दाल के रूप में, सूप में, अंकुरित करके, चीला या पराठे में शामिल कर सकते हैं।

मूंग का इस्तेमाल सिर्फ पारंपरिक दाल तक सीमित नहीं है, तो इसका इस्तेमाल स्ट्रीट फूड, सलाद, हेल्दी स्नैक्स और कई तरह के व्यंजनों में भी किया जाता है। मूंग की खास बात यह है कि इसको उबालकर, भिगोकर,

भूनकर या फिर अंकुरित करके अलग-अलग स्वाद और टेक्सचर में तैयार किया जा सकता है। लेकिन इसको बनाने के दौरान कुछ बातों का खास ध्यान रखना जरूरी होता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपके लिए कुछ कुकिंग हैक्स लेकर आए हैं।

भिगोकर रखें दाल

यह बात बहुत कम लोग जानते हैं कि मूंग को बनाने से पहले इसको भिगोकर रखना जरूरी होता है। इससे यह न सिर्फ जल्दी पक जाती है, बल्कि यह पचाने में भी आसान होती है। इसके लिए आप करीब 5 घंटे मूंग की दाल को भिगोकर रखें।

ऐसा करने से दाल जल्दी गल जाती है और पकाने का समय भी कम हो जाता है। आप चाहें तो इसको मूंग को गुनगुने पानी में 1-2 घंटे तक भिगोकर रख सकती हैं। मूंग दाल का चील बनाने के समय हींग, अदरक और हल्दी डालें। जिससे यह और हल्का हो जाता है।

सूप और स्ट्यू में मिलाएं

मूंग को स्ट्यू और सूप में मिलाने से यह पौष्टिक, भरपूर प्रोटीन वाला और स्वादिष्ट बनता है। आप चाहे हेल्दी सूप बना रहे हों, या फिर गाढ़ा स्ट्यू, तो मूंग का सही इस्तेमाल आपके व्यंजन को टेस्टी और बेहतर बना सकता है। मूंग को सूप में साबुत डालने से इसका हल्का कुरकुरा टेक्सचर बना रहता है। यह अधिक स्वादिष्ट लगता है। मूंग को टमाटर, पालक और लहसुन के साथ हल्दी आंच पर पकाकर हेल्दी और टेस्टी स्ट्यू बनाएं। यह पचाने में हल्का और पेट के लिए भी अच्छा होता है।

क्रिस्पी मूंग चीला

मूंग चीला प्रोटीन से भरपूर, स्वादिष्ट और हल्का नाश्ता है। इसको आप आसानी से घर पर बना सकती हैं। यह तेल कम सोखता है और जल्दी बन जाता है, साथ ही यह स्वाद में भी टेस्टी होता है। इसको सुबह के नाश्ते या फिर हल्के खाने के लिए बनाएं।

जब आप मूंग चीला बना रहे हैं, तो ध्यान रखें कि बैटर ज्यादा पतला या गाढ़ा न हो। बैटर का सही टेक्सचर चीले को परफेक्ट क्रिस्पी बनाता है और यह बनाते समय इसको पैनकेक की तरह सेंकना चाहिए। वरना आपका चीला टूट जाएगा।

अंकुरित मूंग

अंकुरित मूंग पोषण से भरपूर होता है और इसको खाने से शरीर को फाइबर, प्रोटीन और विटामिन मिलता है।

महिलाएं 25 ग्राम तो पुरुष 38 ग्राम जरूर लें फाइबर, इससे ना होगा गठिया ना ही कैंसर !

लोगों के आहार में फाइबर की कमी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। शोधों से लगातार पता चला है कि अधिक फाइबर वाला आहार हृदय रोग और कोलोरेक्टल कैंसर के खतरे को कम करने के साथ-साथ गठिया के लक्षणों में भी सुधार कर सकता है। इन फायदों के बावजूद आहार में फाइबर की कमी बनी हुई है। महिलाओं के लिए रोजाना 25 ग्राम और पुरुषों के लिए 38 ग्राम फाइबर लेने की सलाह दी जाती है।

फाइबर क्या है और इसके फायदे क्या हैं?

आहार फाइबर ऐसे कार्बोहाइड्रेट होते हैं जिन्हें शरीर पचा नहीं पाता। कई प्राकृतिक खाद्य पदार्थों में फाइबर भरपूर मात्रा में पाया जाता है। रसभरी, एवोकाडो, ओट्स, अन्य साबुत अनाज और दालें इसके अच्छे स्रोत हैं। फाइबर सप्लीमेंट में इसबगोल भी शामिल है, जो प्लांटैगो ओवाटा नामक पौधे से मिलता है। इसके अलावा इनुलिन जैसे फाइबर अब कई खाद्य उत्पादों में भी मिलाए जा रहे हैं। सभी तरह के फाइबर एक जैसे नहीं होते। इसबगोल पानी में मिलकर जेल जैसा बन जाता है, जिससे पेट भरा हुआ महसूस होता है। यह कोलेस्ट्रॉल और रक्त शर्करा के स्तर को कम करने, रक्तचाप सुधारने, थोड़ा वजन घटाने और मल त्याग को नियमित करने में मदद कर सकता है। कुछ फाइबर आंतों में मौजूद बैक्टीरिया द्वारा पचाए जाते हैं। ये बैक्टीरिया ऐसे प्रोटीन बनाते हैं जो शरीर में सूजन को कम करने में मदद कर सकते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि अलग-अलग स्रोतों से फाइबर लेना बेहतर है, क्योंकि इससे एंटीऑक्सीडेंट जैसे अन्य पोषक तत्व भी मिलते हैं। --

फाइबर और प्रोबायोटिक्स में अंतर

प्रोबायोटिक्स भी आंतों के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हो सकते हैं। दही, किमची और सॉरक्रॉट जैसे किण्वित खाद्य पदार्थों में जीवित सूक्ष्मजीव होते हैं, जिन्हें प्रोबायोटिक्स कहा जाता है। विशेषज्ञ के अनुसार, फाइबर आंतों के अच्छे बैक्टीरिया के लिए भोजन का काम करता है, जबकि प्रोबायोटिक्स आंतों में अच्छे बैक्टीरिया की संख्या बढ़ाते हैं। 2021 के एक छोटे अध्ययन में पाया गया कि अधिक फाइबर लेने वाले लोगों के आंतों के बैक्टीरिया फाइबर को तोड़ने वाले एंजाइम बनाने में अधिक सक्रिय थे। वहीं, अधिक किण्वित खाद्य पदार्थ लेने वालों में बैक्टीरिया की विविधता अधिक थी और शरीर में सूजन का स्तर कम था। अध्ययन के अनुसार, फाइबर और किण्वित खाद्य पदार्थों को साथ लेने से आंतों के स्वास्थ्य को अधिक लाभ मिल सकता है।

फाइबर की मात्रा कैसे बढ़ाएं?

विशेषज्ञों का कहना है कि फाइबर का सेवन धीरे-धीरे बढ़ाना चाहिए, ताकि शरीर को इसकी आदत हो सके। साथ ही पर्याप्त पानी पीना जरूरी है, क्योंकि फाइबर के बेहतर काम करने के लिए पानी की जरूरत होती है। कुछ लोगों के लिए बेरीज जैसे फाइबर युक्त खाद्य पदार्थ महंगे हो सकते हैं, जबकि इनुलिन जैसे कुछ फाइबर से पेट फूलने या असहजता की समस्या हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, फाइबर बढ़ाने का कोई एक तरीका सभी लोगों के लिए सही नहीं हो सकता। कुछ लोग केवल प्राकृतिक खाद्य पदार्थों से पर्याप्त फाइबर ले सकते हैं, जबकि कुछ को सप्लीमेंट या फाइबर युक्त उत्पादों की जरूरत पड़ सकती है।

फाइबर के लाभों पर अभी और शोध की जरूरत

वैज्ञानिकों का कहना है कि यह समझने के लिए और शोध की जरूरत है कि कौन से फाइबर, कितनी मात्रा में और किस संयोजन में स्वास्थ्य के लिए सबसे अधिक फायदेमंद हैं। हालांकि फाइबर पर कई छोटे अध्ययन हुए हैं, लेकिन वे इतने बड़े या व्यापक नहीं हैं कि उनके आधार पर सभी लोगों के लिए निश्चित दिशानिर्देश बनाए जा सकें। विशेषज्ञों के अनुसार, फाइबर के कई फायदे पहले ही साबित हो चुके हैं। अब जरूरत लोगों को इसके बारे में जागरूक करने और फाइबर युक्त खाद्य पदार्थों को अधिक सुलभ और किफायती बनाने की है।

पीरियड्स संबंधी समस्या दूर करेगा बथुआ का साग, जान लें इसके गजब के फायदे

सर्दियों के मौसम में साग की कई सारी वैराइटी मिलती हैं। यह सब तरह के साग खाने में तो स्वादिष्ट होते ही हैं बल्कि यह स्वास्थ्य के लिए भी बेहत लाभकारी होते हैं। इस मौसम में मिलने वाला बथुआ का साग सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। इसमें विटामिन-बी2, बी3, बी5, विटामिन-सी, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम, मैंग्नीज, फॉस्फोरस, पौटेशियम, सोडियम और पर्याप्त मात्रा में मिनरल्स मौजूद होते

हैं यह सारे मिनरल्स मौसमी बीमारियों से बचाने और इम्यूनिटी मजबूत बनाने में मदद करते हैं। तो चलिए आज इस आर्टिकल के जरिए आपको बताते हैं कि सर्दियों में बथुआ का साग खाने से स्वास्थ्य को क्या-क्या फायदे होंगे। आइए जानते हैं....

पाचन संबंधी दिक्कतें होगी दूर

इस साग में पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन और सोडियम मौजूद होता है। सर्दियों में बथुआ के साग में नमक मिलाकर खाने से पाचन संबंधी समस्याएं जैसे पेट में दर्द, कब्ज और उल्टी जैसी समस्याओं से राहत मिलती है। जिन लोगों को पेट में कीड़े होते हैं वह यदि बथुआ का साग का सेवन करने से इस समस्या से राहत मिल सकती है।

पीरियड्स प्रॉब्लम्स होगी दूर

यह साग पीरियड्स संबंधी समस्याएं दूर करने में भी मदद करता है। यदि आपको पीरियड्स रुक-रुक कर आते हैं तो बथुआ के जूस में काला नमक मिलाकर इसका सेवन करें।

खून होगा साफ

यह शरीर में मौजूद विषाक्त पदार्थ निकालने में मदद करता है। बथुआ में नीम की पत्तियां मिलाकर खाने से खून साफ होता है। साथ ही ब्लड सकुर्लेशन ठीक रखने में मदद मिलती है।

दांतों की समस्या होगी दूर

बथुए की पत्तियां को कच्चा खाने से सांस की बदबू दूर होती है। इसके अलावा पायरिया और दांतों से जुड़ी समस्याएं भी दूर होती है।

स्किन प्रॉब्लमस रहेगी दूर

बथुआ का रस यदि नियमित तौर पर लिया जाए तो स्किन प्रॉब्लम्स दूर होती हैं जिन लोगों को चेहरे पर कील-मुंहासे, फोड़े, दाद, खुजली जैसी समस्याएं होती हैं उन्हें हफ्ते में एक बार बथुआ के रस में नमक और नींबू का रस मिलाकर पीने की एक्सपर्ट्स सलाह देते हैं।

कब्ज होगी दूर

कब्ज की समस्या से राहत पाने के लिए बथुआ के लिए फायदेमंद है। गैस, कब्ज जैसी समस्याओं से राहत मिलेगी।

दुनिया के पांच मोर्चों पर बढ़ता तनाव, क्या मानवता फिर किसी महायुद्ध के मुहाने पर है?

हिन्द सागर प्रलोका, विशेष फीचर डा . कृष्णलाल 25 सितंबर 2026

दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में जारी संघर्षों ने वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था के सामने गंभीर चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। यूक्रेन, पश्चिम एशिया, यमन, कोरियाई प्रायद्वीप और पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर बढ़ता सैन्य तनाव भले ही अलग-अलग कारणों से जुड़ा हो, लेकिन इनके प्रभाव सीमाओं से कहीं आगे तक दिखाई दे रहे हैं। हालांकि, मौजूदा परिस्थितियों को सीधे तीसरे विश्व युद्ध की शुरूआत कहना अभी उचित नहीं होगा।

यूक्रेन का युद्ध लगातार जारी है। रूस और यूक्रेन के बीच ड्रोन, मिसाइल और बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने वाले हमलों का सिलसिला जारी है, जबकि युद्धविराम और कूटनीतिक बातचीत की कोशिशें भी समानांतर चल रही हैं।

यमन और लाल सागर में हूती गतिविधियों ने समुद्री सुरक्षा को प्रभावित किया है। बाब-अल-मंदब क्षेत्र में संघर्ष बढ़ने से वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति को लेकर चिंता बढ़ी है। संयुक्त राष्ट्र ने भी क्षेत्र में बढ़ती अस्थिरता पर चिंता जताई है।

ईरान और पश्चिम एशिया में तनाव ने होर्मुज जलडमरूमध्य को वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा का महत्वपूर्ण केंद्र बना दिया है। अमेरिका की ओर से जलडमरूमध्य में वाणिज्यिक आवाजाही जारी रहने की बात कही गई है, लेकिन क्षेत्रीय तनाव अब भी गंभीर है।

कोरियाई प्रायद्वीप में उत्तर कोरिया के हालिया बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षणों के बाद अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान ने सुरक्षा समन्वय बढ़ाया है।

वहीं पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर भी तनाव बढ़ा है। 21 सितंबर के पाकिस्तानी हवाई हमलों को लेकर इस्लामाबाद ने आतंकवादियों को निशाना बनाने का दावा किया, जबकि अफगान पक्ष ने नागरिकों की मौत की बात कही और संयुक्त राष्ट्र ने नागरिक हताहतों की पुष्टि की।

इन सभी घटनाओं के बीच सबसे बड़ा सवाल युद्ध का विस्तार नहीं, बल्कि उसे रोकने की वैश्विक क्षमता है। परमाणु हथियारों के दौर में किसी बड़े सैन्य टकराव का परिणाम केवल विजेता और पराजित तक सीमित नहीं रहेगा। इसलिए संवाद, कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय सहयोग ही मानवता को व्यापक विनाश से बचाने का सबसे महत्वपूर्ण रास्ता हैं।

पहला प्यार दूसरी बार के ट्रेलर ने खींचा कृति सेनन का ध्यान

नई स्टारकास्ट को दी शुभकामनाएं

युवा दर्शकों के बीच चर्चा में बनी फिल्म पहला प्यार दूसरी बार को लेकर एक्साइटमेंट लगातार बढ़ रही है। लव फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत इस यूथ एंटरटेनर का हाल ही में मजेदार ट्रेलर रिलीज किया गया, जिसे दर्शकों के साथ-साथ बॉलीवुड सेलेब्स का भी प्यार मिल रहा है। अब एक्ट्रेस कृति सेनन ने फिल्म के ट्रेलर को सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए इसकी नई स्टारकास्ट और पूरी टीम को शुभकामनाएं दी हैं। कृति सेनन ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर पहला प्यार दूसरी बार का ट्रेलर शेयर किया। इसके साथ उन्होंने फिल्म की नई कास्ट की तारीफ करते हुए लिखा, उनकी क्रेजी एनर्जी वाली इस रिफ्रेशिंग कास्ट को ढेर सारा प्यार और लक! ट्रेलर मजेदार लग रहा है। कृति ने अपनी पोस्ट में फिल्म की कास्ट और डायरेक्टर अनुज सैनी को भी टैग किया। उनका यह पोस्ट सामने आने के बाद फिल्म की टीम के लिए यह सपोर्ट खास बन गया है। पहला प्यार दूसरी बार में स्पर्श वालिया, अलीशा चोपड़ा, कुणाल वैद, साक्षी वैद्य, तुषार छिब्बर और सरगुन कौर लूथरा जैसे कलाकार नजर आएंगे।

इन दिनों ट्रेनिंग थोड़ी अलग है ...प्रेग्नेंसी में खुद को इस तरह फिट रख रहीं सामंथा रूथ प्रभु, शेयर किया वर्कआउट वीडियो

मां बनने वालीं सामंथा रूथ प्रभु दिखा रही हैं कि उनकी प्रेग्नेंसी फिटनेस रूटीन का मतलब है अपने बदलते शरीर की बात

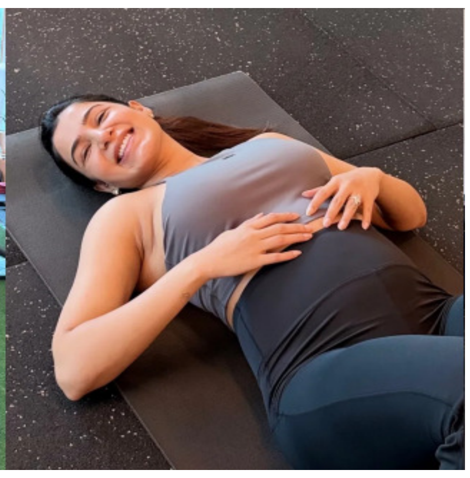

सुनना। यह एक्ट्रेस, जो अपनी प्रेग्नेंसी के तीसरे ट्राइमेस्टर में हैं और दिसंबर में अपने पति और फिल्ममेकर राज निदिमोरु के साथ अपने पहले बच्चे का स्वागत करने वाली हैं, ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर अपने लेटेस्ट वर्कआउट सेशन की एक झलक शेयर की। वीडियो में सामंथा को सीटेड केबल रो करते हुए देखा जा सकता है, जो एक स्ट्रेंथ-ट्रेनिंग एक्सरसाइज है और मुख्य रूप से पीठ के ऊपरी हिस्से और बाहों पर काम करती है। जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि श्सीटेड केबल रोश में एक स्थिर बैठी हुई स्थिति में रेजिस्टेंस हैंडल को शरीर की ओर खींचना शामिल है। सामंथा को केबल मशीन का इस्तेमाल करते हुए और कंट्रोल के साथ मूवमेंट करते हुए देखा जा सकता है, जिसमें उनका बढ़ता बेबी बंप भी दिख रहा है। वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, एक तरफ आखिर तक मजबूत और दूसरी तरफ प्लीज मुझे उठने के लिए मत कहो वाली भावना। यह पोस्ट तब आया है जब सामंथा अपनी प्रेग्नेंसी के दौरान एक्टिव बनी हुई हैं। इससे पहले, उन्होंने अपने प्रीनेटल स्ट्रेंथ-ट्रेनिंग रूटीन की झलकियां शेयर की थीं और बताया था कि इस दौर में फिटनेस के प्रति उनका नजरिया कैसे बदला है। अपने पिछले वर्कआउट पोस्ट में से एक में, उन्होंने सीटेड केबल रो किया था और लिखा था, इन दिनों ट्रेनिंग थोड़ी अलग है। ज्यादा जोर लगाने के बजाय, शरीर की बात को बेहतर ढंग से समझने पर ज्यादा ध्यान है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सामंथा अभी अपनी प्रेग्नेंसी के तीसरे ट्राइमेस्टर में हैं और उनके बच्चे का जन्म दिसंबर 2026 में होने वाला है। हाल ही में, सामंथा और राज ने कोयंबटूर में सद्गुरु के ईशा फाउंडेशन में एक पारंपरिक बेबी शावर या सीमनथम भी मनाया। इस निजी समारोह में श्रीविद्या परंपरा की रस्में शामिल थीं, जिसमें कला आवरण (श्री कल्पम) भी शामिल था, जिसके बारे में सामंथा ने इस मौके की तस्वीरें शेयर करते हुए विस्तार से बताया। जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि सामंथा और राज ने दिसंबर 2025 में कोयंबटूर में ईशा योग केंद्र के भीतर लिंग भैरवी मंदिर में शादी की थी।

6 महीने बाद कपिल शर्मा की वापसी, द ग्रेट इंडियन कपिल शो में होगी अजय देवगन की धमाकेदार एंट्री

बॉलीवुड के मशहूर कॉमेडियन कपिल शर्मा नेटफ्लिक्स पर द ग्रेट इंडियन कपिल शो के पांचवें सीजन के साथ वापसी करने के लिए तैयार हैं। शो की शुरूआत बहुप्रतीक्षित थ्रिलर फिल्म दृश्यम द कन्क्लूजन की कास्ट के साथ होगी। 26 सितंबर को रात 8 बजे प्रसारित होने वाले इस सीजन के प्रीमियर एपिसोड में अजय देवगन, श्रिया सरन, इशिता दत्ता, मृणाल जाधव और जयदीप अहलावत, साथ ही डायरेक्टर अभिषेक पाठक, कपिल शर्मा के साथ हंसी-मजाक और खुलकर बातचीत करते नजर आएंगे। यह एपिसोड कपिल शर्मा के कॉमेडी शो में अजय देवगन की वापसी का गवाह बनेगा, क्योंकि वह हिंदी दृश्यम फ्रैंचाइजी की तीसरी और आखिरी फिल्म की थिएटर रिलीज की तैयारी कर रहे हैं। इस एपिसोड में जयदीप अहलावत, कृष्णा अभिषेक और कीकू शारदा की जोड़ी (सोना और मोना 2.0) के साथ डांस करते दिखेंगे, जबकि सुनील ग्रोवर अजय देवगन की मिमिक्री करके मजा बढ़ाएंगे। द ग्रेट इंडियन कपिल शो का सीजन 5 छह महीने के ब्रेक के बाद लौट रहा है। कपिल शर्मा की कॉमेडी टीम में सुनील ग्रोवर, कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा, अर्चना पूरन सिंह और नवजोत सिंह सिद्धू शामिल हैं। नए एपिसोड हर शनिवार रात 8 बजे नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होंगे। इस बीच, अजय देवगन दृश्यम द कन्क्लूजन में विजय सलगांवकर के किरदार में वापसी कर रहे हैं। अभिषेक पाठक के निर्देशन में बनी इस फिल्म में तब्बू, श्रिया सरन, इशिता दत्ता, मृणाल जाधव, रजत कपूर, प्रकाश राज और जयदीप अहलावत भी हैं। यह फिल्म 2 अक्टूबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म को लेकर लोगों में उत्सुकता भी है क्योंकि यह मोहनलाल स्टारर मलयालम फिल्म दृश्यम 3 से अलग कहानी पर आधारित है। 9 सितंबर को गोवा में हुए ट्रेलर लॉन्च के दौरान, अभिषेक पाठक ने साफ किया कि यह हिंदी फिल्म पूरी तरह से अलग स्क्रिप्ट पर आधारित है, जिसे लगभग ढाई साल में तैयार किया गया है और यह मलयालम फिल्म की तीसरी कड़ी की कहानी पर आधारित नहीं है।

महाकाव्य श्री रामायण कथा रिव्यू: भक्ति, भावनाओं और रिश्तों से सजी राम की अमर गाथा

रामायण भारतीय संस्कृति और आस्था का ऐसा हिस्सा है, जिससे लगभग हर पीढ़ी किसी न किसी रूप में जुड़ी रही है। इस कहानी को बड़े पर्दे पर पेश करना इसलिए आसान काम नहीं है, क्योंकि दर्शक इसके किरदारों और घटनाओं से पहले से ही परिचित होते हैं। ऐसे में ह्ममहाकाव्य श्री रामायण कथाह्ल की कोशिश कहानी को नया रूप देने के बजाय उसके भावनात्मक और आध्यात्मिक पक्ष को सामने रखने की है। देव शर्मा, अंजलि अरोड़ा और राजनेश दुग्गल की दमदार मौजूदगी के साथ ह्ममहाकाव्य श्री रामायण कथाह्ल आस्था, भावनाओं और रिश्तों की जानी-पहचानी कहानी को सरल और संवेदनशील अंदाज में पर्दे पर पेश करती है। फिल्म की कहानी भगवान श्री राम के जीवन और उनके संघर्षों के इर्द-गिर्द आगे बढ़ती है। अयोध्या से वनवास की यात्रा, सीता हरण, हनुमान का राम से जुड़ना, लंका की ओर बढ़ता संघर्ष और रावण के साथ निर्णायक युद्ध जैसे रामायण के प्रमुख प्रसंग कहानी का हिस्सा हैं। फिल्म की खास बात यह है कि यह इन घटनाओं को अनावश्यक रूप से खींचने की कोशिश नहीं करती। कहानी एक पड़ाव से दूसरे पड़ाव तक अपेक्षाकृत सहज तरीके से पहुंचती है। इसमें युद्ध और संघर्ष के साथ-साथ परिवार, भाईचारे, प्रेम, त्याग और विश्वास को भी पर्याप्त जगह दी गई है। कहानी पहले से परिचित होने के बावजूद फिल्म इसे भावनात्मक जुड़ाव के साथ पेश करने की कोशिश करती है। हालांकि, जिन दर्शकों ने रामायण की अलग-अलग प्रस्तुतियां पहले देखी हैं, उनके लिए इसमें बहुत ज्यादा नया देखने को नहीं मिलता। फिर भी इसकी सरल प्रस्तुति और आस्था से जुड़ा भाव फिल्म को अपनी अलग पहचान देने की कोशिश करता है। अभिषेक सिंह ने फिल्म को जरूरत से ज्यादा प्रयोगात्मक बनाने के बजाय इसकी मूल भावना को प्राथमिकता दी है। निर्देशन में सबसे ज्यादा जोर कहानी के भावनात्मक और धार्मिक पक्ष पर दिखाई देता है। फिल्म के कई दृश्यों में भव्यता से ज्यादा माहौल और भावनाओं को महत्व दिया गया है। वनवास और विरह जैसे भावनात्मक प्रसंग हों या युद्ध की तैयारी और संघर्ष वाले दृश्य, बैकग्राउंड स्कोर कहानी के असर को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाता है। फिल्म का संगीत भी इसके आध्यात्मिक माहौल को मजबूत करता है। ह्मसिया रामह्ल, ह्मराम जी की सेनाह्ल और कैलाश खेर की आवाज में ह्महे हनुमानह्ल जैसे गाने कहानी के अलग-अलग भावों को उभारते हैं। शान, शाहिद मल्ल्या और वैशाली सामंत की आवाजें भी फिल्म के म्यूजिक एल्बम में सुनने को मिलती हैं। निर्देशन की एक खास बात फिल्म की रफ्तार है। इतनी विस्तृत कथा होने के बावजूद फिल्म घटनाओं को जरूरत से ज्यादा लंबा खींचने से बचती है। हालांकि, कुछ जगहों पर प्रस्तुति और ज्यादा प्रभावशाली हो सकती थी। अभिनय के मामले में देव शर्मा श्री राम के किरदार में संयम और गरिमा बनाए रखते हैं। उनके किरदार में शांति और धैर्य का भाव दिखाई देता है, जो श्री राम के व्यक्तित्व के अनुरूप बैठता है।

बिग बॉस 20 : शगुन शर्मा को याद करके रोने लगे अमन गांधी, माही विज कराएंगी रिश्ता पक्का ! क्या बोलीं आम्रपाली ?

टेलीविजन अभिनेता अमन गांधी इन दिनों 'बिग बॉस 20' में नजर आ रहे हैं। शो में वे अपनी एक्स गर्लफ्रेंड को याद करके भावुक होते नजर आए। अमन गांधी रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' में अपनी एक्स गर्लफ्रेंड को याद करते नजर आए। इस दौरान वे भावुक हुए और आंखों से आंसू छलक आए। माही विज और अरिश्फा खान समेत कई प्रतिभागियों ने उन्हें संभाला। इस दौरान अमन गांधी ये मनाने लगे कि काश जब वे बाहर जाएं तो उनकी गर्लफ्रेंड ने मूव ऑन न किया हो। अमन को ब्रेकअप के बाद आई गर्लफ्रेंड की याद चर्चित शो 'बिग बॉस 20' काफी मजेदार चल रहा है। इसमें प्रतिभागियों के बीच काफी लड़ाई-झगड़े देखे जाते हैं तो कुछ के बीच बॉन्डिंग भी अच्छी है। प्रतिभागी अपनी पर्सनल लाइफ पर भी आपस में एक-दूसरे से चर्चा करते नजर आते हैं। इस बीच अमन गांधी ने अपनी एक्स गर्लफ्रेंड को याद किया। जियो हॉटस्टार के इंस्टाग्राम अकाउंट से साझा किए गए प्रोमो में देखा जा सकता है कि अमन गांधी अपने आंसू पोंछते नजर आए। इसके बाद माही ने उन्हें संभालते हुए कहा, 'अरे अरे, भाई रो रहा है। अपने प्यार को याद करके रो रहा है।' माही ने आगे कहा- 'रिश्ता लेकर जाना पड़ेगा अब तो बिग बॉस के बाद'। अमन गांधी ने कहा, 'आप एक-दूसरे से क्लोज होते हो ना यार, चाहें ब्रेकअप हो या कुछ मर्जी'। इस पर आम्रपाली ने कहा, 'उनको भी वही फील हो रहा होगा ना'। माही-अरिश्फा और आम्रपाली ने दी तसल्ली अमन गांधी ने आगे कहा, 'अब मुझे लगता है कि क्यों वो साउथ अफ्रीका में जाकर सिर्फ मुझसे ही बातें कर रही थी। मैं उम्मीद करता हूं कि जब मैं बाहर जाऊं तो वो मूव ऑन न कर दे'। आम्रपाली और माही विज कहती नजर आईं, 'मैम मूव ऑन मत करना प्लीज। भाई रो रहा है। इंतजार करना प्लीज'। आगे आम्रपाली और अरिश्फा ने भी अमन की एक्स गर्लफ्रेंड से गुजारिश करते हुए कहा कि वे अमन के लिए इंतजार करें। अरिश्फा ने अमन गांधी को यह तसल्ली भी दी कि मुझे नहीं लगता कि वो मूव ऑन करेंगी। इस पर अमन ने कहा, 'टाइम तो हो गया ना'। क्या शगुन शर्मा को याद कर रोए अमन? अमन गांधी ने एक्स गर्लफ्रेंड की बात करते हुए किसी का नाम नहीं लिया। मगर, उन्होंने जिस तरह से बातें की, उससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि वे शगुन शर्मा को याद करते दिखे। दरअसल, शगुन और अमन गांधी 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' में साथ नजर आए।

पेशेंट जीरो : टेलर स्विफ्ट के म्यूजिक वीडियो में दिखेंगे डकोटा जॉनसन और कॉलिन फैरेल

पॉप सिंगर टेलर स्विफ्ट के नए म्यूजिक वीडियो का प्रीमियर जल्द होने वाला है, जिसमें एक्टर डकोटा और कॉलिन फैरेल नजर आने वाले हैं। आइए जानते हैं कि इस गाने का प्रीमियर कहां होने वाला है। टेलर स्विफ्ट एक बार फिर अपने फैंस के लिए कुछ खास लेकर आ रही हैं। उनका नया गाना 'पेशेंट जीरो' जल्द रिलीज होने वाला है। इस म्यूजिक वीडियो में डकोटा जॉनसन और कॉलिन फैरेल साथ नजर आएंगे। खास बात यह है कि इस वीडियो का निर्देशन खुद टेलर स्विफ्ट ने किया है और इसका वर्ल्ड प्रीमियर 'एमटीवी वीएमए' में होगा। टेलर स्विफ्ट ने दिखाई टीजर की झलक सिंगर ने गुरुवार को अपने एक्स हैंडल पर आने वाले म्यूजिक वीडियो की एक झलक शेयर की। टीजर में स्विफ्ट और डकोटा जॉनसन को एक-दूसरे की नकल करते हुए दिखाया गया है। दोनों बाथरूम के सिंक के सामने, पानी में डाइव करते हुए नजर आए। इसके बाद स्विफ्ट के रोते हुए चेहरे का क्लोज-अप शॉट दिखाया जाता है, जिसमें उनकी ट्रैविस केल्से से सगाई की अंगूठी साफ नजर आती है। इसके बाद फैरेल एक कार से बाहर निकलते हैं और तीनों मिलते हैं। तीनों ने ब्लैक रंग के कपड़े पहने हुए हैं। किसने की है वीडियो की सिनेमैटोग्राफी? वैरायटी की जानकारी के अनुसार, इस वीडियो की सिनेमैटोग्राफी ऑस्कर विजेता इम्मानुएल लुबेजकी ने की है। उन्होंने टॉम क्रूज की नई फिल्म 'डिगर'' की भी सिनेमैटोग्राफी की है। 'वैरायटी' के अनुसार, स्विफ्ट ने एक दिन पहले 'पेशेंट जीरो' की घोषणा करने के बाद को 'द लाइफ ऑफ ए शोगर्लः द एनकोर' के बारे में बताया। यह एल्बम पिछले साल आए 'द लाइफ ऑफ ए शोगर्ल' का ही एक बड़ा वर्जन है।

पहला अन-ऑफिशियल टेस्ट: भारत-ए ने ऑस्ट्रेलिया को 162 रन से हराया, कौन से खिलाड़ी रहे टीम इंडिया की जीत के हीरो?

हरारे : पुड्डुचेरी के सियेचेम ग्राउंड में खेले गए पहले अनऑफिशियल टेस्ट में भारत-ए ने ऑस्ट्रेलिया-ए को 162 रन से हराया। भारत-ए ने ऑस्ट्रेलिया-ए के सामने 363 रन का लक्ष्य रखा था, जिसके जवाब में मेहमान टीम की दूसरी पारी 200 रन पर सिमट गई। पुड्डुचेरी के सियेचेम ग्राउंड में खेले गए पहले अनऑफिशियल टेस्ट में भारत-ए ने ऑस्ट्रेलिया-ए को 162 रन से हरा दिया है। टीम इंडिया से मिले 363 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया-ए टीम की दूसरी पारी 200 रन पर सिमट गई। भारत-ए ने अपनी पहली पारी में 334 रन बनाए थे और ऑस्ट्रेलिया-ए को उसकी पहली पारी में 171 रन पर समेट दिया था। पहली पारी के आधार पर भारत को 163 रन की बढ़त हासिल थी। भारत ने अपनी दूसरी पारी में 199 रन बनाए और कुल बढ़त 362 रन की हुई। 363 रन के लक्ष्य के जवाब में ऑस्ट्रेलिया टीम 200 रन पर सिमट गई। भारत-ए और ऑस्ट्रेलिया-ए के बीच दूसरा अन-ऑफिशियल टेस्ट 29 सितंबर से पुड्डुचेरी में ही खेला जाएगा। भारत की जीत के हीरो कुमार कुशाग्रः कुशाग्र को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने इस टेस्ट में कुल 159 रन बनाए। पहली

पारी में उन्होंने 113 रन की पारी खेली, जबकि दूसरी पारी में 46 रन बनाकर नाबाद रहे। शम्स मुलानीः ऑस्ट्रेलिया को सस्ते में निपटाने में मुलानी का अहम किरदार रहा। उन्होंने पहली पारी में चार और दूसरी पारी में तीन विकेट लिए। इसके अलावा मुलानी ने बल्लेबाजी में कुल 19 रन भी बनाए। साई सुदर्शनः सुदर्शन ने ओपनिंग की नई जिम्मेदारी संभालते हुए पहली पारी में 57 रन और दूसरी पारी में 39 रन बनाए। पहली पारी में उन्होंने शेख रशीद के साथ 58 रन की साझेदारी और दूसरी पारी में पडिक्कल के साथ 68 रन की साझेदारी की और भारत का बेस तैयार किया। देवदत्त पडिक्कलः पडिक्कल पहली पारी में तो नहीं चले, लेकिन दूसरी पारी में जब भारत के विकेट जल्दी जल्दी गिर रहे थे तो पडिक्कल ने 59 रन बनाए और टीम इंडिया को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने में मदद की। पहली पारी में वह तीन रन बना सके थे। तुषार देशपांडेः देशपांडे ने पहली पारी में दो विकेट और दूसरी पारी में तीन विकेट लिए और ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को जमने का मौका नहीं दिया। तनुष कोटियानः ऑलराउंडर कोटियान ने पहली और दूसरी, दोनों पारियों में दो-दो विकेट लिए। इसके अलावा पहली पारी में भारत को मजबूत स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। पहली पारी में उन्होंने 69 रन बनाए थे। भारत की पहली पारी भारत-ए के कप्तान देवदत्त पडिक्कल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। भारत ने अपनी पहली पारी में 334 रन बनाए थे। ओपनिंग करने उतरे साई सुदर्शन ने 103 गेंद में तीन चौके की मदद से 57 रन की पारी खेली। वहीं, कुमार कुशाग्र ने 240 गेंद में 12 चौके की मदद से 113 रन बनाए। कुशाग्र इस वक्त बेहतरीन फॉर्म में चल रहे हैं। दलीप ट्रॉफी के फाइनल में भी उन्होंने शतक जमाया था। इसके अलावा तनुष कोटियान ने 138 गेंद में चार चौके और एक छक्के की मदद से 69 रन बनाए। इसके अलावा कोई भारतीय बल्लेबाजी कुछ खास नहीं कर सका। अमन मोखादे छह रन, पडिक्कल तीन रन, शेख रशीद 16 रन, यश राठौड़ एक रन, शम्स मुलानी 18 रन, अंशुल कंबोज 23 रन और तुषार देशपांडे 14 रन बनाकर आउट हुए। ऑस्ट्रेलिया-ए की ओर से कोरी रोचिकियोली ने चार विकेट झटके। वहीं, टॉड मर्फी को तीन विकेट मिले. ब्रैंडन डॉगेट, फर्गस ओ नील और लियाम स्कॉट को एक-एक विकेट मिला। ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी जवाब में ऑस्ट्रेलिया-ए की पहली पारी 171 रन पर सिमट गई। सैम कॉन्सटास 25 रन, कैंपबेल केलावे दो रन, नाथन मैकस्वीन शून्य, कप्तान पीटर हैंड्सकॉम्ब आठ रन, जेसन संघा 46 रन और जोश फिलिप 14 रन बनाकर आउट हुए। लियाम स्कॉट 26 रन, फर्गस ओ नील 13 रन, मर्फी 12 रन और डॉगेट 13 रन बनाकर आउट हुए। रोचिकियोली चार रन बनाकर नाबाद रहे। भारत की ओर से शम्स मुलानी ने चार विकेट झटके। वहीं, तुषार देशपांडे और तनुष कोटियान को दो-दो विकेट मिले। कंबोज और प्रफुल्ल हिंगे को एक-एक विकेट मिला। भारत की दूसरी पारी भारत को पहली पारी के आधार पर दूसरी पारी में 163 रन की बढ़त हासिल थी। टीम इंडिया की दूसरी पारी 199 रन पर सिमट गई। इस तरह भारत की कुछ बढ़त 362 रन की हुई। भारत की दूसरी पारी में सुदर्शन ने 39 रन, कप्तान पडिक्कल ने 88 गेंद में सात चौके की मदद से 59 रन और कुशाग्र ने 58 गेंद में चार चौके और दो छक्के की मदद से नाबाद 46 रन बनाए। इनके अलावा कोई बल्लेबाज नहीं चल सका। अमन मोखादे नौ रन, यश राठौड़ 12 रन, कोटियान आठ रन, मुलानी एक रन, कंबोज एक रन और हिंगे चार रन बनाकर आउट हुए। शेख रशीद और देशपांडे खाता नहीं खोल सके। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मर्फी ने चार विकेट लिए। वहीं, डॉगेट और स्कॉट को दो-दो विकेट मिले। जेसन संघा ने एक विकेट लिया।

महिला वनडे: 28 बाउंड्री के साथ कप्तान हेली मैथ्यूज ने कूटे 182 रन, वेस्टइंडीज ने जिम्बाब्वे को 99 रन से रौंदा

हरारे : कप्तान हेली मैथ्यूज की 182 रन की तूफानी पारी के दम पर वेस्टइंडीज ने पहले महिला वनडे में जिम्बाब्वे को 99 रन से हराया। वेस्टइंडीज ने 299 रन बनाए, जिसके जवाब में जिम्बाब्वे की टीम 200 रन पर सिमट गई। इस जीत के साथ मेहमान टीम ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। 'प्लेयर ऑफ द मैच' हेली मैथ्यूज की 182 रनों की यादगार पारी के दम पर वेस्टइंडीज की महिला टीम ने गुरुवार को जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे सीरीज के पहले मैच में 99 रन से दमदार जीत दर्ज की। इसी के साथ

मेहमान टीम ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली है। वेस्टइंडीज ने बनाए 299 रन हरारे स्पोर्ट्स क्लब में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम ने 50 ओवरों के खेल में छह विकेट खोकर 299 रन बनाए। कप्तान हेली मैथ्यूज ने रियालियाना ग्रिमंड के साथ पहले विकेट के लिए 140 गेंदों में 128 रन की साझेदार की। ग्रिमंड आठ बाउंड्री के साथ 53 रन बनाकर आउट हुईं, जिसके बाद मैथ्यूज ने मोर्चा संभाला। हेली मैथ्यूज ने शेमेन कैंपबेल (13) के साथ तीसरे विकेट के लिए 48 रन, जबकि चिनेल हेनरी (19) के साथ चौथे विकेट के लिए 71 रन जुटाकर टीम को 250 के पार पहुंचा दिया। मैथ्यूज 156 गेंदों में दो छक्कों और 26 चौकों के साथ 182 रन बनाकर आउट हुईं। विपक्षी खेमे से फ्रांसिस्का चिपारे ने सर्वाधिक दो विकेट हासिल किए, जबकि टेंडाई मकुशा, न्याशा ग्वांजुरा और बेलोवेद बीजा ने एक-एक विकेट चटकाया। जिम्बाब्वे की टीम 200 पर सिमटी इसके जवाब में जिम्बाब्वे की टीम 43.3 ओवरों में 200 रन पर सिमट गई। मोडेस्टर मुपाचिकवा ने शार्ने मेयर्स के साथ पहले विकेट के लिए 34 रन की साझेदारी की। शार्ने 21 रन बनाकर आउट हुईं। 51 के स्कोर तक केलिस न्धलोवु (15) भी अपना विकेट गंवा बैठीं। यहां से मुपाचिकवा ने चिपो मुगेरी-तिरिपानो (26) के साथ तीसरे विकेट के लिए 49 रन जुटाकर टीम का शतक पूरा करवाया, लेकिन इस साझेदारी के टूटने के बाद विकेटों का पतझड़ लग गया। वनडे के बाद होगी टी20 सीरीज मुपाचिकवा के रूप में टीम को अंतिम झटका लगा, जो 106 गेंदों में आठ बाउंड्री के साथ 86 रन बनाकर आउट हुईं। विपक्षी खेमे से आलिया एलीन ने सर्वाधिक तीन विकेट हासिल किए, जबकि जैनिलिया ग्लासगो, अश्विनी मुनिसार और एफी फ्लेचर ने दो-दो विकेट चटकाए।

आईपीएल 2027: अश्विन ने उठाया राज से पर्दा, जहीर खान से पहले इस दिग्गज को कोच बनाना चाहती थी चेन्नई सुपर किंग्स

नई दिल्ली : स्टीफन फ्लेमिंग के बाद सीएसके ने नए हेड कोच की तलाश में आशीष नेहरा समेत कई बड़े नामों पर विचार किया था। रविचंद्रन अश्विन ने बताया कि आखिर में जहीर खान की नियुक्ति हुई और वह धोनी के साथ उनकी अच्छी बॉन्डिंग को टीम के लिए अहम मानते हैं। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने स्टीफन फ्लेमिंग के उत्तराधिकारी की तलाश के दौरान कई बड़े नामों पर विचार किया था। भारतीय क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन ने खुलासा किया है कि आशीष नेहरा भी फ्रेंचाइजी के कोचिंग प्लान में शामिल थे। हालांकि, अंत में सीएसके ने जहीर खान को अपना नया हेड कोच नियुक्त किया। फ्लेमिंग के बाद शुरू हुई नए कोच की तलाश स्टीफन फ्लेमिंग लंबे समय तक सीएसके के मुख्य कोच रहे। बाद में उन्होंने इंग्लैंड की रेड-बॉल टीम की जिम्मेदारी संभाल ली। इसके बाद सीएसके ने नए हेड कोच की तलाश शुरू की और इस दौरान कई भारतीय और विदेशी कोचों के नाम पर चर्चा हुई। रविचंद्रन अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर बताया कि आशीष नेहरा भी किसी समय इस दौड़ में शामिल थे। उन्होंने कहा, 'कई कोचों के साथ बातचीत हुई थी। अगर मैं गलत नहीं हूं तो आशीष नेहरा भी किसी समय इस फ्रेम में थे।' कई भारतीय और विदेशी नामों पर हुई चर्चा अश्विन के मुताबिक, सीएसके की तलाश सिर्फ आशीष नेहरा तक सीमित नहीं थी।

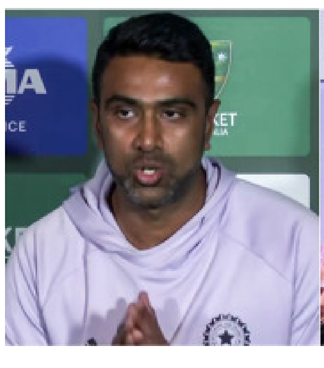

फ्रेंचाइजी ने दो अन्य भारतीय दिग्गजों और कई विदेशी कोचों से भी संपर्क किया था। हालांकि, कुछ संभावित डील अलग-अलग कारणों से पूरी नहीं हो सकीं। अश्विन ने बताया कि कुछ विदेशी कोच एक साल के कॉन्ट्रैक्ट के लिए तैयार नहीं थे। वहीं, एक मामले में डील लगभग तय हो गई थी, लेकिन अंतरराष्ट्रीय टूनार्मेंटों में काम नहीं कर पाने की वजह से संबंधित कोच को आर्थिक नुकसान की आशंका थी। जहीर खान की नियुक्ति पर अश्विन ने जताया भरोसा अश्विन ने सीएसके के नए हेड कोच के तौर पर जहीर खान की नियुक्ति का समर्थन किया। उन्होंने जहीर को क्रिकेट की अच्छी समझ रखने वाला और स्मार्ट क्रिकेट दिमाग वाला व्यक्ति बताया। अश्विन ने कहा कि जहीर क्रिकेट को अच्छी तरह समझते हैं और उनकी गेंदबाजी रणनीतियों पर मजबूत पकड़ है। उनके मुताबिक, जहीर टीम के साथ अच्छी तरह घुल-मिल सकते हैं। धोनी के साथ जहीर की अच्छी बॉन्डिंग भी अहम अश्विन ने जहीर खान और एमएस धोनी के रिश्ते को भी सीएसके के नए सेटअप के लिए अहम बताया। उन्होंने कहा कि दोनों की अच्छी बॉन्डिंग है और इससे टीम के एक दिशा में आगे बढ़ने में मदद मिल सकती है। अश्विन के मुताबिक, जहीर के लिए यह हेड कोच के तौर पर एक नई शुरूआत होगी, हालांकि सीएसके में धोनी के साथ उनकी अच्छी समझ इस बदलाव को सहज बना सकती है। आईपीएल में पहले भी कोच की भूमिका निभा चुके हैं जहीर जहीर खान के पास आईपीएल में कोचिंग और मैनेजमेंट का अनुभव पहले से है। वह 2024 से 2025 तक लखनऊ सुपर जायंट्स के मेंटर रहे। इससे पहले वह मुंबई इंडियंस के डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट की भूमिका भी निभा चुके हैं। 2022 में उन्हें मुंबई इंडियंस के ग्लोबल हेड ऑफ क्रिकेट डेवलपमेंट की जिम्मेदारी दी गई थी। स्टीफन फ्लेमिंग के जाने के बाद जहीर खान की नियुक्ति सीएसके के कोचिंग सेटअप में एक नए दौर की शुरूआत है। अब पांच बार की आईपीएल चैंपियन टीम की कोचिंग व्यवस्था की जिम्मेदारी पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज के कंधों पर है।

एशियन गेम्स 2026: क्रिकेट में बड़ा उलटफेर, नेपाल ने अफगानिस्तान को पांच विकेट से हराया, 16 गेंद पहले जीता मैच

निशिन : एशियन गेम्स 2026 में नेपाल ने ग्रुप ए के मुकाबले में अफगानिस्तान को पांच विकेट से हरा दिया। अफगानिस्तान ने 102 रन बनाए, जिसके जवाब में नेपाल ने 17.2 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। संदीप जोरा और रोहित पौडेल ने अहम पारियां खेलीं। नेपाल की यह अफगानिस्तान पर पांच टी20 मुकाबलों में दूसरी जीत है। एशियन गेम्स 2026 में क्रिकेट में बड़ा उलटफेर हुआ है। शुक्रवार को कोरोगी स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए ग्रुप ए के मुकाबले में नेपाल क्रिकेट टीम ने अफगानिस्तान को पांच विकेट से हरा दिया है। अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सात विकेट पर 102 रन ही बना सकी। जवाब में नेपाल ने 16 गेंद शेष रहते यानी 17.2 ओवर में पांच विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। अफगानिस्तान की पारी मोहम्मद अकरम दो रन और करीम जनत नौ रन बनाकर आउट हुए। वहीं, हसन ऐसाखिल खाता भी नहीं खोल पाए। इसके बाद फैसल शिनोजादा और नजीबुल्लाह जादरान ने चौथे विकेट के लिए 39 रन की साझेदारी की। शिनोजादा 33 गेंद में 30 रन और जादरान 40 गेंद में 30 रन बनाकर आउट हुए। फिर अफगानिस्तान की टीम संभल नहीं सकी। मोहम्मद इशाक सात रन और कप्तान दरविश रसूली खाता खोले बिना आउट हुए। खरोती 15 गेंद में 17 रन और अहमदजई एक रन बनाकर नाबाद रहे। नेपाल की ओर से कुशर भुर्तेल ने सबसे ज्यादा चार विकेट लिए। वहीं, ललित राजबंशी को तीन विकेट मिले। नेपाल की पारी 103 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नेपाल की टीम की शुरूआत भी खराब रही। कुशल भुर्तेल खाता खोले बिना आउट हुए। वहीं, आसिफ शेख दो रन बना सके। कुशल मल्ला भी नौ रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद संदीप जोरा और रोहित पौडेल ने चौथे विकेट के लिए 25 रन जोड़े। जोरा 35 गेंद में 34 रन बनाकर आउट हुए। फिर पौडेल ने दीपेंद्र सिंह एयरी के साथ 46 रन की साझेदारी निभाई। एयरी 15 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद पौडेल ने गुलशन झा के साथ मिलकर नेपाल को जीत दिलाई। पौडेल 32 गेंद में चार चौके की मदद से 33 रन बनाकर नाबाद रहे। अफगानिस्तान की ओर से फरीदून दावुदजई, अहमदजई और गुल मोमंद को एक-एक विकेट मिला। अब क्या हैं समीकरण? अफगानिस्तान ने लीग चरण में अपने दो मुकाबलों में एक जीत और एक हार दर्ज की है। उसके पास अब कोई मैच बाकी नहीं है, लेकिन बेहतर नेट रन रेट के कारण वह तीन टीमों वाले ग्रुप ए की तालिका में शीर्ष पर है। नेपाल ने अपना पहला मैच जीत लिया है और अब वह अपने आखिरी लीग मुकाबले में बिना जीत वाली जापान की टीम से खेलेगा। लीग चरण में प्रत्येक टीम को केवल दो मैच खेलने हैं और हर ग्रुप की शीर्ष दो टीमें क्वार्टर फाइनल में जगह बनाएंगी। नेपाल अगर जापान को हरा देता है तो वह इस ग्रुप में शीर्ष पर रहते हुए क्वार्टर फाइनल में जाएगा। भारत का सामना ग्रुप-ए में ही दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम से क्वार्टर फाइनल में होगा। यह मुकाबला 28 सितंबर को खेला जाएगा।

वित्या रामराज ने किसे समर्पित किया अपना रजत पदक? बोलीं- मेडल का रंग बदलने का प्रयास किया

नागोया : भारत को चार गुणा 400 मिश्रित रिले टीम इवेंट में रजत पदक दिलाने वाली वित्या रामराज अपने प्रदर्शन से संतुष्ट हैं। वित्या ने एशियन गेम्स में पदक जीतने के बाद बताया कि उन्होंने ये पदक अपनी जुड़वां बहन को समर्पित किया है। वित्या रामराज ने एशियन गेम्स 2026 में 4७400 मीटर मिक्स्ड रिले में सिल्वर मेडल जीता, जिसे उन्होंने अपनी जुड़वां बहन नित्या को समर्पित किया है। वित्या रामराज को इस बार अपनी बहन की कमी खली और पिछले गेम्स में तीन मेडल जीतने के बाद इस बार वे अपने मेडल का रंग बदलने के लिए दृढ़ संकल्प थीं। मचेत्तिरा पूवम्मा, विशाल थेन्नारासु, वित्या और थेक्किनालिल मनु की भारतीय टीम ने 3:14.46 का समय लिया। बहरीन ने गेम्स-रिकॉर्ड 3:12.87 के समय के साथ गोल्ड मेडल जीता। वियतनाम 3:14.54 के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहा। पिछले एशियाड में जीते थे तीन पदक वित्या ने पिछले एशियन गेम्स में तीन मेडल जीते थे, उन्होंने कहा कि वे अपने

पिछले मेडल टैली में सुधार करने के मकसद से इस प्रतियोगिता में उतरी थीं। वित्या ने कहा, 'पिछले एशियन गेम्स में मैंने तीन मेडल जीते थे, इसलिए इस बार मैंने अपने मेडल का रंग बदलने की कोशिश की, बस यही बात थी।' यह मेडल वित्या के लिए व्यक्तिगत रूप से भी खास था। उन्होंने इसे अपनी जुड़वां बहन नित्या रामराज को समर्पित किया, जो खुद भी एक एथलीट हैं। नित्या ने पिछले गेम्स में हिस्सा लिया था लेकिन 2026 के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाईं। उन्होंने कहा, क्योंकि पिछले एशियन गेम्स में मेरी जुड़वां बहन मेरे साथ थी, इसलिए इस बार मुझे उनकी बहुत याद आ रही थी, इसलिए मैंने अपना मेडल उन्हें समर्पित किया। कोच की भूमिका को बताया अहम वित्या ने रेस के दौरान ध्यान केंद्रित रखने में अपने कोच की भूमिका को भी अहम बताया। उन्होंने कहा कि आसपास की प्रतियोगिता से ध्यान भटकने के बजाय उन्हें अपने कोच के निदेर्शों से आत्मविश्वास मिला। वित्या ने कहा, मैं भनोट सर का शुक्रिया अदा करती हूं, क्योंकि पिछले एशियन गेम्स में मेरे कोच मेरे साथ नहीं थे। इस बार मेरे कोच मेरे साथ हैं। वे मुझे देख रहे थे; वे मुझसे कह रहे थे, 'तुम यह कर सकती हो'। वह वहां रणनीति समझा रहे थे। मैं बस अपने कोच का चेहरा देख रही थी; मुझे कोई प्रतिद्वंद्वी या कुछ और नहीं दिख रहा था। मैंने बस अपने कोच को देखा, फिर मुझे बैटन मिला और मैंने रेस दौड़ी। मैंने फिनिश लाइन तक पूरी जान लगा दी, बस यही किया। रेस के दौरान गिरने और क्या इससे उन पर कोई असर पड़ा, इस बारे में पूछे जाने पर वित्या ने कहा कि उन्होंने बस अपने कोच की सलाह मानी और अपना लेग पूरा करने पर ध्यान दिया। उन्होंने कहा, मेरे कोच ने कहा कि बस अपना लेग दौड़ो, तुम्हें बैटन मिलेगा। बस रेस दौड़ो और कुछ नहीं। इसलिए मैंने बस यही सोचा कि आगे बढ़ना है, फिनिश लाइन तक पहुंचना है। मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया। चार गुणा 400 रिले में लगातार तीसरा पदक जीता भारत के इस रजत पदक ने एशियन गेम्स में मिक्स्ड 4७400 मीट रिले में देश के शानदार रिकॉर्ड को और बेहतर बनाया है। जकार्ता 2018 में गोल्ड और हांग्झू 2023 में सिल्वर के बाद, देश ने लगातार तीन बार इस इवेंट में मेडल जीता है। भारतीय टीम ने वियतनाम को सिर्फ 0.08 सेकेंड से पीछे छोड़कर सिल्वर मेडल जीता, जिसमें मनु ने रेस के शुरूआती चरणों में अहम भूमिका निभाई।

प्रचंड फॉर्म में चल रहे इस बैटर के शतक की बदौलत जीता द. अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया को 67 रन से धूल चटाई

डरबन : दक्षिण अफ्रीका ने किंग्समीड में खेले गए पहले वनडे में ऑस्ट्रेलिया को 67 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। मैथ्यू ब्रीत्जके ने 112 रन की शतकीय पारी खेली, जबकि केशव महाराज ने चार विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया को 230 रन पर समेटने में अहम भूमिका निभाई। दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ किंग्समीड में खेले गए वनडे सीरीज के पहले मैच को 67 रन से अपने नाम किया। इसी के साथ मेजबान टीम ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली है। गुरुवार को टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी साउथ अफ्रीकी टीम ने 50 ओवरों के खेल में 8 विकेट खोकर 297 रन बनाए। इस टीम ने 29 के स्कोर तक अपने दो विकेट गंवा दिए थे, जिसके बाद मैथ्यू ब्रीत्जके ने कप्तान तेंबा बावुमा के साथ तीसरे विकेट के लिए 54 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभाला। ब्रीत्जके ने कीं कई अहम साझेदारियां बावुमा 48 गेंदों में चार चौकों के साथ 30 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद ब्रीत्जके ने रेयान रिकेल्टन के साथ चौथ विकेट के लिए 42 रन और डेविड मिलर के साथ पांचवें विकेट के लिए 43 रन जोड़कर टीम को 168 के स्कोर तक पहुंचा दिया। रिकेल्टन 27 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जबकि मिलर ने टीम के खाते में सिर्फ नौ रन जुटाए। इसके बाद ब्रीत्जके ने मार्को जानसेन के साथ छठे विकेट के लिए 81 गेंदों में 107 रन की साझेदारी की। ब्रीत्जके 14 चौकों और दो छक्कों के साथ 112 रन बनाकर आउट हुए, जबकि जानसेन ने 59 गेंदों में 75 रन कूटे। उनकी इस पारी में चार छक्के और सात चौके शामिल रहे। मार्श ने बनाए सबसे ज्यादा रन विपक्षी खेमे से नाथन एलिस ने सर्वाधिक तीन विकेट हासिल किए, जबकि एडम जैम्पा को दो विकेट हाथ लगे। इनके अलावा, जोश हेजलवुड ने एक विकेट अपने नाम किया। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम 41.2 ओवरों में 230 के स्कोर पर सिमट गई। कप्तान मिचेल मार्श ने ट्रेविस हेड के साथ मिलकर मेबमानों को मजबूत शुरूआत दिलाई। इस सलामी जोड़ी ने 9.2 ओवरों में 90 रन की साझेदारी की। मार्श 36 गेंदों में छह छक्कों और पांच चौकों के साथ 60 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद ट्रेविस हेड ने कूपर कोनोली के साथ दूसरे विकेट के लिए 39 रन जोड़े। हेड 36 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जबकि कोनोली ने 38 रन का योगदान टीम का खाते में दिया। 27 सितंबर को खेला जाएगा दूसरा वनडे टीम को 134 के स्कोर पर तीसरा झटका भी लग गया था, जिसके बाद मैट रेनशॉ ने छोटी-छोटी साझेदारियां करते हुए ऑस्ट्रेलिया को किसी तरह 200 के पार पहुंचाया। रेनशॉ 49 गेंदों में छह चौकों के साथ 44 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

द.अफ्रीका ५२ ऑस्ट्रेलिया: मार्को यानसेन ने बाउंड्री पर एक हाथ से पकड़ा असाधारण कैच

डरबन : दक्षिण अफ्रीका ने डरबन में ऑस्ट्रेलिया को पहले वनडे में 67 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। मार्को जानसेन ने बल्ले और गेंद के साथ शानदार प्रदर्शन किया और चार कैच पकड़े। इनमें मैट रेनशॉ का एक हाथ से लिया गया उनका असाधारण कैच सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा

है। दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच वनडे सीरीज का पहला मुकाबला डरबन के किंग्समीड में खेला गया। दक्षिण अफ्रीका ने 67 रन से जीत हासिल कर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। दक्षिण अफ्रीका की जीत में ऑलराउंडर मार्को यानसेन की अहम भूमिका रही। यानसेन ने बल्ले और गेंद के साथ-साथ अपनी बेहतरीन फील्डिंग से टीम की जीत सुनिश्चित की। उनके एक बेहतरीन कैच का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। बल्लेबाजी के दौरान यानसेन ने सातवें नंबर पर उतरकर 59 गेंदों पर चार छक्कों और सात चौकों की मदद से 75 रन की पारी खेली। गेंदबाजी में सात ओवर में 64 रन देकर एक विकेट लिया। यह विकेट ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड का था। इसके अलावा, फील्डिंग में सिर्फ यानसेन ही दिखे। यानसेन ने चार कैच पकड़े। इसमें मैट रेनशॉ का कैच सोशल मीडिया पर वायरल है। ऑस्ट्रेलियाई पारी का 37वां ओवर लेकर दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाज गेराल्ड कोएट्जी आए थे। ओवर की उनकी दूसरी गेंद को मैट रेनशॉ ने मिडविकेट और लॉन्ग-ऑन के बीच में मारा। गेंद हवा में थी। यानसेन ने अपनी विपरीत दिशा में दौड़ते हुए बेहतरीन डाइव लगाकर अपने दाएं हाथ से एक यादगार कैच पकड़ा। बता दें कि मार्को यानसेन बाएं हाथ से गेंदबाजी करते हैं, लेकिन उन्होंने अपनी विपरीत दिशा में डाइव लगाते हुए दाहिने हाथ से कैच पकड़ा। इस कैच का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मैच के बाद यानसेन ने कैच का जिक्र करते हुए कहा, 'शुरूआत में मुझे लगा कि मैं कैच नहीं ले पाऊंगा। लेकिन बाद में मैंने निर्णय लिया कि मैं कैच के लिए जाऊंगा, ले पाता हूं या नहीं, यह अहम नहीं है। गेंद हवा में थी, इसलिए मुझे भरोसा था कि हाथ में आएगी। सौभाग्य से मैंने डाइव लगाई और गेंद दाहिने हाथ में आ गई। मैंने जिस हाथ से कैच लिया, वो मेरा परफेक्ट हाथ नहीं था, लेकिन गेंद मेरे हाथ में आ गई।' मैच की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। मैथ्यू ब्रिट्जके के 112, मार्को यानसेन के 75 और कप्तान तेम्बा बावुमा के 30 रनों की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने 8 विकेट पर 297 रन बनाए। 298 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी ऑस्ट्रेलिया 41.2 ओवर में 230 रन पर सिमट गई और 67 रन से हार गई। दक्षिण अफ्रीका के लिए सर्वाधिक चार विकेट बाएं हाथ के स्पिनर केशव महाराज ने लिए। मैथ्यू ब्रिट्जके प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

अंतरिक्ष: पहली बार किसी बाहरी ग्रह से आए रेडियो संकेत, वैज्ञानिकों ने सीधे पकड़ी 'दूसरी दुनिया' की आवाज

वॉशिंगटन अंतरिक्ष में 64 प्रकाशवर्ष दूर स्थित गैस दानव ग्रह बीटा पिक्टोरिस बी से पहली बार रेडियो संकेत सीधे पकड़े गए हैं। वैज्ञानिकों ने मीरकैट रेडियो दूरबीन की मदद से इन संकेतों को ग्रह की स्थिति से जोड़ा। ये किसी एलियन सभ्यता का संदेश नहीं, बल्कि ग्रह के शक्तिशाली चुंबकीय क्षेत्र से पैदा होने वाली प्राकृतिक ऑरोरा प्रक्रिया का परिणाम हैं। इस खोज से बाहरी ग्रहों के चुंबकीय क्षेत्रों को समझने का नया रास्ता खुला है। अंतरिक्ष में 64 प्रकाशवर्ष दूर मौजूद एक विशाल गैस ग्रह से पहली बार रेडियो संकेत सीधे पकड़े गए हैं। वैज्ञानिकों ने इन संकेतों का स्रोत उसके मूल तारे के बजाय ग्रह बीटा पिक्टोरिस बी को पाया है। यह उपलब्धि इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि रेडियो तरंगों ने न सिर्फ इस दूरस्थ दुनिया की मौजूदगी को एक नए तरीके से दर्ज किया, बल्कि उसके शक्तिशाली चुंबकीय क्षेत्र की भी पहली प्रत्यक्ष झलक दी है। संकेत किसी एलियन सभ्यता का संदेश नहीं, बल्कि ग्रह के चुंबकीय क्षेत्र से जुड़ी प्राकृतिक ऑरोरा प्रक्रिया से पैदा हुए हैं। फिजिक्स डॉट ऑर्ग की रिपोर्ट के अनुसार यह शोध केविन एन. ऑर्टिज सेबालोस के नेतृत्व वाली टीम ने किया है और इसके निष्कर्ष आर्काइव पर प्रकाशित शोध-पत्र में सामने आए हैं। हमारे सौर मंडल के बाहर दूसरे तारों की परिक्रमा करने वाले ग्रहों को बाहरी ग्रह या एक्सोप्लैनेट कहा जाता है। 1990 के दशक में इन ग्रहों की खोज शुरू

होने के बाद से वैज्ञानिक यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि इन दूरस्थ दुनियाओं का वातावरण, आंतरिक संरचना और चुंबकीय क्षेत्र कैसा होता है। इससे पहले भी बाहरी ग्रह प्रणालियों से रेडियो संकेत दर्ज किए जा चुके हैं, लेकिन वैज्ञानिक यह निश्चित नहीं कर सके थे कि ये संकेत ग्रह से आ रहे हैं या उसके मूल तारे से। बीटा पिक्टोरिस बी के मामले में पहली बार संकेत के स्रोत को सीधे ग्रह की स्थिति से जोड़ने में सफलता मिली है। मीरकैट ने पकड़े कमजोर लेकिन दोहराए जाने वाले संकेत वैज्ञानिकों ने दक्षिण अफ्रीका की मीरकैट रेडियो दूरबीन से बीटा पिक्टोरिस ग्रह प्रणाली का अध्ययन किया। इस दौरान उन्हें बेहद कमजोर लेकिन बार-बार दोहराए जाने वाले रेडियो संकेत मिले।शुरूआत में यह स्पष्ट नहीं था कि संकेत ग्रह से आ रहे हैं या उसके तारे से। इसकी पुष्टि के लिए शोधकताओं ने रेडियो तस्वीरों में दिखाई देने वाले स्रोतों की स्थिति को बेहद दूर स्थित क्वासरों के सापेक्ष निर्धारित किया। क्वासर इस तरह के खगोलीय माप में स्थिर संदर्भ बिंदु के रूप में काम कर सकते हैं।इसके बाद वैज्ञानिकों ने तारे और ग्रह की सटीक स्थिति के साथ रेडियो संकेतों का मिलान किया। संकेत का स्थान बीटा पिक्टोरिस तारे के बजाय उसके ग्रह बीटा पिक्टोरिस बी की स्थिति से मेल खाता मिला। इसी आधार पर शोधकताओं ने रेडियो उत्सर्जन को सीधे ग्रह से जोड़ने का निष्कर्ष निकाला। ग्रह के चुंबकीय क्षेत्र से बन रही है रेडियो आवाज वैज्ञानिकों के अनुसार इन रेडियो संकेतों के पीछे कोई कृत्रिम संदेश नहीं है। यह एक प्राकृतिक खगोलीय प्रक्रिया है, जो ग्रह के शक्तिशाली चुंबकीय क्षेत्र से जुड़ी है।जब उच्च ऊर्जा वाले आवेशित कण ग्रह के चुंबकीय क्षेत्र की रेखाओं के साथ गति करते हैं और उसके ऊपरी वायुमंडल से टकराते या परस्पर क्रिया करते हैं, तो ऊर्जा का उत्सर्जन होता है। इसी प्रक्रिया से ध्रुवीय ज्योति यानी ऑरोरा पैदा होती है।पृथ्वी पर भी ऐसी प्रक्रिया होती है। उत्तरी ध्रुवीय क्षेत्रों में दिखाई देने वाली उत्तरी रोशनी इसका प्रसिद्ध उदाहरण है। बीटा पिक्टोरिस बी के मामले में इसी तरह की ऑरोरल गतिविधि से रेडियो तरंगें पैदा होने के प्रमाण मिले हैं। बृहस्पति से भी अधिक शक्तिशाली चुंबकीय क्षेत्र इस खोज का सबसे अहम पहलू ग्रह के चुंबकीय क्षेत्र से जुड़ा है। वैज्ञानिकों ने अनुमान लगाया है कि जिस क्षेत्र से रेडियो तरंगें पैदा हो रही हैं, वहां बीटा पिक्टोरिस बी के चुंबकीय क्षेत्र की ताकत कम से कम 1,250 गॉस है।यह बृहस्पति के चुंबकीय क्षेत्र की तुलना में काफी अधिक है। शोधकताओं के अनुसार यह किसी बाहरी ग्रह के चुंबकीय क्षेत्र की ताकत का पहला प्रत्यक्ष मापन है।इससे पहले बाहरी ग्रहों के चुंबकीय क्षेत्रों के बारे में वैज्ञानिकों को मुख्य रूप से सैद्धांतिक मॉडल और अप्रत्यक्ष संकेतों पर निर्भर रहना पड़ता था। अब रेडियो उत्सर्जन के जरिए इन क्षेत्रों का प्रत्यक्ष अध्ययन करने का रास्ता खुल सकता है। युवा और विशाल ग्रह के अध्ययन से क्या पता चलेगा बीटा पिक्टोरिस बी एक विशाल गैस दानव ग्रह है और अपेक्षाकृत युवा ग्रह प्रणाली का हिस्सा है। युवा और विशाल ग्रहों के भीतर निर्माण के समय बची ऊर्जा और तीव्र आंतरिक गतिविधियां शक्तिशाली चुंबकीय क्षेत्र पैदा कर सकती हैं।शोधकताओं के अनुसार इस ग्रह से मिले रेडियो संकेतों के आधार पर चुंबकीय क्षेत्र की जो ताकत सामने आई है, वह युवा और विशाल ग्रहों में चुंबकीय क्षेत्र की ताकत को लेकर की गई सैद्धांतिक भविष्यवाणियों के अनुरूप है। इससे वैज्ञानिकों को यह समझने में मदद मिल सकती है कि ऐसे ग्रहों के भीतर चुंबकीय क्षेत्र कैसे बनते हैं और उनके निर्माण तथा विकास में उनकी क्या भूमिका होती है। बाहरी ग्रहों को देखने का नया तरीका बाहरी ग्रहों की खोज और अध्ययन के लिए अब तक वैज्ञानिक मुख्य रूप से उनके तारों की रोशनी में होने वाले बदलाव, ग्रह की कक्षीय गति और ग्रहों के वातावरण से जुड़े संकेतों का इस्तेमाल करते रहे हैं। रेडियो खगोल विज्ञान इसमें एक नया आयाम जोड़ सकता है।अगर दूसरे विशाल बाहरी ग्रहों से भी इसी तरह के रेडियो संकेत दर्ज किए जा सके, तो वैज्ञानिक अलग-अलग ग्रहों के चुंबकीय क्षेत्रों की तुलना कर सकेंगे। इससे ग्रहों की आंतरिक संरचना, निर्माण और विकास को समझने में मदद मिल सकती है।विशेष रूप से, ग्रह का चुंबकीय क्षेत्र उसके आसपास के अंतरिक्षीय वातावरण से उसकी बातचीत को प्रभावित करता है। इसलिए रेडियो उत्सर्जन का अध्ययन केवल ग्रह के चुंबकीय क्षेत्र की जानकारी नहीं देता, बल्कि उसके आसपास के अंतरिक्षीय पर्यावरण को समझने में भी उपयोगी हो सकता है। एलियन संदेश नहीं, लेकिन बड़ी वैज्ञानिक खोज रेडियो संकेत सुनते ही बाहरी अंतरिक्ष में जीवन या एलियन सभ्यता की संभावना का सवाल उठना स्वाभाविक है। लेकिन बीटा पिक्टोरिस बी से मिले संकेत ऐसी किसी सभ्यता या बुद्धिमान जीवन का प्रमाण नहीं हैं। ये संकेत प्राकृतिक ऑरोरल प्रक्रिया से पैदा हुए हैं।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर फिर झड़प, बढ़ा तनाव; एथेंस में जोरदार धमाके से इमारत ढही

नई दिल्ली : पाकिस्तान ने अफगानिस्तान की सीमा से लगे गुलिस्तान सेक्टर में अफगान तालिबान के कथित हमले को नाकाम करने का दावा किया है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान ने इस कार्रवाई में तालिबान के कई सदस्यों को मार गिराया। यह घटना दोनों पड़ोसी देशों के बीच करीब तीन महीने तक अपेक्षाकृत शांति रहने के बाद फिर बढ़े तनाव के बीच हुई है। पिछले सप्ताह पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी इलाके में एक पुलिस प्रतिष्ठान पर हमला हुआ था, जिसमें कम से कम 24 लोगों की मौत हुई थी। पाकिस्तान की वायुसेना ने गुरुवार को अफगानिस्तान में 10 ठिकानों पर हमला किया था। इस्लामाबाद का कहना था कि इन ठिकानों का इस्तेमाल ड्रोन लॉन्च करने और उन्हें रखने के लिए किया जा रहा था। दोनों देशों के बीच फरवरी में भी संघर्ष हुआ था। इसके बाद तनाव जारी रहने के दौरान मार्च में काबुल पर पाकिस्तानी हवाई हमले में 400 से अधिक लोगों के मारे जाने की खबर सामने आई थी। बांग्लादेश 2024 में फासीवाद से मुक्त हुआः संयुक्त राष्ट्र महासभा में प्रधानमंत्री तारीक रहमान बांग्लादेश 2024 में फासीवाद से मुक्त हुआ और सरकार देश को ₹ठीक₹ करने के लिए सुधार, पुनर्स्थापन और पुनर्निर्माण की रणनीति पर काम कर रही है। बांग्लादेशी प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में यह बात कही। रहमान ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपना भाषण बांग्ला में दिया। वह अपने परिवार के तीसरे सदस्य हैं, जिन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित किया है। उनसे पहले उनके पिता और पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान के साथ मां और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित कर चुकी हैं। उनके पिता जियाउर रहमान ने 1980 में संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित किया था, जबकि उनकी मां ने 1993 में विश्व नेताओं को संबोधित किया था। रहमान ने गुरुवार को अपने पहले संबोधन में कहा, ₹डेढ़ दशक से अधिक समय के फासीवादी शासन और शोषण को खत्म करने के बाद बांग्लादेश 2024 में फासीवाद से मुक्त हुआ।₹ नेपाल-चीन सीमा पर बाढ़ के एक महीने बाद भी 50 से ज्यादा यूक्रेनी लापता, परिवारों को जवाब का इंतजार ओलेना कलिनिचेंको चीन से खरीदी गई गुलदाउदी की चाय अपने साथी के साथ साझा करने का इंतजार कर रही थीं। उनके साथी ओलेस विसिच ने कहा, ₹उन्होंने कहा था, जब मैं घर लौटूंगी तो हम चीनी फूलों से बनी चाय साथ में पिएंगे।₹ अब वह एक महीने से ओलेना की खबर का इंतजार कर रहे हैं। ओलेना और हजारों अन्य लोग नेपाल-चीन सीमा पर आई भीषण बाढ़ के दौरान लापता हो गए थे। ओलेना की आखिरी ज्ञात लोकेशन स्थानीय समयानुसार सुबह 10 बजकर 22 मिनट पर एक सीमा चौकी से चीन से बाहर निकलते समय दर्ज हुई थी। इसके 15 मिनट बाद बाढ़ आ गई थी। 36 वर्षीय कलिनिचेंको उन 56 लोगों के समूह का हिस्सा थीं, जिनमें ज्यादातर यूक्रेनी नागरिक थे। यह समूह आध्यात्मिक प्रवास के लिए तिब्बत स्थित कैलाश पर्वत गया था। इन परिवारों की स्थिति बताती है कि आपदा में लापता लोगों को बचाने, उनके शव बरामद करने और उनकी पहचान करने की प्रक्रिया कितनी जटिल और समय लेने वाली हो सकती है। लापता लोगों की संख्या को देखते हुए इस प्रक्रिया में कई महीने लगने की संभावना है।

ट्रंप-जिनपिंग के डिनर में दिखी अमेरिकी ताकत: एक मेज पर जुटे कई दिग्गज, मस्क से सुंदर पिचाई तक कौन रहा शामिल ?

वॉशिंगटन : राष्ट्रपति ट्रंप और उनके चीनी समकक्ष जिनपिंग की मुलाकात के बाद हुए राजकीय रात्रिभोज में अमेरिकी प्रशासन और उद्योग जगत के कई प्रमुख चेहरे एक साथ नजर आए। एआई, सेमीकंडक्टर, डिजिटल प्लेटफॉर्म, वित्त, रक्षा और ऊर्जा क्षेत्र की बड़ी कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों की मौजूदगी ने आयोजन के आर्थिक आयाम को सामने रखा। दूसरी ओर, चीनी पक्ष से प्रमुख रूप से सरकार और कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई उच्चस्तरीय मुलाकात के बाद आयोजित राजकीय रात्रिभोज सिर्फ कूटनीतिक मेजबानी का कार्यक्रम नहीं रहा। इसमें अमेरिकी सरकार के शीर्ष अधिकारियों के साथ देश की तकनीकी, वित्तीय, रक्षा, ऊर्जा और औद्योगिक कंपनियों के कई दिग्गज एक ही जगह दिखाई दिए। मेहमानों की सूची ने यह भी दिखाया कि अमेरिका-चीन संबंधों में व्यापार और तकनीक का महत्व अब कूटनीति के समानांतर एक बड़े रणनीतिक मुद्दे के रूप में मौजूद है। राजकीय रात्रिभोज में एप्पल के टिम कुक, एनवीडिया के जेन्सेन हुआंग, मेटा के मार्क जुकरबर्ग, ओपनएआई के सैम ऑल्टमैन,

माइक्रोसॉफ्ट के सत्य नडेला, गूगल के सुंदर पिचाई और टेस्ला तथा स्पेसएक्स के एलन मस्क समेत अमेरिका के कई प्रमुख कारोबारी और तकनीकी चेहरे शामिल हुए। एडवांस्ड माइक्रो डिवाइसेज की प्रमुख लिसा सु, अमेजन के जेफ बेजोस, माइक्रॉन के संजय मेहरोत्रा और क्वालकॉम के क्रिस्टियानो आमोन भी मेहमानों की सूची में थे। एक मेज पर टेक की दुनिया के सबसे बड़े नाम अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स और सीएनबीसी के अनुसार रात्रिभोज की सबसे उल्लेखनीय तस्वीर अमेरिकी तकनीकी क्षेत्र के दिग्गजों की मौजूदगी रही। ट्रंप और शी के साथ टिम कुक, जेन्सेन हुआंग, एलन मस्क और लिसा सु जैसे कारोबारी नेताओं की मौजूदगी ने कार्यक्रम को विशेष महत्व दिया। एनवीडिया और एएमडी जैसी कंपनियां उन्नत कंप्यूटिंग और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़े वैश्विक तकनीकी ढांचे में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, जबकि एप्पल और माइक्रोसॉफ्ट जैसी कंपनियों का चीन के साथ लंबे समय से व्यापक कारोबारी संबंध रहा है। ओपनएआई के सैम ऑल्टमैन और सह-संस्थापक ग्रेग ब्रॉकमैन की मौजूदगी भी खास रही। वहीं मेटा के मार्क जुकरबर्ग, गूगल के सुंदर पिचाई और अमेजन के जेफ बेजोस ने अमेरिका के डिजिटल और तकनीकी उद्योग के प्रतिनिधित्व को और व्यापक बनाया। हालांकि, एंथ्रोपिक का नाम मेहमानों की सूची में नहीं था। चीन की तरफ से सरकार के शीर्ष अधिकारी चीनी प्रतिनिधिमंडल में कारोबारियों की तुलना में सरकारी अधिकारियों की मौजूदगी अधिक रही। शी जिनपिंग के साथ चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के पोलित ब्यूरो स्थायी समिति के सदस्य और उनके चीफ ऑफ स्टाफ काई छी, केंद्रीय विदेश मामलों से जुड़े वरिष्ठ अधिकारी वांग यी, उपप्रधानमंत्री हे लिफेंग, राष्ट्रीय विकास एवं सुधार आयोग के अध्यक्ष झेंग शानजी और वाणिज्य मंत्री वांग वेंटाओ शामिल रहे। अमेरिका में चीन के राजदूत श्ये फेंग और विदेश मंत्रालय के कई वरिष्ठ अधिकारी भी रात्रिभोज में मौजूद थे। वित्त मंत्री लान फोआन का नाम भी सूची में शामिल था। इस तरह चीन की तरफ से प्रतिनिधित्व मुख्य रूप से राजनीतिक, आर्थिक और विदेश नीति से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों का रहा। सिर्फ डिनर नहीं, रिश्तों की दिशा का संकेत रात्रिभोज ऐसे समय हुआ जब दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार, तकनीक, आपूर्ति श्रृंखला और रणनीतिक प्रतिस्पर्धा लगातार महत्वपूर्ण मुद्दे बने हुए हैं। ऐसे में एक ही कार्यक्रम में अमेरिकी प्रशासन और उद्योग जगत के शीर्ष लोगों की मौजूदगी इस मुलाकात के व्यापक आर्थिक संदर्भ को रेखांकित करती है। सीएनबीसी की रिपोर्ट के अनुसार टोस्ट के दौरान शी ने कहा कि ट्रंप के साथ बातचीत ने अमेरिका-चीन संबंधों में नई दिशा और नया आधार जोड़ा है।

नेपाल में भारी बारिश का अलर्ट: फिर से बाढ़ आने की आशंका ने डराया, कई राजमार्गों पर प्रतिबंधित की गई यात्रा

काठमांडो : नेपाल में भारी बारिश ने 26 अगस्त की भोटेकोशी बाढ़ से प्रभावित इलाकों में पुनर्बहाली के काम को मुश्किल बना दिया है। मौसम विभाग ने शुक्रवार से रविवार तक कई हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना जताई है। गांडकी और लुंबिनी के कुछ क्षेत्रों में अत्यधिक बारिश का अनुमान है। नेपाल में बड़े हिस्से में हो रही भारी बारिश ने 26 अगस्त को भोटेकोशी नदी में आई विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित इलाकों में राहत और पुनर्बहाली के प्रयासों के सामने नई चुनौती खड़ी कर दी है। अधिकारियों ने भूस्खलन, बाढ़ और मलबे के बहाव का खतरा बढ़ने की चेतावनी दी है। नेपाल के जल विज्ञान एवं मौसम विज्ञान विभाग ने शुक्रवार से रविवार के बीच देश के कई हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश का पूर्वानुमान जताया है। गांडकी और लुंबिनी प्रांतों के कुछ हिस्सों में अत्यधिक भारी बारिश की भी संभावना है। राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण मौसम और बाढ़ पूर्वानुमान से जुड़ी एजेंसियों के साथ मिलकर

नदियों के जलस्तर और आपदा के जोखिम की निगरानी कर रहा है। 26 अगस्त की बाढ़ ने मचाई थी तबाही 26 अगस्त को नेपाल-तिब्बत सीमा के पास से आई अचानक बाढ़ ने उत्तरी और मध्य नेपाल के कस्बों और गांवों में भारी तबाही मचाई थी। हिमालयी सीमा क्षेत्र से दक्षिण की ओर बहने वाली भोटेकोशी नदी का पानी नीचे के इलाकों में पहुंचा और घरों, वाहनों, सड़कों तथा पुलों को बहा ले गया। बाढ़ से जलविद्युत परियोजनाओं को भी नुकसान पहुंचा था। इस आपदा में 1,450 से अधिक लोगों की मौत हुई थी, जबकि करीब 5,600 लोग अब भी लापता हैं। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि मौजूदा बारिश 26 अगस्त की बाढ़ की पुनरावृत्ति नहीं है। हालांकि, मौसम विशेषज्ञों और अधिकारियों ने भूस्खलन, बाढ़, मलबे के बहाव और सड़कों तथा अन्य बुनियादी ढांचे में आगे नुकसान का खतरा जताया है। पहले से क्षतिग्रस्त इलाकों में ज्यादा खतरा अगस्त की आपदा में जिन इलाकों की सड़कें, नदी किनारे और अन्य बुनियादी ढांचे क्षतिग्रस्त हुए थे, वहां मौजूदा बारिश के कारण जोखिम अधिक बताया जा रहा है। ताजा बारिश के कारण अगस्त की बाढ़ से प्रभावित कम से कम दो जिलों में फिर से भूस्खलन हुआ है।

नेपाल के विदेश मंत्री ने भारत को लेकर खोले पत्ते: रिश्तों को बताया बेहतरीन, जयशंकर से मुलाकात का भी किया जिक्र

वॉशिंगटन : नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने भारत के साथ रिश्तों को बेहतरीन बताया है। उन्होंने कहा कि राजनीति में कभी उतार-चढ़ाव आया, लेकिन अभी दोनों देशों के संबंध अच्छे हैं। नेपाल अब मतभेदों के बजाय व्यापार, ऊर्जा और संपर्क के अवसरों पर ध्यान दे रहा है। खनाल ने चीन के साथ भी व्यावहारिक रिश्तों की बात कही। आखिर भारत नेपाल के लिए इतना अहम क्यों है? क्या ऊर्जा और व्यापार रिश्तों को नई दिशा देंगे? न्यूयॉर्क में एशिया सोसाइटी के एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि दोनों देशों के राजनीतिक संबंधों में कभी-कभी उतार-चढ़ाव आता रहा है, लेकिन अभी नेपाल और भारत के बीच रिश्ते अच्छे दौर में हैं। उन्होंने कहा कि काठमांडो भारत के साथ संबंधों में मतभेदों के बजाय अवसरों पर ध्यान देते हुए व्यावहारिक तरीका अपना रहा है। भारत के साथ रिश्तों पर नेपाल के विदेश मंत्री ने क्या कहा? शिशिर खनाल ने कहा कि नेपाल और भारत के संबंध बहुत मजबूत और कई स्तरों वाले हैं। उन्होंने बताया कि नेपाल के कुल व्यापार का करीब दो-तिहाई हिस्सा भारत के साथ होता है। दोनों देशों के बीच सामाजिक और सांस्कृतिक संबंध भी काफी मजबूत हैं। खनाल ने कहा कि राजनीतिक स्तर पर कभी-कभी रिश्तों में उतार-चढ़ाव देखने को मिलता है, लेकिन मौजूदा समय में दोनों देशों के संबंधों को वह बेहतरीन मानते हैं। उन्होंने यह बात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेपाल की नई सरकार के बीच संबंधों से जुड़े सवाल के जवाब में कही। जयशंकर से मुलाकात में किन मुद्दों पर हुई बात? खनाल ने बताया कि उन्होंने न्यूयॉर्क में भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर से भी मुलाकात की है।

अमेरिका-चीन बैठक : जिनपिंग ने ट्रंप के सामने उठाया ताइवान का मुद्दा, एआई सहयोग पर क्या सहमति बनी?

वॉशिंगटन : व्हाइट हाउस में ट्रंप और शी जिनपिंग की मुलाकात में ताइवान और एआई अहम मुद्दे रहे। शी ने अमेरिका से ताइवान की आजादी का विरोध करने और इस मुद्दे को सावधानी से संभालने की अपील की। साथ ही उन्होंने एआई के क्षेत्र में दोनों देशों के सहयोग की बात कही। ट्रंप ने भी एआई और व्यापार पर संवाद जारी रखने पर जोर दिया। आखिर ताइवान पर चीन की मांग क्या है? एआई पर दोनों साथ कैसे आएंगे? अमेरिका और चीन के बीच रिश्तों में व्यापार और तकनीक को लेकर चल रही खींचतान के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने व्हाइट हाउस में मुलाकात की। इस बातचीत में ताइवान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई जैसे अहम मुद्दे सामने आए। चीन के विदेश मंत्रालय के मुताबिक, शी ने अमेरिका से "ताइवान की आजादी" का विरोध करने और ताइवान के मुद्दे को सावधानी से संभालने की अपील की। साथ ही उन्होंने दोनों देशों से एआई के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा के साथ सहयोग बढ़ाने को कहा। शी जिनपिंग ने ट्रंप से ताइवान को लेकर क्या कहा? शी ने कहा कि चीन की राष्ट्रीय एकता और क्षेत्रीय अखंडता को लेकर उसका रुख स्पष्ट है। उन्होंने अमेरिका से "ताइवान की आजादी" का विरोध करने और ताइवान के सवाल को सावधानी से संभालने की अपील की। चीन ताइवान को अपने क्षेत्र का हिस्सा मानता है और राष्ट्रीय एकीकरण की बात करता है। वहीं, ताइवान खुद को स्वशासित लोकतांत्रिक व्यवस्था के रूप में चलाता है। इसी वजह से ताइवान का मुद्दा अमेरिका और चीन के रिश्तों में सबसे संवेदनशील विषयों में शामिल है। एआई पर चीन और अमेरिका के बीच साथ काम करने की बात क्यों हुई? शी ने कहा कि चीन और अमेरिका दोनों के पास एआई के क्षेत्र में मजबूत क्षमताएं हैं। उनके मुताबिक, दोनों देशों को एक-दूसरे से बचने के बजाय अपनी-अपनी ताकत का इस्तेमाल साथ मिलकर करना चाहिए। उन्होंने एआई से जुड़े जोखिम और फायदे पर लगातार बातचीत करने तथा इसके गलत इस्तेमाल और दुरुपयोग को रोकने के लिए मिलकर काम करने का प्रस्ताव रखा। शी ने यह भी कहा कि एआई पर इंसानों का नियंत्रण बना रहना चाहिए और इसका विकास लोगों के हित में होना चाहिए। ट्रंप ने चीन के साथ व्यापार और एआई को लेकर क्या कहा? ट्रंप ने शी की यात्रा को शानदार बताया और दोनों देशों के बीच आर्थिक तथा व्यापारिक बातचीत जारी रखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों को बातचीत जारी रखकर बेहतर व्यापार समझौते की दिशा में काम करना चाहिए। एआई को लेकर भी ट्रंप ने दोनों देशों के बीच संवाद और सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। उन्होंने एआई को मानवता के भविष्य से जुड़ी तकनीक बताया। इस तरह दोनों नेताओं की बातचीत में प्रतिस्पर्धा के साथ सहयोग बनाए रखने पर जोर दिखाई दिया। दोनों देशों के रिश्तों में स्थिरता को लेकर शी ने क्या कहा? शी ने कहा कि चीन और अमेरिका को एक रचनात्मक और रणनीतिक रूप से स्थिर संबंध बनाने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने दोनों देशों के बीच सहयोग को मुख्य आधार बनाने, प्रतिस्पर्धा को उचित सीमा में रखने और मतभेदों को संभालने की बात कही।

'कब करेंगे कार्रवाई ?': यूएन में शहबाज शरीफ से हाफिज सईद पर सवाल, मुंह छिपाते नजर आए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री

इस्लामाबाद : यूएन मुख्यालय में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से हाफिज सईद और आतंकियों को पनाह देने को लेकर सीधे सवाल पूछे गए। उन्होंने दोनों सवालों का जवाब नहीं दिया और आगे बढ़ गए। हाफिज सईद 26/11 मामले में आरोपी है और पहलगाम आतंकी हमले की एनआईए जांच में भी आरोपी बनाया गया है। ऐसे में सवाल उठता है कि शहबाज ने जवाब क्यों नहीं दिया? पाकिस्तान उस पर कब कार्रवाई करेगा? संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र के दौरान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को हाफिज सईद के मुद्दे पर सीधे सवालों का सामना करना पड़ा। न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में प्रवेश करते समय पत्रकार ने उनसे पूछा कि पाकिस्तान आतंकियों को पनाह देना कब बंद करेगा। शहबाज शरीफ ने इस सवाल का कोई जवाब नहीं दिया और आगे बढ़ गए। बाद में जब वह यूएन मुख्यालय से बाहर निकले तो उनसे फिर पूछा गया कि लश्कर-ए-तैयबा प्रमुख हाफिज सईद पर मुकदमा कब चलाया जाएगा। इस सवाल पर भी वो मुंह छिपाते हुए चलते चले गए। हाफिज सईद पर शहबाज शरीफ से क्या-क्या पूछा गया? शहबाज शरीफ से दोनों सवाल सीधे तौर पर पाकिस्तान में आतंकवाद और हाफिज सईद के खिलाफ कार्रवाई से जुड़े थे। सवाल था, 'प्रधानमंत्री, आप आतंकियों को पनाह देना कब बंद करेंगे?' लेकिन शहबाज ने इस पर प्रतिक्रिया नहीं दी। इसके बाद यूएन मुख्यालय से निकलते समय उनसे पूछा गया, 'लश्कर-ए-तैयबा प्रमुख हाफिज सईद पर मुकदमा कब चलाएंगे?' इस बार भी पाकिस्तानी प्रधानमंत्री बिना जवाब दिए आगे बढ़ गए। इस पूरे घटनाक्रम ने यूएन में पाकिस्तान के आतंकवाद संबंधी रिकॉर्ड और हाफिज सईद पर कार्रवाई के सवाल को फिर चर्चा में ला दिया। हाफिज सईद कौन है और भारत उससे कार्रवाई क्यों चाहता है? हाफिज मोहम्मद सईद पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के सरगोधा का रहने वाला है और प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का संस्थापक और प्रमुख रहा है। भारत ने उसे गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम यानी यूएपीए के तहत आतंकवादी घोषित किया है। 26/11 मुंबई आतंकी हमले के मामले में भी उसका नाम आरोपी के तौर पर दर्ज है। इसके अलावा अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए आतंकी हमले की जांच में राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने हाफिज सईद को आरोपी बनाया है।

वचनामृत (शरणों के वचन)

डॉ प्रभाशंकर 'प्रेमी'
प्रोफेसर (से. नि.), बेंगलूरु विश्वविद्यालय, बेंगलूरु

कायक में तल्लीन हो तो गुरु दर्शन को भी भूल जाना चाहिए। लिंग पूजा को भी भूल जाना चाहिए। जंगम सामने हो ध्यान नहीं देना चाहिए। क्योंकि कायक ही कैलास है, अमरेश्वर लिंग भी कायक के अधीन है।

इस वचन में चावल बीनने के कायक के मारय्या कायक ही कैलास प्रतिपादित करते हैं। वे कहते हैं कि शरण यदि कायक में तल्लीन हो तो गुरु दर्शन हो, लिंग पूजा हो या जंगम सेवा हो भूल जाना चाहिए। क्योंकि कायक ही कैलास है। इसलिए अमरेश्वरलिंग भी कायक के अधीन है।

आयदक्कि मारय्या

PRINTED PUBLISHED AND OWNED BY ASHT BHUJA PANDEY AND PRINTED AT MNS PRINTERS PVT. LTD., NO. 345/4, BHATTARAHALLI, OLD MADRAS ROAD, BANGLORE KARNATAKA- 560049 AND PUBLISHED AT NO. 62, SAGAR SADAN, 3RD FLOOR, 7TH CROSS NEAR MUNESHWARA SWAMY MARIKAMBA TEMPLE, PILLARODDY NAGAR, CHIKKA-BANASWADI, BANGALORE NORTH, BANGALORE KARNATAKA-560043, EDITOR: BANDANA PANDEY, FOR-EDITORIAL 080-485-41870/8660106725, ADVERTISEMENT: 7892477134 E-MAIL HINDSAGARPLK@GMAIL.COM, RNI NO. KARHIN/2021/82440